शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विराजपेट में बाढ़ के पानी में फंसे 6 लोगों को सुरक्षित बचाया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 31 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-212

वायनाड भूस्खलन से 125 की मौत 128 घायल, सैकड़ों लापता

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख देने का ऐलान

चार गांव, पुल, सड़कें और गाड़ियां बहीं, सेना, एयरफोर्स और एनडीआरएफ रेस्क्यू में जुटीं राज्य में दो दिन का शोक

वायनाड/नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसिया)। केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी के पास पहाड़ी इलाकों में मंगलवार तड़के अलग-अलग जगहों पर हुए भूस्खलन में 125 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 128 घायल हुए हैं। वहीं सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। हालांकि मृतकों की संख्या में इजाफा होने की संभावना है। रेस्क्यू के लिए आर्मी, एयरफोर्स, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद है। भूस्खलन में 4 गांव बह गए। मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां भी बह गईं।

कन्नूर से आर्मी के 225 जवानों को वायनाड के लिए रवाना किया गया है। इसमें मेडिकल टीम भी शामिल है। इसके अलावा एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टर भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए भेजे गए हैं। वायनाड में

भूस्खलन के बाद हुई भीषण तबाही में बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने राज्य में दो दिनों के लिए शोक की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस प्राकृतिक पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में लोगों की मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ▶10पर

राजनाथ ने बचाव अभियान के लिए सेना प्रमुख से की बात

नई दिल्ली,30 जुलाई (एजेंसिया)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से बात कर केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की बड़ी आपदा से निपटने के लिए चलाये जा रहे बचाव अभियान के बारे में जानकारी ली है। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि श्री सिंह ने जनरल द्विवेदी से बचाव अभियान में सेना की तरफ से हर संभव मदद पहुंचाने को कहा है। सेना की ओर से बताया गया है कि राज्य सरकार की ओर से मदद का अनुरोध मिलने पर सेना ने तत्काल चार टुकड़ियों को वहां रवाना कर दिया। सेना ने करीब ढाई सौ सैनिकों को बचाव अभियान में मदद के लिए भेजा है।

शाह ने सीएम को हर संभव मदद का दिया आश्वासन

नई दिल्ली,30 जुलाई (एजेंसिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन से बात कर वायनाड में भूस्खलन के कारण उत्पन्न स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा केन्द्र की ओर से उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि श्री शाह ने श्री विजयन के साथ टेलीफोन पर बात कर हादसे के बारे में विस्तार से जानकारी ली है। मंत्रालय ने कहा है कि श्री शाह ने केरल के मुख्यमंत्री को संकट की इस घड़ी में केन्द्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। ▶10पर

भारत का प्रदर्शन विश्व के लिए आदर्श, देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: मोदी

- हमारी सरकार विकसित भारत के संकल्प के साथ काम कर रही
- हमारा इरादा और दिशा स्पष्ट है उसमें कोई भटकाव नहीं
- बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को विश्व के लिए एक आदर्श बताते हुए मंगलवार को कहा कि भारत महामारी के बाद तेजी से पुनः उच्च आर्थिक वृद्धि की राह पर लौट आया है तथा उनके वायदे के अनुसार, उनके तीसरे कार्यकाल में विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और भारत सधे हुए कदमों से इस ओर बढ़ रहा है और निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बन जाएगा। श्री मोदी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से बजट 2024-25 पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

श्री मोदी ने कहा, मैं जिस बिरादरी से आता हूं, उस बिरादरी की पहचान बन गई है कि चुनाव से पहले जो बातें करते हैं, वो चुनाव के बाद भुला देते हैं, लेकिन मैं उस बिरादरी में अपवाद हूं। इसलिए, मैं आपको याद दिलाता हूं कि मैंने कहा था कि मेरे तीसरे कार्यकाल में देश, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम देश के नागरिकों की क्वालिटी ऑफ लाइफ पर ध्यान दे रहे हैं। हमने कौशल विकास और रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया है। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने प्रधानमंत्री के स्वागत भाषण में कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प हुआ है और भारत को विश्व में एक नयी जगह मिली है और भारत आज दुनिया की सबसे तीव्र गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प में उद्योग जगत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुये, इस बजट में रोजगार प्रोत्साहन जैसी योजनाएं लाने के बारे में उद्योग जगत के सुझावों को शामिल किये जाने के प्रति प्रधानमंत्री का आभार जताया।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार जिस बड़े पैमाने और बड़ी रफ्तार से काम कर रही है वह अभूतपूर्व है तथा वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारत में जो आर्थिक वृद्धि दर और राजकोषीय संतुलन कायम रखा है, वह दुनिया के लिये एक आदर्श है। भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि में 16 प्रतिशत का योगदान कर रहा है।

▶10पर

मनु और सरबजोत की जोड़ी ने दिलाया भारत को दूसरा पदक

एक ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं मनु भाकर

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसिया)। मनु भाकर और सरबजोत सिंह की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में निशानेबाजी 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में देश के लिए दूसरा कांस्य पदक जीता।

चेटेउरौक्स में खेले गए मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया की जोड़ी ओह ये जिन और ली वोन्हो को 16-10 से हराकर पदक अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरुआत में दक्षिण कोरिया की ली वोन्हो और ओह ये जिन की टीम ने पहली सीरीज में बढ़त बनाई थी, लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 8-2 की बढ़त अपने नाम कर ली।

मनु भाकर ने शानदार शुरुआत करते हुए 10.2 का स्कोर हासिल किया। सरबजोत सिंह के 8.6 के स्कोर की वजह से भारत को पहले दो अंक गंवाने पड़े, लेकिन इसके बाद उन्होंने 10.5, 10.4 और 10 के स्कोर के साथ अच्छी वापसी की और भारत को अगले छह अंक लेने में मदद की। ▶10पर

प्रधानमंत्री ने दोनों खिलाडियों को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसिया)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक में मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाजों मनु भाकर और सरबजोत सिंह को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हमारे निशानेबाज हमें गौरवान्वित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मनु भाकर और सरबजोत सिंह को बधाई। दोनों ने शानदार कौशल और टीम वर्क दिखाया है। ▶10पर

यूपी में अब धोखा देकर शादी करने और धर्म बदलवाने पर आजीवन कारावास

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को महत्वपूर्ण उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक-2024 पास हो गया। साथ ही उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक-2024 भी पास हो गया। दोनों महत्वपूर्ण विधेयकों को सोमवार को सदन में पेश किया गया था। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण विधेयक भी पास हुए।

विधानसभा में मंगलवार को उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक-2024 पास हो गया। इसे सोमवार को पेश किया गया था। यूपी सरकार ने इससे पहले विधानसभा में धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2021 पारित किया था। इस

विधानसभा में उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक-2024 पास

उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक-2024 भी पास

विधेयक में संशोधन कर सजा व जुर्माने की दृष्टि से इसे बहुत मजबूत किया गया है। इसमें पहले से परिभाषित अपराधों में सजा जहां दोगुनी तक बढ़ा गई है, वहीं नए अपराध भी शामिल किए गए हैं। नए प्रावधानों के तहत धोखे, कपट, बहला-फुसला कर धर्म परिवर्तन कराने व शादी करने पर अब 3 से 10 साल की जेल व 25 हजार रुपए जुर्माना होगा। पहले एक से पांच साल जेल व 15 हजार रुपए जुर्माने की सजा था। नाबालिग, महिला (एससी-एसटी) संग अपराध पर अब पांच से 14 साल की जेल व एक लाख रुपए जुर्माना तथा अवैध ढंग से सामूहिक धर्म परिवर्तन कराने पर सात से 14 वर्ष की जेल तथा एक लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं को पारदर्शी और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने ▶10पर

सीएम रेड्डी ने जारी की किसानों की ऋण माफी की दूसरी किस्त

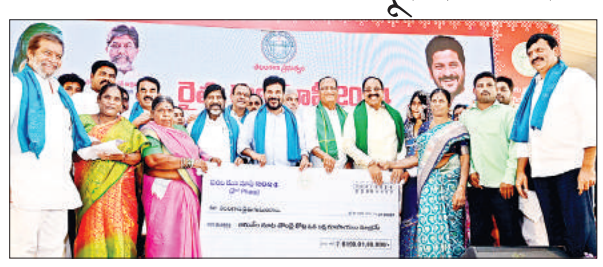

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में फसल ऋण माफी योजना के लिए धनराशि की दूसरी किस्त जारी की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को बधाई दी और कहा कि हमारे लिए किसान का हित सर्वोपरि है, राजनीतिक लाभ नहीं।गौरतलब है कि दूसरे चरण के तहत किसानों के बैंक खातों में 6,190 करोड़ रुपये जमा करके 1.5 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ किए जा रहे हैं। इन धनराशियों के जारी होने से लगभग ▶10पर

ओआरओपी पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लगाई फटकार, कहा

सेवानिवृत्त कप्तानों की पेंशन से जुड़ी सभी अड़चनें दूर करें

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र को कड़ी फटकार लगाई। दरअसल, अदालत ने कुछ साल पहले वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) योजना के अनुसार सेना से सेवानिवृत्त नियमित कैप्टनों को बकाया भुगतान करने के लिए कहा था। मगर बकाया पेंशन पर वर्षों तक कोई फैसला नहीं लेने पर शीर्ष अदालत ने आज केंद्र को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उस पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और आर महादेवन की पीठ ने केंद्र सरकार पर दो लाख रुपए जुर्माने का निर्देश देते हुए कहा कि इस राशि को सेना के कल्याण कोष में जमा किया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही भुगतान करने के अंतिम अवसर के तौर पर 14 नवंबर तक का समय सरकार को दिया।

पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से नाराजगी जताते हुए कहा, आप (केंद्र) 10

प्रतिशत बढ़ी हुई पेंशन का भुगतान करें या हम आप पर जुर्माना लगा रहे हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को यह भी चेतावनी दी कि यदि वह 14 नवंबर तक भुगतान के लिए कोई निर्णय लेने में विफल रही, तो वह सेवानिवृत्त नियमित कैप्टन को 10 प्रतिशत बढ़ी हुई पेंशन देने का निर्देश देगी।

पीठ ने कहा कि केंद्र को इस योजना के तहत ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन के संबंध में सभी विसंगतियों को दूर करना होगा। वह इस मामले के कई वर्षों तक खिंचने से खुश नहीं है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि सरकार को इस मुद्दे पर समग्र रूप से विचार करना होगा और एएफटी कोच्चि द्वारा बताई गई सभी छह विसंगतियों पर विचार करना होगा, क्योंकि इस फैसले का असर अन्य पर भी पड़ सकता है। इस पर पीठ ने कहा कि वह केंद्र को और समय देने के लिए इच्छुक नहीं है। वह इन सेवानिवृत्त अधिकारियों को बढ़ी हुई पेंशन देने का निर्देश देगी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने तीन महीने का समय मांगते हुए कहा कि सरकार इस मामले में हलफनामा दाखिल करेगी। पीठ ने कहा कि सरकार को या तो लागत का भुगतान करना होगा या ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 70,790/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,560/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 21^0

महंगाई पर कांग्रेस के समय बना रिकॉर्ड कोई नहीं तोड़ सकता : सीतारमण

कांग्रेस तथा इंडी समूह किसानों को लेकर सिर्फ राजनीति कर रहा

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी सरकार पर महंगाई रोकने में विफल रहने के विपक्ष के आरोप को मंगलवार को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में देश ने जो रिकॉर्ड बनाया है वह ऐसा रिकॉर्ड है जिसे कोई तोड़ नहीं सकता।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि वाजपेयी सरकार के कार्यकाल में महंगाई दर 3.8 प्रतिशत थी जो 2004-14 के दौरान (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) संप्रग के पूरे 10 साल के कार्यकला में औसतन 8.1 प्रतिशत थी। वित्त मंत्री ने

काग्रेस आई है महंगाई लाई है के पुराने नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि 2008 में सरकार ने वैश्विक वत्तीय संकट से निपटन के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी लेकिन ऑक्सफोर्ड शिक्षित नेता को पता नहीं था कि उस पैकेज को कैसे और कब वापस लिया जाय। नतीजा यह हुआ कि राजकोषीय घाटा बढता गया, ब्याज बढ़ गया है, निवेश प्रभावित हुआ और 2012 से 14 के बीच 28 में से 22 महीने खुदरा मुद्रा स्फीति नौ प्रतिशत से ऊपर रही।

उन्होंन कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड काल के संकट के दौरान अर्थव्यवस्था का प्रबंधन इस तरह से किया ताकि राजकोषीय घाटा और महंगाई नहीं बढे। यही कारण है कि कोविड के बावजूद मुद्रा स्फीति 5.1 प्रतिशत तक सीमित रही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने महंगाई पर पेट्रोल और डीजल के दाम घटाए लेकिन कांग्रेस और वपिक्ष वाले राज्यों की सरकारों ने कुछ नहीं किया जिससे महंगाई का स्तर ऊंचा रहा जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने महंगाई से जनता को बचाने के लिए भारत राशन योजना तथा मुफ्त राशन योजना जैसे कदम उठाए हैं। उन्होंने रिजर्व बैंक के एक पूर्व गवर्नर की किताब का हवाल देते हुए कहा कि संप्रग के समय रिजर्व बैंक पर व्याज घटाने और अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर खींचने के लिए वित्त मंत्रालय से दवाब था। उन्होंने कहा, यह था इनका आर्थिक प्रबंध, ये हमसे हमारे आर्थिक प्रबंधन पर सवाल उठाते हैं। ▶10पर

यूपीए सरकार ने किसानों को लागत पर 50% लाभ देने से किया था इनकार :शिवराज

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली यूपीए सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि साल 2006 में में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि किसानों की लागत में 50 % लाभ जोड़कर मिनिमम सपोर्ट प्राइज तय किया जाए, लेकिन उस समय की यूपीए सरकार ने इसे देने से इनकार कर दिया था। बता दें कि लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन से संबंधित एक पूरक प्रश्न पूछा और कहा कि आंदोलन के दौरान लगभग 750 किसानों की जान चली गई। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मान कषाय का त्यागकर जीवन में सरलता के गुण को अपनाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर के मरुधर केसरी दरबार में साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मान मुक्ति में बाधक हैं। मान, अहंकार का दुर्गुण व्यक्ति को जीवन में नीचे पत्न की ओर ले जाता है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रत ना होकर दंभ और मान, अहंकार, घमण्ड समाविष्ट था, जिसके कारण रावण के जीवन का पतन हुआ। अहंकार, घमण्ड में फूला हुआ व्यक्ति संसार में थोड़ा पाकर भी अपने धन वैभव ऐश्वर्य, ज्ञान में अपने आप को सर्व- शक्तिमान, महाज्ञानी पंडित समझकर कुंए के मेंढक की तरह ' अर्धजल गगरी

छलकत जाय' की कहावत को सिद्ध करता हैं। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता सरलता, सहिष्णुता, सादगी झलकती हैं। मान विनयगुण का नाश करता हैं। फूल खिलता है शाम को मुरझा जाता है, सूर्य सुबह उदय होता है, शाम में अस्त हो जाता है। नए वस्त्र भी समय आने पर जीर्ण-शीर्ण, पुराने हो जाते हैं।

संसार में किसी का भी समय एक सा नहीं रहता हैं। मनुष्ट का धन और रूप के साथ अपने द्वारा संग्रहित, उपार्जित किये सब सुख वैभव के साधन सब यहीं संसार में ही रह जाते हैं और अपने अंतिम समय में इंसान को अकेले ही इस नश्वर संसार से विदा होना पड़ता हैं। कोई चीज साथ में नहीं जाती। अतः व्यक्ति की जन्म - मरण की शाश्वत सत्यता को समझते हुए अपने जीवन में धन-दौलत, रूप-रंग, ज्ञान, बल आदि किसी भी चीज का अहंकार, घमण्ड नहीं करना चाहिये। उन्होंने कहा कि यह मानव जीवन ओस के मोती - बिन्दु के समान क्षण भंगुर हैं। मानव की मुक्ति चाहिये तो उसे मान कषाय का त्यागकर अपने जीवन में सरलता के गुण को अपनाना चाहिये। साध्वीजी ने सति अंजना चरित्र का भी वाचन एवं विवेचन सभा में प्रस्तुत किया। प्रारंभ में साध्वी स्नेहप्रभा जी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से बताया कि संसार में पांच तरह के प्रकृति - स्वभाव वाले को ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती हैं, वह इस प्रकार हैं- अहंकारी - मान घमण्ड करने वाला, क्रोधी, प्रमादी, चौथा रोगी और पांचवा आलसी। अहंकार में डूबा हुआ व्यक्ति दूसरों को परछाई के समान अस्तित्वहीन, तुच्छ समझता है। व्यक्ति के जीवन में प्रगति के द्वार तभी तक खुले रहते हैं जब तक वह विनम्र-छोटा बनकर रहता है। संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने धर्मसभा का संचालन किया।

जैसा हम करेंगे वैसा ही हमको मिलेगा : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा संसार का हर व्यक्ति सुख चाहता है लेकिन बैठा है पापों की गाड़ी में। पाप कर्मों का फल दुख के रूप में मिलता है और पुण्य कर्मों का फल सुख के रूप में। हम सभी जानते है कि हमे पुण्य के मार्ग की ओर जाना है, लेकिन हम पाप मार्ग पर बढ़ रहे है। संसार में दो प्रकार की वृत्तियाँ है एक ज्ञानी और दूसरी अज्ञानी। अज्ञानी सोचता है किसी ओर व्यक्ति की वजह से मुझे दुख मिल रहा है। लेकिन ज्ञानी सोचता है मेरे कर्म मुझे दुख दे रहे है यह सब मेरे कर्मों का फल है। ज्ञानी मूल को पकड़ता है दूसरो को दोष नहीं देता है, अपने कर्मों को निमित्त मानता है। उन्होंने कहा कि इस जीव आत्मा ने कर्मों का निर्माण किया और कर्मों ने इस आत्मा को ढक लिया। लेकिन यह

आत्मा चाहे तो इन कर्मों को हटा भी सकता है। ठीक उसी प्रकार जिस तरह सूर्य बादलो का निर्माण करता है और यही बादल कभी कभी सूर्य को ढक देते है। जिस तरह सूर्य बादलो को हटा सकता है उसी तरह आत्मा भी कर्मों को हटा सकती है। यह जीव आत्मा चाहे तो शुभ कर्म भी कर सकती है और अशुभ कर्म भी। जैन दर्शन कहता है कि परमात्मा ना दुख देता है ना सुख। अच्छे कर्म और बुरे कर्म स्वयं हमारी देन हैं। हमारी यह आत्मा बलवान है लेकिन कर्मों के पिंजरे में बंद हो जाए तो अपनी शक्ति से पिंजरे को तोड़ भी सकते है। जब व्यक्ति औरों को दुख देने का प्रयास करता है तो वह दुख स्वयं को ही मिलना है। अध्यात्म का गणित साफ है अच्छा करोगे तो अच्छा होगा और बुरे का नतीजा बुरा ही होगा। जैसा हम करेंगे वैसा ही हमको मिलेगा। रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप एवं आयंबिल की लड़ी गतिमान है। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आलस्य नहीं समय का सदुपयोग करें पर कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभातेममं द्वारा निर्देशित टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत दूसरी संस्कारशाला खुशी का रास्ता कार्यशाला कालम्मा सरकारी स्कूल में आयोजित किया गया। जिसका विषय आलस्य नहीं समय का सदुपयोग करें था। मंडल की बहनों ने जय जिनेंद्र से सभी छात्रों व शिक्षकों का अभिवादन किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया व विषय पर बताया कि समय मूल्यवान व अनमोल चीज है। साथ ही उन्होंने आगामी कार्यशाला की जानकारी दी। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने महाप्राण ध्वनि के प्रयोग 9 बार करवाए। मंडल की बहनों द्वारा नाटिका के माध्यम से दर्शाया गया कि आलस्य त्याग कर समय का सदुपयोग सारणीबद्ध दिनचर्या का क्रम बना कर लक्ष्य निर्धारित करने से होता है। समय की कोई सीमा नहीं होती। यह किसी को राजा तो किसी को फकीर बनाने की क्षमता रखती है, इसलिए आलस्य को जिंदगी से भगा कर पुरुषार्थ करना चाहिए। परामर्शक संघरक्षिका पुष्पा बोहरा ने दोहा के माध्यम से समझाया कि आलस्य त्याग कर कल करें सो आज कर, आज करे सो अब। संघठन मंत्री सरोज

मारू ने कविता द्वारा समझाया कि व्यक्ति को उत्पादकता बनाए रखने के लिए, ब्रेक के लिए समय निकालना पड़ता है, जिससे जीवन में खुशी मिलती है। कार्यकारिणी विमला पितलिया ने समझाया कि समय की बर्बादी आलस्य से होता है और न केवल हमे प्रभावित करती है बल्कि हमारे आस पास के लोगों के लिये भी समस्या पैदा करती है। नाटिका के माध्यम से बच्चों से कई प्रश्न भी किए गए। कार्यकारिणी सुनीता भटेवरा ने एकाग्रता बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को नमस्कार मुद्रा करवाया। 7 विद्यार्तियों ने कविता लिखी और अपनी कला दर्शाकर प्रस्तुत किया कि समय कितना अनमोल है। उनमें से प्रथम, द्वितीय, तृतीय को पुरस्कृत किया गया। मंत्री नम्रता पितलिया ने सकारात्मक पुष्टि के साथ कार्यशाला संपन्न करवाई। कुशल संचालन संयोजिका किरण मेहर ने किया व आभार ज्ञापन प्रचार प्रसार मंत्री मधु बोहरा ने व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने जागरूकता व बड़ी उत्साहपूर्वक भाग लेकर आनंद लिया। शाला के मुख्य प्राध्यापक हनुमंतप्पा व शिक्षिका गिरिजा और पद्मावती का पूर्ण सहयोग रहा।

महापुरुषों का जीवन वंदनीय, पूजनीय एवं अनुकरणीय होता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य आनंदऋषिजी के 124 वें जन्म दिवस के अवसर पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम में सप्त दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। साध्वी विपुलदर्शनाजी के सानिध्य में होने वाले शत्तकोत्तर रजत जयंती महोत्सव की शुरुआत मंगलवार को हुई। प्रथम दिवस महापुरुषों के मंगलाचरण पर बोलते हुए साध्वी ने धर्मसभा में कहा कि महापुरुषों का जीवन वंदनीय, पूजनीय एवं अनुकरणीय होता है, हमे उनके जीवन को समझने तथा सिद्धांतों को देखने की आवश्यकता है। उन्होंने आचार्य आनंदऋषि को ज्ञान के क्षेत्र का सूर्य बताया। आधुनिकता पर उन्होंने कहा कि आज खुलेपन के कारण मनुष्य अमर्यादित होता जा रहा है, हमे सोचना होगा कि हमारी आंखो के शर्म का पानी क्यों सूखता जा रहा है। दुर्गुणों के कारण आज हमारे जीवन में

अंधेरा है और इस अंधेरे को सद् गुणों के प्रकाश से दूर किया जा सकता है। साध्वी विपुलदर्शना ने कहा कि आचार्य आनंदऋषिजी ने आंख में शर्म, जुबान में संस्कार, जीवन में संयम और मन में विवेक से अपने जीवन में मंगलाचरण किया था, महापुरुष आदर्श स्थापित करते थे इसीलिए उनको पूजा जाता है, उनके आदर्शों पर चलकर विश्व विकास किया जा सकता है। सप्तदिवसीय कार्यक्रमों की शुरुआत सामायिक दिवस के रूप में की गई जिसमें सैकड़ों धर्मावलम्बियों ने 2 सामायिक के साथ भाग लिया। श्रीरामपुरम संघ के मंत्री अशोककुमार गुगालिया के अनुसार 5 अगस्त को आचार्य आनंदऋषि के जन्म दिवस के अवसर पर बेंगलूरु के साथ-साथ देशभर में सवा लाख आयंबिल व्रत के आराधना की संभावना है। सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि श्रीरामपुरम संघ के इन सप्तदिवसीय आयोजनों में बेंगलूरु के उपनगरों के साथ-साथ देश के अन्य नगरों के श्रावक भी पहुंच रहे है। इस दौरान सामायिक, एकासन, आयंबिल व्रत, धार्मिक परीक्षा, धार्मिक नाटक के साथ अन्य धार्मिक क्रियाओं का आयोजन होगा। प्रथम दिन के आयोजन का लाभ गौतमचंद पुनीतकुमार खींवेसरा ने लिया। संचालन संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

जीवन से कठोरता को मिटाकर कोमलता धारण करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्व-ावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण से सामने गलत दिखने पर भी गलत नहीं मानना चाहिए। परमात्मा के जिनशासन पर अटूट निश्चय श्रद्धा रखनी चाहिए। जिस प्रकार महाराजा श्रेणिक को जिनशासन पर अगाध श्रद्धा थी। उनकी श्रद्धा को कोई चलायमान नहीं कर सकता था, देवों ने भी उनकी श्रद्धा की परीक्षा ली थी। परमात्मा हमारी आत्मा में जब वास करते हैं तब हमारे जीवन से कृपणता दूर होकर उदारता आने के साथ ही हमारे हृदय से कठोरता दूर होकर कोमलता का वास होने लगता है। दूसरों के सुख को देखकर दुखी होने वाला, दूसरों के दुख देखकर दुखी होने वाला, दूसरों को दुख देकर सुखी होने वाले और दूसरों को सुख देकर सुखी होने वाले ऐसे चार प्रकार के मनुष्य होते हैं। हमें किस प्रकार का मनुष्य बनना है इसका हमें चिंतन करना है। अगर किसी दूसरों के दुख देखकर हम अगर द्रवित नहीं होते हैं तो हमें समझना है कि अभी तक हमारे हृदय में कठोरता बसी हुई है। जीवन में दुख आने पर प्रतिकार नहीं करके उनका सत्कार करना है और परमात्मा का कर्म बंधन कटने का उपकार मानना है। जो महापुरुष होते हैं वो किसी दूसरों को दुख देने की सोच भी नहीं सकते। प्रतिकूलता में भी अपनी मन:स्थिति को अनुकूल रखना है। एक हजार छह वर्ष पूर्व पाटण के महाराजा दुर्लभ की राजसभा में शिथिलाचार को मिटाते हुए वर्धमान सूरीश्वर जी के शिष्य बुद्धि सागर जी और जिनेश्वर मुनि जी ने शिथिलाचारी चैत्यवासी साधु सूराचार्य के साथ वाद विवाद और शास्त्रार्थ में उन्हें पराजित किया और खरतर यानि खरे की पदवी प्रदान की।

मनुष्य भव कर्म श्रृंखला तोड़ने के लिए एक अवसर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन बाविस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खीचन ने कहा कि मनुष्य भव कर्म श्रृंखला तोड़ने के लिए एक अवसर है।

जीवन में आने वाले दुख असाता वेदनीय कर्म हैं जो पूर्व में हमारे द्वारा ही संचित हैं।

दुखों से घबराना नही है। अपनी सहन शक्ति से इनका समता पूर्वक सामना करना चाहिए। आवश्यक सूत्र पर प्रवचन करते हुए विनय मुनि जी ने कहा कि ज्ञान को पचाना जरूरी है। ज्ञान से माया नही करनी चाहिए। ज्ञान से आत्मा कोमल बनती हैं और कोमल आत्मा ही धर्म योग्य होती हैं। ज्ञान से हम अपने दुर्गुण निकाले। ज्ञान से अहम का नशा चढ़ गया तो ईर्ष्या की उत्पत्ति होती हैं और ईर्ष्या हमे भाव अंधा बना देती हैं। ईर्ष्या से आज आपस में दूरियां बढ़ रही हैं और संकीर्णता फैल रही हैं। हम अपने आदर्श और पूर्वजों को भूले नही। गुण कीर्तन करने से हममें भी गुणों का विकास होता है और हम मर्यादा में रहते हैं। राजू सकलेचा ने सभा का संचालन किया। संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

आलस्य नहीं समय का सदुपयोग करें पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कारशाला आलस्य नहीं समय का सदुपयोग करें विषय पर कार्यशाला का आयोजन मालगला स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं ट्रेनर लता नवलखा थी, जिनका परिचय उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने दिया। लता ने विषय पर कन्नड़ भाषा में अपनी प्रस्तुति देते हुए आर्टिकल एवं मेटेरियल के द्वारा बच्चों से प्रश्नोत्तर किये। इसके साथ ही उन्होंने कहानी के माध्यम से बच्चों को समझाया कि आलस्य नहीं करने से किस प्रकार हमारा विकास हो सकता है व हमारा भविष्य उज्जवल बन सकता है। सभी बच्चों ने उसे स्वीकार किया। कार्यक्रम की संयोजिका महिमा पटावरी एवं रक्षा मांडोत ने भी विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। सुमित्रा बरडिया ने ओम की ध्वनि के साथ 9 बार महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया। कार्यक्रम के समापन पर बच्चों को हंसने की कला भी सिखाई गई। मंत्री दीपिका गोखरू ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। बच्चों को मंडल की ओर से उपहार दिया गया। कार्यक्रम में लगभग 70 बच्चों तथा स्कूल के शिक्षकों की उपस्थिति रही।

एक शाम महादेव के नाम भजन संध्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

देवासी (राईका) समाज कनकपुरा रोड तातगुनी में स्थित समाज भवन में पवित्र सावन माह के द्वितीय सोमवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। जागरण का शुभारंभ भगवान शिव की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुआ। महादेव भजन मंडली के गायक श्रवण माली, राजूराम चोयल, चुन्नीलाल भायल ने भजनों की प्रस्तुति दी। गायकों ने गणपति वदंना के बाद शिव भोला भंडारी कुण लाया तुम्ड़ा इत्यादि भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्रवणराम आन्डु, उपाध्यक्ष श्रवण राम लूंका, सचिव भाकरराम आल, कोषाध्यक्ष मोहन राम धुला, सह-सचिव श्रवण राम आन्डु, ओमाराम आल एवं सीरवी समाज लगेरी वडेर के अध्यक्ष बाबूलाल चोयल आदि उपस्थित रहे।

मंदिर में गूंजे हर हर महादेव के जयकारे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मारू देवासी (राईका) समाज महामंडल कोतनूर समाज भवन में श्रावण के दूसरे सोमवार को जागरण का आयोजन किया गया। जागरण का शुभारंभ भगवान शिव शंकर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। भजन गायक हड़मान बंजारा ने गणपति वंदना प्रस्तुत की। उसके बाद भजन गायक कैलाश पवांर, संताराम सीरवी ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों का सिलसिला देर रात तक चला। भक्त भजनों पर भावविभोर होकर झूमते रहे। सोमवार को समाज भवन में भगवान भोलेनाथ की पूजा -अर्चना व अभिषेक किया गया। संस्था के अध्यक्ष सुजाराम माल्ावत, शिवलाल, शोभाराम, बद्रीराम, अचलाराम, गजेंद्र, जयराम सहित देवासी राईका समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

कोडागु में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

विराजपेट में बाढ़ के पानी में फंसे 6 लोगों को सुरक्षित बचाया

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के विराजपेट तालुक के एक गांव में बाढ़ के पानी में फंसे छह लोगों को मंगलवार को बचाया गया। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा को सुबह 7.40 बजे विराजपेट तालुक के काकोतुपुरम्बु गांव में छह लोगों को बचाने के लिए सहायता मांगने के लिए कॉल आया। बचाव दल नावों का उपयोग करके मौके पर पहुंचे और सभी छह लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। पिछले 10 दिनों से लगातार बारिश से जिला तबाह हो रहा है।

कई जगहों पर कावेरी नदी और अन्य नाले उफान पर हैं। भारतीय मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए कोडागु के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है, इसलिए कम से कम दो दिनों तक राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। जिले की कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं। चिरियापरम्बु में सड़क से 4 फीट ऊपर पानी बह रहा है, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। पोन्नमपेट तालुक के कुट्टांडी गांव में एक परिवार को स्थानांतरित किया गया क्योंकि बारिश के बाद हुए व्यापक नुकसान के कारण उनका घर ढहने के कगार पर था। भागमंडला होबली के तन्नीमनी गांव में एक घर की छत गिर गई। एम्मेमाडु गांव से भी ऐसी ही खबरें सामने आई हैं। कुशालनगर होबली के डोड्डातुरू गांव में एक झील के तटबंध कमजोर हो गए हैं। वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों ने नुकसान की सीमा का जायजा लेने के लिए मौके का दौरा किया।

मदिकेरी तालुक के भागमंडला, जहां कावेरी नदी का उद्गम होता है, में मंगलवार सुबह 8.30 बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि के दौरान 245 मिमी बारिश हुई। कोडागु जिले में बारिश एक समान और व्यापक थी। संपाजे में 185.5 मिमी बारिश हुई। इसी अवधि के दौरान भारी बारिश दर्ज करने वाले अन्य स्थानों में नेपोक्लू (177.8 मिमी), अम्माती (107.5), शांथल्ली (165), कुडलीपेट (90), पोन्नमपेट (149), हुडिकेरी (147.3), श्रीमंगला (136.4), बालाले (80) और सुन्तिकोप्पा (62 मिमी) शामिल हैं। कुशलनगर में हरंगी जलाशय में 12,960 क्यूसेक पानी आया और 27,500 क्यूसेक पानी बाहर निकला। इन सभी से कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय में पानी के बहाव की दर में वृद्धि होगी। केआरएस में पानी का बहाव 38,977 क्यूसेक और 55,659 क्यूसेक है। मंगलवार दोपहर तक काबिनी जलाशय में पानी का आवक और बहाव 30,825 क्यूसेक और 24,667 क्यूसेक था।

हम अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को उनके देश भेजेंगे: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक राहत कार्य चलाने के लिए पहले ही कदम उठा लिए हैं। विपक्षी दल देर से जाग रहे हैं और प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार ने अशांत इलाकों में कार्रवाई की है। मौके पर जिला मंत्री पहले से ही डेरा जमाये हुए हैं। इसके अलावा, राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा सभी जिलों का दौरा कर रहे हैं, जांच कर रहे हैं और आवश्यक समाधान प्रदान कर रहे हैं। भाजपा-जेडीएस पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि वे पदयात्रा के बहाने संकटग्रस्त जगहों का दौरा कर रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा अगर राज्य में बांग्लादेश से आए अवैध अप्रवासी पाए जाते हैं तो उन्हें हिरासत में लिया जाएगा और क्वारंटाइन सेंटरों में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके देश को सूचित कर उन्हें निर्वासित करने की कार्रवाई की जायेगी। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी भास्कर राव के उस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए

कि राजनीतिक व्यवस्था में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करना संभव नहीं है, परमेश्वर ने कहा कि यह उनके स्वयं के बयान से साबित होता है कि जब वह आयुक्त थे तो उन्होंने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की थी। लेकिन अब हम कार्रवाई कर रहे हैं। विदेशियों को पीटा नहीं जा सकता, गिरफ्तार नहीं किया जा सकता और कैद नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक माध्यम से कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अपने दिल्ली दौरे के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी से अलग-अलग मुलाकात कर रहे हैं। हम इस तरह अलग-अलग मिल चुके हैं। कई बार जब हम दिल्ली भी गए। इसमें कोई खास बात नहीं है। हाईकमान ने सिर्फ मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को ही आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट के किसी अन्य मंत्री को आमंत्रित नहीं किया गया है और राज्य में कानून-व्यवस्था की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। परमेश्वर ने चक्रवर्ती सुलीबेले के खिलाफ ऑपरेशन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कई लोगों पर हमला करना और इस संबंध में एहतियाती कदम उठाना सामान्य बात है।

बसनगौड़ा पाटिल यतनाल का आरोप

सीएम को हटाने के लिए विजयेंद्र और शिवकुमार के बीच संयुक्त साजिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने आरोप लगाया कि मुडा साइट वितरण में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विपक्ष का आंदोलन भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच सीएम सिद्धरामैया को हटाने की संयुक्त साजिश है।

मुझे संदेह है कि विजयेंद्र और शिवकुमार ने सिद्धरामैया को गिराने के लिए मिलीभगत की है। विजयेंद्र शिवकुमार के निर्देश पर पदयात्रा का आयोजन कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि विजयेंद्र शिवकुमार के ऋणी हैं। यह समायोजन की राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। मैं दोनों नेताओं से स्पष्टीकरण चाहता हूं। अथानी में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने यह बात कही।

वह विरोध प्रदर्शन की योजना बनाने के लिए भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली से मिलने अथानी गए थे।

हालांकि, विजयपुरा के विधायक ने भाजपा में गुटबाजी की खबरों से इनकार किया। उन्होंने कहा हम सभी एकजुट हैं। हम केवल विरोध के विभिन्न तरीकों पर विचार कर रहे हैं। वे मैसूरु के पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा से सहमत हैं कि भाजपा में केवल पूर्व सीएम और उनके बच्चे ही सत्ता हासिल कर रहे हैं, न कि आम कार्यकर्ता। रमेश जारकीहोली ने कहा कि सिद्धरामैया ने कर्नाटक में सरकार पर नियंत्रण खो दिया है। उन्होंने कहा सिद्धरामैया एक अच्छे नेता हैं, लेकिन उनके पास स्वायत्तता का अभाव है। उन्हें कांग्रेस में कुछ निहित स्वार्थों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। मैं सिद्धरामैया से अनुरोध करता हूं कि वे विधानसभा भंग करें और फिर से चुनाव का सामना करें। उन्होंने दावा किया कि डी.के. शिवकुमार कुछ जेडी(एस) और भाजपा नेताओं के साथ मिलकर सिद्धरामैया को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने की साजिश कर रहे हैं, ताकि वे सीएम बन सकें। गोकाक विधायक ने दावा किया कि मुडा में कथित घोटाला कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित धन के दुरुपयोग और कांग्रेस की पांच गारंटियों के क्रियान्वयन के लिए एससी-एसटी फंड के दुरुपयोग जितना बड़ा नहीं है। उन्होंने भाजपा आलाकमान से अनुरोध किया था कि उन्हें इन कथित अनियमितताओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कुडल संगमा से बल्लारी तक पदयात्रा करने की अनुमति दी जाए।

शिरडी घाट पर भूस्खलन से यातायात बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सकलेशपुर में डोड्डाथोपल के पास शिरडी घाट पर भारी भूस्खलन हुआ है, जिससे मेंगलूरु-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बुरी तरह बाधित हुआ। राज्य भर में भारी बारिश के कारण विभिन्न पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है। शिरडी घाट पर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 75 पर यातायात रोक दिया गया है। सकलेशपुर तालुक में एत्तिनाहल्ली के पास अचानक भूस्खलन के कारण कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। सकलेशपुर तालुक में डोड्डाथोपल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 75 के शिरडी घाट खंड पर यात्रा कर रही एक कार, लॉरी और गैस टैंकर पर पहाड़ी गिर गई। हालांकि, भूस्खलन के कारण शिरडी घाट में वाहनों की आवाजाही फिर से रोक दी गई। वाहनों की कतार घंटों तक लगी रहने के कारण सड़क जाम हो गई। सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। इसी तरह पुत्तूर-सम्पाजे मार्ग पर भूस्खलन हुआ और चल रहे निकासी अभियान के कारण तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा।

मुजराई मंदिरों में पुजारियों ने ऑनलाइन सेवा का किया विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुजराई मंदिरों में ऑनलाइन सेवा का पुजारियों ने विरोध जताया है। पुजारियों का कहना है कि कुछ भक्तों ने शाम और रात की सेवाएं ऑनलाइन बुक की हैं। अधिकांश लोगों ने प्रसाद के लिए बुकिंग करा ली है।

पुजारियों ने शिकायत की कि इससे उन भक्तों को सेवा देना मुश्किल हो जाएगा जिन्होंने अगली सुबह बुकिंग कराई थी। साथ ही पुजारियों को भक्तों द्वारा तत्काल की गई बुकिंग की जानकारी भी नहीं होती है। प्रसाद तुरंत नहीं बनाया जा सकता। यदि आप पूजा के लिए रात की बुकिंग करते हैं, तो आप इसे सुबह नहीं कर सकते। हमें उसकी तैयारी भी करनी होगी। तत्काल बुकिंग के कारण पूजा करना और प्रसाद चढ़ाना संभव नहीं है। प्रसादम को तैयार होने में समय लगता है। पुजारी संघ की समस्या यह है कि उन्हें रात की बुकिंग करनी पड़ती है और सुबह प्रसाद और पूजा की जरूरत होती है, यानी यह मुश्किल हो रहा है। पुजारी संघ ने धार्मिक बंदोबस्ती आयुक्त को पत्र लिखा

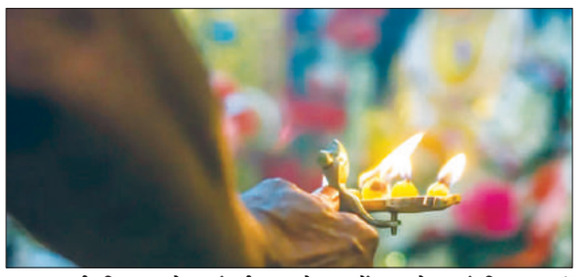

है। मुजराई विभाग के अंतर्गत अधिकांश मंदिरों में रसोइया या अन्न भंडार की व्यवस्था नहीं है। साथ ही ऑनलाइन बुक किया गया पैसा कई बार पुजारियों के हाथ तक भी पहुंच पाता है। इसके चलते पूजा सामग्री और प्रसाद बनाने के लिए आवश्यक सामग्री लाना मुश्किल हो रहा है। इसलिए पुजारियों ने मांग की है कि ऑनलाइन सेवा बंद की जाए। मुजराई विभाग के तहत राज्य के बड़े मंदिरों में ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने में कोई समस्या नहीं है।

क्योंकि कुक्के सुब्रहण्य, चामुंडीबेट्टा, नंजनगुडु, मेलुकोटे और अन्य बड़े मंदिरों में इसकी व्यवस्था है। वहां ऑनलाइन सेवा प्रदान की जा सकती है। क्योंकि अतिरिक्त कर्मचारी, कर्मचारी और गोदाम हैं। इससे वहां दिक्कत नहीं होगी। लेकिन ऐसी व्यवस्था के बिना मंदिरों में यह मुश्किल हो रहा है। इसके कारण नियमित पूजा करने वाले भक्तों और ऑनलाइन आने वाले भक्तों के लिए पूजा करना मुश्किल हो रहा है। पुजारियों ने खेद व्यक्त किया कि वह सुबह बुक की गई रात्रि सेवा की व्यवस्था करने में सक्षम नहीं हैं। लेकिन पूजा सेवाओं को ऑनलाइन बुक करने के पहले कदम के रूप में, परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी द्वारा बेंगलूरु के बनशंकरी अमानवा मंदिर के पोर्टल और मोबाइल ऐप को ऑनलाइन बुक करने की अनुमति दी जा रही है। इन सभी समस्याओं के चलते पुजारी संघ ने इस ऑनलाइन सेवा और इस मोबाइल ऐप को रद्द करने की मांग की है।

महिला की हत्या के मामले में कर्नाटक से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया

गुलबर्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवी मुंबई के उरण रेलवे स्टेशन के पास 20 वर्षीय महिला का शव मिलने के दो दिन बाद, पुलिस ने कथित तौर पर उसकी हत्या करने के आरोप में कर्नाटक से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपी दाऊद शेख को कर्नाटक के गुलबर्गा के शाहपुर इलाके से हिरासत में लिया गया। महिला का शव शनिवार को सुबह करीब 2 बजे मिला और हत्या शुक्रवार दोपहर को हुई होगी। पुलिस के अनुसार, बेलापुर में काम करने वाली पीड़िता ने शुक्रवार को आधे दिन की छुट्टी ली थी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और आरोपी का पता लगाने के लिए तीन टीमें बनाई गईं। पुलिस ने पहले बताया कि अपराध शाखा ने भी मामले की स्वतंत्र रूप से जांच की। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

भारी बारिश के कारण चिकमगलूरु जिले में सड़कें जलमग्न

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकमगलूरु जिले में सोमवार रात से हो रही भारी बारिश के कारण पुल और सड़कें जलमग्न हो गई हैं, जिससे गांवों का संपर्क टूट गया है।

एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन ने मंगलवार को जिले के पांच तालुकों में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी। कलसा, मुदिगेरे, कोप्पा, एन आर पुरा और श्रृंगेरी तालुकों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। भारी बारिश के बाद, बालेहोन्नूर-मगुंडी मार्ग जलमग्न हो गया है और वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। कलासा-बलेहोन्नूर मार्ग पर तेप्पाडागुंडी, बैरेगुड्डा में भद्रा नदी सड़कों पर बह रही है और वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। नेम्मार के पास श्रृंगेरी-करकला मार्ग पर करीब चार फीट पानी था। इस बीच, कोडागु जिले में बारिश की तीव्रता बढ़ गई है। भागमंडला, संपाजे, एम्मेमाडु, मदिकेरी इलाकों में भारी बारिश हुई। जिला प्रशासन ने जिले के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। पीयू की उपनिदेशक मंजुला ने कहा कि जिले के पीयू कॉलेजों में भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। दक्षिण कन्नड़ जिले के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। बेलथांगडी में नेत्रवती और मृत्युंजय नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। बेलथांगडी तालुक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

भाजपा-जेडीएस की पदयात्रा के लिए कांग्रेस ने तैयार किया काउंटर प्लान

सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा घोटाले के खिलाफ जनजागरण के लिए भाजपा-जेडीएस नेताओं द्वारा निकाले जाने वाले पैदल मार्च के साथ ही कांग्रेस ने भी लोगों को सच्चाई से अवगत कराने के लिए सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक जरूरी बैठक की और एक महत्वपूर्ण चर्चा की। भाजपा-जेडीएस पार्टियों ने मुडा भूमि आवंटन और महर्षि वाल्मीकि घोटाले के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा आयोजित करने की योजना बनाई है। इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए कांग्रेस आगे आई है। लोगों को सच्चाई बताने और भाजपा-जेडीएस खेमे के घोटालों के बारे में जानकारी देने के लिए पदयात्रा के मार्ग पर बिदादी, रामनगर, मद्दूर-मांड्या, मैसूरु में कांग्रेस की ओर से बड़ी बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। मौजूदा कार्यक्रम सूची के मुताबिक, बिदादी, रामनगर, मद्दूर-मांड्या, मैसूरु रोड पर चार स्थानों पर सार्वजनिक बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। भाजपा की पदयात्रा पहुंचने से एक दिन पहले कांग्रेस निर्धारित स्थानों पर विशाल सभा का आयोजन करेगी। इसलिए बैठक में भाजपा-जेडीएस नेताओं द्वारा लगाए गए सभी आरोपों का जवाब देने के लिए सम्मेलनों की योजना बनाई गई और किन मुद्दों को उठाया जाना चाहिए? को लेकर चर्चाएं हुई। अंत में, हाई कमान नेताओं को मैसूरु के सम्मेलन में आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और प्रमुख कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता बैठकों में भाग लेंगे। कांग्रेस ने भाजपा के घोटालों को तार-तार करने और विपक्षी दलों के नेताओं की आलोचनाओं को अप्रासंगिक बनाने की रणनीति बनाई है। पदयात्रा के बाद राज्य के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह का सम्मेलन आयोजित करने की चर्चा हुई और भाजपा-जेडीएस को जबरदस्त जवाब देने की तैयारी की गई। सरकार ने पदयात्रा निकालने की आधिकारिक इजाजत नहीं देने का फैसला किया है। इससे पहले कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सरकार भी विपक्ष की हरकतों का जवाब देगी। मंत्री ने कहा कि विपक्ष को पुलिस पैदल मार्च की अनुमति नहीं देगी, लेकिन रोकेगी भी नहीं। उन्होंने कहा कि अगर कानून का उल्लंघन किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विपक्ष पर झूठा प्रचार करने और लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दो अगस्त को मंड्या, बिदादी, रामनगर, मैसूरु में सार्वजनिक सभा करके लोगों को सच्चाई बताएगी। पैदल मार्च की अनुमति न देने के सवाल पर गृहमंत्री ने कहा कि देखते हैं क्या होता है? अगर विपक्ष सरकार को धमकी देता है तो सरकार क्या कमजोर है। हम उन्हें मार्च की अनुमति नहीं देंगे। लेकिन मार्च निकालने से रोकेंगे भी नहीं।

उन्होंने कहा कि विरोध करना विपक्ष का अधिकार

उन्होंने कहा कि विरोध करना विपक्ष का अधिकार है। लेकिन अगर कानून का उल्लंघन किया जाएगा तो पुलिस अपना कर्तव्य निभाएगी। हम कानून की रक्षा करने का अपना कर्तव्य निभाएंगे। उन्हें हमें धमकाने की कोई जरूरत नहीं है या हमें उन्हें धमकाने की कोई जरूरत नहीं है। विपक्षी सदस्यों की गिरफ्तारी को लेकर गृहमंत्री ने कहा कि हम मुकदमा या गिरफ्तारी नहीं करेंगे। अगर कानून का पालन नहीं किया गया तो एफआईआर भी दर्ज होगी।

वहीं पैदल मार्च के लिए पुलिस की अनुमति नहीं मिलने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि विपक्ष डरेगा नहीं। अगर सरकार इसे दबाने की कोशिश करेगी तो यह उस स्तर तक पहुंच जाएगा जो अकल्पनीय है। सरकार हमें नहीं रोक सकती।

यह है पूरा मामला

सीएम सिद्धरामैया की पत्नी को मैसूरु के एक महंगे इलाके में मुआवजा देने के लिए जगह आवंटित की गई थी, जिसकी संपत्ति का मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था जिसे मुडा ने अधिग्रहित किया था। बता दें कि मुडा ने सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत प्लॉट आवंटित किए थे, जहां मुडा ने आवासीय खाका बनाया था। विवादास्पद योजना में खाका बनाने के लिए अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले में भूमि खोने वाले को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित करने की परिकल्पना की गई है।

मानसून के प्रकोप के कारण

कर्नाटक के ऊर्जा विभाग को 96.51 करोड़ का नुकसान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वर्तमान में जारी मानसून के दौरान कर्नाटक में बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण ऊर्जा विभाग को 96.51 करोड़ का अनुमानित नुकसान हुआ है। सबसे अधिक नुकसान मेंगलूरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (मेस्कॉम), हुब्बल्ली इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (हेस्कॉम) और चामुंडेश्वरी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (सीईएससी) के अधिकार क्षेत्र में दर्ज किया गया है, जहां कई जिलों में बाढ़ और भूस्खलन हुआ है।

ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता ने कहा मेस्कॉम के अधिकार क्षेत्र में, चिकमगलूरु और उडुपी में, पिछले कुछ दिनों में बहुत सारे खंभे गिर गए हैं। सीईएससी के अधिकार क्षेत्र में हासन और कोडागु जिलों में भी इसी तरह की समस्याएं देखी गई हैं।

हेस्कॉम के अधिकार क्षेत्र में, खास तौर पर बेलगावी में कृष्णा नदी में बाढ़ के कारण, हमें एहतियात के तौर पर कुछ गांवों के कुछ फीडर बंद करने पड़े। उत्तर कन्नड़ जिले में भी भारी बारिश और हवा के कारण हमें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विभाग ने एस्कॉम को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए स्थानीय लाइनमैन और गैंगमैन, यहां तक कि यदि आवश्यक हो तो निजी ठेकेदारों से भी काम लें। एस्कॉम ने आवश्यक उपकरणों का स्टॉक भी कर लिया है। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने कहा अब तक कुल 53,816 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और उनमें से 51,119 को बदल दिया गया है। कुल मिलाकर, 3,924 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें से 3,918 को बदल दिया गया है, 1,320 किलोमीटर में से 1,063 किलोमीटर कंडक्टर, जो क्षतिग्रस्त हो गए थे, को अब तक बदल दिया गया है। मंत्री ने कहा कि सभी नुकसानों की मरम्मत अधिकतम 15 दिनों के भीतर कर दी जाएगी। हमने चिकमंगलूरु में एक बहुत बड़ा टावर खो दिया, लेकिन हमारे कर्मचारियों ने लगभग एक सप्ताह में प्रभावित क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बहाल करने के लिए लगातार काम किया।

सुख के लिए माया व मिथ्यात्व का त्याग करें : राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थानक भवन में राजेशमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र पर आधारित प्रवचन दिया। मुनि ने फरमाया कि यदि हम भक्ति के माध्यम से प्रभु में लीन हो जाएं तो हम अपनी इस जीवन रुपी नैया को पार लगा सकते हैं। इसके लिए हमें सतगुरु की शरण लेनी होगी, उनकी शरण में ही में हम सिद्ध बन सकते हैं। दान, शील और तप के सहारे तथा हर प्राणी को सुख देने की भावना के साथ काम करते हुए हम भी सुखी बन सकते हैं। शिष्य को अपनी हर बात गुरु के समक्ष रखना और समाधान पाना चाहिए। यहां पर सदैव ज्ञानी की आत्मा और पंडित की जिहवा बोलती है। इसलिये ज्ञानी सदैव समाधान और सलाह देने वाले होते हैं। माया और मिथ्या के सहारे जो चलते हैं वो सुखी नहीं बन सकते। धर्म, शांति और समाधि कर घर है। हमें उस प्रभुवाणी में गोता लगाकर तिरने का लक्ष्य रखना चाहिए। मुनि ने कहा कि आपसी बातचीत और आमने सामने बैठकर ही शंकाओं का निवारण किया जा सकता है। इस लिये शिष्य को हर बात अपने गुरु के समक्ष बतानी चाहिए। जो समता और समभाव में रहे वो ही संत है। मुनि ने कहा कि मैं शब्द से यदि नाता तोड़ दो तो आपका अभिमान स्वतः ही बिखर कर आत्मा से जुड़ जायेगा। अभिमान से जीवन बनता नही, बिगड़ता है। अभिमान गिराता है और विनय सदा जीवन को उठाता है। मुनि ने कहा कि आत्मा में लीन या तल्लीन होने हेतु किसी सहारे की जरूरत नहीं। जो खुद की खोज में लग जाए वही उस आत्म तल्लीनता को पा सकता है। संत, संत होता है उसकी कोई जाति नहीं होती। सदैव मन, वचन और काया को वश में रखना चाहिए। संघ के उपाध्यक्ष त्रिलोकचंद बोथरा ने धन्यवाद दिया। मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

जीतो शिवमोग्गा चैप्टर के महिला-युवा विंग का गठन

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। समाज की शिक्षा, सेवा व आर्थिक सुदृढ़ता को समर्पित जीतो के केकेजी जोन में शिवमोग्गा चैप्टर की महिला व युवा गठन के साथ ही जोन में चैप्टर की संख्या ने दहाई का आकड़ा छू लिया। चैप्टर गठन के भव्य समारोह में लगभग 1000 की उपस्थिति से समाज के मजबूत समर्थन व उत्साह का परिचय मिला।

केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा, एपेक्स निदेशक विनोद जैन, जोन उपाध्यक्ष प्रवीण बाफना, मुख्य सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, संयोजक यश्मा जैन व अंकित जैन, सह संयोजक भावेश नेतानी आदि विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में सुमन कवाड़ ने महिला विंग अध्यक्ष व आशीष पालरेचा ने युवा विंग अध्यक्ष के रूप अपनी प्रतिबद्धता की शपथ ग्रहण की। मुख्य विंग के पदाधिकारियों की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। जीतो एपेक्स के निदेशक व युवा विंग प्रभारी विनोद जैन के वक्तव्य से महिला व युवा विंग को जीवंत व प्रभावशाली यात्रा की राह मिली। कार्यक्रम में राहुल कपूर के प्रेरक सत्र चरण स्पर्श ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। इस अवसर पर केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा व मुख्य सचिव दिलीप जैन ने कहा कि नये चैप्टर के गठन तथा समाज के उत्साही व्यक्तियों का जीतो से जुड़ना जीतो के समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति निर्वाहन का प्रमाण है। उन्होंने पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज के जरूरतमंदों की सेवा को प्रतिबद्ध रहने की सलाह दी। गठन में जीतो दावणगेरे के अध्यक्ष अजीत ओसवाल, मुख्य सचिव विक्रम सेठिया व महिला अध्यक्ष कीर्ति संचेती का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन को सफल बनाने में दावणगेरे युवा विंग अध्यक्ष सय्यम जैन, हुब्बल्ली युवा विंग उपाध्यक्ष रोशन तातेड के साथ गर्व जैन, ललित श्रीश्रीमाल तथा शिवमोग्गा के युवा विंग सदस्यों ने भूमिका निभायी। इस अवसर पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष मोहनकुमार बोहरा, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष भेरुलाल कोठारी, श्री जैन मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष देवीचंद राठौड़, श्री महावीर भवन के अध्यक्ष प्रकाशचंद के साथ हंसराज कवाड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

एक शाम महादेव के नाम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कुमावत समाज सिटी कॉटनपेट के अंतर्गत श्रावण महीने के सोमवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन कलाकार मुखिराम बंजारा एवं उनकी टीम द्वारा भव्य भगवान भोलेनाथ के भजनों की प्रस्तुति दी गई और भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे।

समाज के भामाशाह फूलचंद मानिकचंद सिंदड, अनिल कुमार मनोहर लाल अडानिया के द्वारा यह भजन संध्या आयोजित की गई। जिसमें समाज के सभी बंधुओं ने भाग लिया।

जागरण सतगुरु ऋषि महाराज राजस्थान के सानिध्य में हुई। जैतारण रामावास सरपंच जगदीश जांगिड़ भी मौजूद थे। समाज के अध्यक्ष मानिक चंद सिंदड़, राजूराम अडानिया, संपत चांदोरा, रमेश लिम्बा, सत्यनारायण भोमावत, हापुराम धमानिया, घेवरराम, बाबूलाल, अणदाराम आडाणिया आदि मौजूद थे।

डीसी ने पर्यटकों से चिकमगलूरु जिले की यात्रा स्थगित करने का किया आग्रह

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे कर्नाटक के जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश के मद्देनजर 15 अगस्त के बाद या अगली सूचना तक इस क्षेत्र की अपनी यात्रा की योजना स्थगित कर दें। डिप्टी कमिश्नर मीना नागराज ने जिले में भारी बारिश की रिपोर्ट के बाद मंगलवार को पर्यटकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। तुंगा, भद्रा और हेमावती नदियाँ उफान पर हैं। मुल्लायनगिरी सहित विभिन्न हिल स्टेशनों को जोड़ने वाली सड़कों और होरानाडु, मुदिगेरे और श्रृंगेरी तालुकों में कई स्थानों पर भूस्खलन की सूचना मिली है। भारी बारिश को देखते हुए, डीसी ने आगंतुकों से जल निकायों में प्रवेश करने से बचने और ट्रैकिंग कार्यक्रमों को स्थगित करने की भी अपील की। उन्होंने होमस्टे और रिसॉर्ट के मालिकों को बुकिंग स्वीकार करना बंद करने का निर्देश दिया। वन विभाग को ट्रैकिंग की अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया गया है।

कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर ने तेरापंथ सभा भवन में कैंसर जागरूकता अभियान के अंतर्गत फिजिकल हेल्थ और स्पिरिचुअल हेल्थ की कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। उसके बाद मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगाण किया गया। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी बहनों का स्वागत किया। योगा ट्रेनर श्रीराम हिल्सराय ने बताया कि हर बीमारी का समाधान हमारे भीतर ही है। बस हम उससे अनजान हैं, बाहरी वातावरण बीमारी का कारण होता है। हमारे पास पूरा ज्ञान नहीं होता है, जिसके कारण बीमारियां जागृत होती है। श्री राम हिल्सराय ने सभी बहनों को हर एक छोटी-छोटी बीमारियों से बचने के लिए योगासन करवाया और बहनों को कैंसर से होने वाली तकलीफें और उसके निवारण के बारे में बताया। इंटरनेशनल प्रेक्षाध्यान ट्रेनर रेनू कोठारी ने बताया कि आचार्य महाप्रज्ञ के द्वारा एक ऐसा अवदान प्रेक्षाध्यान जो संपूर्ण मानव जाति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। रेनू कोठारी ने यह भी बताया की नीले रंग की 21बार स्वास्थ्य अनुप्रेक्षा और नमो लोये सव्वसाहूनम का जाप करने से हम कैंसर जैसी बीमारी से बच सकते हैं। प्रेक्षाध्यान के अंदर महाप्राण ध्वनि और डीप ब्रिथिंग एक्सरसाइज एक ऐसा प्रयोग है जिससे हम शारीरिक, मानसिक, भावात्मक, आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। अपने अंदर की एनर्जी को जानना और वर्तमान में जीने की कला योग और प्रेक्षाध्यान से ही होती है। योग क्रिया से शारीरिक और मानसिक तौर पर अपने आप को तंदुरुस्त रख सकते हैं। योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और प्रेक्षाध्यान करने से मन स्वस्थ रहता है। दोनों ट्रेनर्स ने प्रेरणा दी की सभी बहने योग और ध्यान को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। दोनों ट्रेनर्स ने सभी बहनों के सवालों का समाधान किया। इस कार्यक्रम में महिला मंडल की संरक्षिकाएं, परामर्शिकाएं, कैबिनेट, कार्यकारिणी और मंडल की बहने उपस्थित थी। कार्यशाला का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। कार्यशाला की संयोजिका प्रचार प्रसार मंत्री सपना गन्ना ने दोनों ट्रेनर्स का परिचय दिया। सहमंत्री सुरेखा श्रीश्रीमाल ने आभार प्रकट किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सत्य प्रेम करुणा सेवा संस्थान जोधपुर द्वारा बेंगलूरु में दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों के लिए आश्रम निर्माण हेतु सहयोग राशि जुटाने के उद्देश्य से सोमवार को राजराजेश्वरी नगर स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने भजनों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा सेवा मनुष्य का स्वभाव है, जिसने औरों के लिए जीना सीख लिया उसके जीवन में सुख, शांति, खुशियां एवं आनंद ही आनंद है। आयोजकों ने अतिथि एवं सहयोगियों को सम्मानित किया।*

झारखंड में हावड़ा-मुंबई मेल के 18 कोच पटरी से नीचे उतरे, दो लोगों की मौत

करीब 20 लोग घायल, कई ट्रेनें रद्द

रांची/नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसिया)।

झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के ट्रेन नंबर 12810 मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना में दो लोगों की मौत की खबर है।

वहीं, 20 यात्री घायल हो गए। घायलों में पांच लोगों को हल्की चोटें आई हैं और उनका घटनास्थल पर ही इलाज कर दिया गया। हालांकि, कुछ यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हावड़ा से सोमवार रात को निकली यह ट्रेन मंगलवार तड़के ही हादसे का शिकार हुई। चक्रधरपुर रेलवे संभाग के पीआरओ ने बताया कि यात्रियों को रवाना करने के लिए ट्रेन का इंतजाम किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना जमशेदपुर से करीब 80 किलोमीटर दूर बड़ाबम्बो के पास सुबहर 3 बजकर 45 मिनट पर हुई।

यह जगह पश्चिमी सिंहभूम के काफी करीब है। बड़ाबम्बो के पास मुंबई-हावड़ा मेल के 22 में से 18 डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें बी4 डिब्बे में एक यात्री की मौत हुई है। वहीं, इसी कोच में एक अन्य शख्स के फंसे होने की बात सामने आ रही है। बताया गया है कि कुल 16 यात्री डिब्बे थे, एक पैंट्री कार थी, जबकि एक पावर कार थी। घायलों को बड़ाबम्बो में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्हें अब बेहतर इलाज के लिए चक्रधरपुर ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान जारी है। एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि यह रेल दुर्घटना सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां प्रखंड के पोटोबेडा में हुई। दक्षिण-पूर्वी रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि इस घटनास्थल के करीब ही एक मालगाड़ी भी पटरी से उतर गई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह घटनाएं एक ही समय पर हुईं या अलग-अलग वक्त पर। पश्चिमी सिंहभूम के संभागीय कमिश्नर कुलदीप चौधरी ने कहा कि घटना में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 लोग घायल हैं। राहत-बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की एक टीम को बुलाया गया है। जिस जगह यह घटना हुई वह पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां की सीमाओं के करीब है। हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस के झारखंड के चक्रधरपुर के पास पटरी से उतर जाने की घटना के बाद हावड़ा रेलवे स्टेशन पर एक हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। इस बीच हादसे के चलते पांच ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि चार ट्रेनों को पिछले/अगले स्टेशन से ही रवाना करने या रोकने का निर्णय लिया गया है। भारतीय रेलवे ने इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान किया है। वहीं गंभीर रूप से घायलों के लिए पांच लाख रुपए की मदद का ऐलान किया गया है।

इस बीच सरायकेला-खरसावां के एसपी मुकेश लुनायत ने बताया कि पुलिस को इस घटना की जानकारी सुबह 4.02 बजे मिली थी। सभी घायलों को बचाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। एनडीआरएफ की टीम भी यहां पहुंच चुकी है। 300 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। राहत-बचाव कार्य पूरे हो चुके हैं और अब पटरियों की मरम्मत की जानी है। इस बीच दक्षिण-पूर्वी रेलवे की तरफ से कई ट्रेनों को रद्द किया गया है। इसे लेकर रेलवे ने जानकारी भी जारी की है।

पंजाब में ट्रेन में बम की फर्जी सूचना देने वाला गिरफ्तार

जम्मू तवी एक्सप्रेस में सर्च में कुछ नहीं मिला, पौने 7 घंटे बाद अहमदाबाद रवाना

पंजाब के फिरोजपुर में मंगलवार सुबह बम की सूचना के बाद जम्मू तवी से अहमदाबाद जा रही एक्सप्रेस ट्रेन को रोका गया। कासु बेगू रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की तलाशी ली गई। भारतीय सेना का बम निरोधक दस्ता भी बुलाया गया। करीब 6 घंटे चली सर्च के बाद ट्रेन से कुछ नहीं मिला। 45 मिनट बाद यात्रियों को बिठाकर ट्रेन अहमदाबाद के लिए रवाना कर दी गई। फिरोजपुर एसएसपी सौम्या मिश्रा ने बताया कि बम की सूचना देने वाले व्यक्ति की कॉल डिटेल ट्रेस की गई। कॉल पश्चिम बंगाल से आई थी। पंजाब पुलिस ने पश्चिम बंगाल की लोकल पुलिस ने संपर्क कर कॉलर को पश्चिम बंगाल से हिरासत में लिया है। व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार सुबह जम्मू तवी भगत की कोठी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 19226) में सिक्योरिटी संबंधित सूचना मिली। एक व्यक्ति ने ट्रेन में सवार यात्री को कॉल कर कहा कि ट्रेन में बम है। इसके बाद यात्री ने तुरंत इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों को दी। उस दौरान ट्रेन फिरोजपुर रेलवे स्टेशन से फिरोजपुर-बठिंडा सेक्शन पर फरीदकोट रेलवे स्टेशन की ओर रवाना हुई थी। जिसके बाद सुबह 7.42 बजे कासु बेगू रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रुकवा ली गई। सूचना पाकर रेलवे और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। यात्रियों को तुरंत ट्रेन से बाहर निकालकर सर्च शुरू की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्हें ट्रेन की चेकिंग करनी है। उन्हें पता चला है कि ट्रेन में कोई बम है।

नए रिकार्ड की ओर बढ़ रही अमरनाथ यात्रा

कल तक पार हो जाएगा पांच लाख

जम्मू, 30 जुलाई (ब्यूरो)।

इस बार अमरनाथ यात्रा नए रिकार्ड की ओर अग्रसर है। खराब मौसम और प्रदेश में आतंकी हमलों में आई तेजी के बावजूद इसमें शामिल होने वाले कल तक पांच लाख के आंकड़े को छू लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा में आज सुबह तक 4.65 लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए, जिन्होंने भगवान शिव को श्रद्धांजलि अर्पित की, जो पिछले साल की तुलना में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शन करने वालों की कुल संख्या से अधिक है।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को 7,500 तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा में पूजा-अर्चना की, जिससे तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 4,66,342 हो गई, जबकि पिछले साल यह संख्या 4.59 लाख थी। उन्होंने कहा कि आज मंदिर में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों में 4,364 पुरुष तीर्थयात्री, 1,791 महिला तीर्थयात्री, 148 साधु और एक साध्वी शामिल हैं।

इस बीच 1,832 तीर्थयात्रियों का 32वां जत्था सीआरपीएफ की सुरक्षा में 62 वाहनों के काफिले में आज सुबह 3.22 बजे भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ। इस जत्थे में 1,358 पुरुष, 363 महिलाएं, दो बच्चे और 109 साधु और साध्वी शामिल हैं। इनमें से 1,263 तीर्थयात्री अनंतनाग जिले के पहलगाम के लिए पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे मार्ग का इस्तेमाल करेंगे, जबकि 569 गंदरबल जिले में छोटे लेकिन अधिक खड़ी 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग का इस्तेमाल करेंगे।

इस साल 29 जून को शुरू हुई 52 दिवसीय यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी। इस साल बढ़ी हुई भीड़ का श्रेय बेहतर रसद व्यवस्था, बढ़े हुए सुरक्षा उपायों और अनुकूल मौसम की स्थिति को दिया जा सकता है। पहली बार अमरनाथ यात्रा कर रही तीर्थयात्री अंकिता ने बताया कि असली खुशी अमरनाथ पहुंचने में है; इतनी थकाऊ यात्रा के बाद यह पुरस्कृत करने वाला है। व्यवस्थाएं उत्कृष्ट हैं। वे कहती थीं कि हमारे साथ हर जगह अच्छा व्यवहार किया गया। सुरक्षाकर्मी विनम्र हैं, जिससे हम सहज महसूस करते हैं। चिकित्सा सुविधाएं भी काफी अच्छी हैं। हम लंबे समय से इस यात्रा की योजना बना रहे थे उन्होंने कहा, ष्मैं किसी और तीर्थयात्रा में शामिल नहीं होता। यहां सुविधाएं बेहतरीन हैं। लोग कश्मीर से डरते हैं, लेकिन उन्हें निश्चित रूप से वहां जाने की कोशिश करनी चाहिए।

महिला विरोधी टिप्पणी के लिए राहुल के खिलाफ याचिका दायर

बेंगलुरु, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में गत मई में भाषण के दौरान कथित रूप से महिला विरोधी बयान को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कर्नाटक उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गयी है। अखिल भारतीय दलित कार्य समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिना रामू ने यह याचिका दायर की है।

एक अधिवक्ता ने बताया कि याचिका पर सुनवाई होने या न होने के संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह विवाद कर्नाटक में श्री गांधी के उस सार्वजनिक भाषण से उपजा है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सामूहिक बलात्कार करने और घटनाओं को रिकॉर्ड करने का आरोप लगाया था। याचिका में कांग्रेस नेता के बयानों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बिना सबूत के ऐसे गंभीर आरोपों के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पूर्व में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव रहे रामू ने यह भी कहा है कि श्री गांधी के आरोपों के पक्ष में कोई सबूत नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि कथित रूप से प्रभावित महिलाओं की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं करायी गई है। उन्होंने अपनी याचिका में न केवल श्री गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई, बल्कि अपनी टिप्पणी के लिए माफी की भी मांग की है।

ईडी की बंगाल में 10 स्थानों पर छापेमारी

कोलकाता, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कोविड-19 अवधि के दौरान कथित राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में उत्तर 24 परगना में करीब 10 स्थानों पर छापेमारी शुरू की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तलाशी अभियान में ग्रेटर कोलकाता के पूर्वी हिस्से में राजारहाट भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि छापेमारी एक व्यवसायी बारिक बिस्वास के छह घरों और चार चावल मिलों में की जा रही है, जो गिरफ्तार किए गए पूर्व राज्य खाद्य मंत्री ज्योतिर्मय मलिक के करीबी सहयोगियों में से एक है। राजारहाट के अलावा, बिस्वास के आवास बसीरहाट और देगंगा में भी छापेमारी जारी है। ईडी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कई सशस्त्र जवानों के साथ सुबह से ही छापेमारी शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2023 में, ईडी ने मलिक को कथित राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। मलिक के अलावा एक अन्य चावल मिल मालिक बाकिबुर रहमान, तृणमूल कांग्रेस नेता एवं बनगांव नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष शंकर अड्या को कथित राशन घोटाले में गिरफ्तार किया गया था।

संसद में जम्मू-कश्मीर का बजट पेश पिछले साल के मुकाबले 110 करोड़ कम

इंफ्रा और रोड पर फोकस, 370 हटने के बाद 5वां पूर्ण बजट

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसिया)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का 5वां पूर्ण बजट पेश किया।

जम्मू-कश्मीर के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1 लाख 18 हजार 390 करोड़ रुपए का बजट पेश हुआ है। बीते साल यह 1 लाख 18 हजार 500 करोड़ रुपए था। इस साल इसमें 110 करोड़ की कमी आई है।

वित्त वर्ष 2024-35 में जम्मू-कश्मीर के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 7.5% की ग्रोथ और 7,902 करोड़ रुपए राजकोषीय घाटा (फिस्कल डेफिसिट) रहने का अनुमान है। इससे पहले 5 फरवरी 2024 को वित्त मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1.18 लाख करोड़ रुपए का अंतरिम बजट पेश किया था। बजट में कहा गया है कि यह जम्मू-कश्मीर के विकास का बजट है। इसमें जम्मू-कश्मीर के लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को शामिल किया गया है। इसका लक्ष्य जम्मू-कश्मीर के लोगों की बेहतरी के लिए सामाजिक-आर्थिक विकास की गति को तेज करना है। प्रदेश में निर्वाचित सरकार नहीं होने की वजह से यह जम्मू-कश्मीर का 5वां पूर्ण बजट है जो संसद में पेश हुआ है।

पांच अगस्त 2019 को ऑर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेश में बंट गया। पहला जम्मू-कश्मीर और दूसरा लद्दाख। तभी से जम्मू-कश्मीर का बजट संसद में पेश किया जा रहा है। 2018 में जम्मू-कश्मीर का बजट विधानसभा में पेश हुआ था। राज्य में एक बार चुनाव होने के बाद बजट फिर से विधानसभा में ही पेश किया जाएगा। 11 दिसंबर, 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 30 सितंबर 2024 से पहले केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है।

सात महीनों में जम्मू कश्मीर में मारे गए 33 आतंकी

इतने ही सुरक्षाकर्मी और नागरिक भी मरे

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 30 जुलाई।

पिछले सात महीनों में जम्मू कश्मीर में कुल मारे गए 66 लोगों में अगर 33 आतंकी थे तो उतने ही सुरक्षाकर्मी और नागरिक भी शामिल थे। यह 30 जुलाई तक का आंकड़ा है। जबकि पिछले साल इसी अवधि में कुल 60 लोग मारे गए थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल जो 33 आतंकी मारे गए उनमें से 23 को जून और जुलाई में ही ढेर किया गया है। इनमें से 11 को जून तथा 12 को जुलाई में मार गिराया गया है। अधिकतर को घुसपैठ करते समय मारा गया था। अगर पिछले साल का आंकड़ा भी देखें तो सबसे अधिक आतंकी जून और जुलाई में ही मारे गए थे। आंकड़ों के बकौल, पिछले साल जून में 14 और जुलाई में 9 आतंकी मारे गए थे। अधिकारियों का कहना था कि इन दो महीनों में अधिकतर आतंकी इसलिए मारे जाते रहे हैं क्योंकि पाक सेना की ओर से घुसपैठ के प्रयासों में तेजी लाई जाती रही है जिस कारण उन्हें एलओसी पर ही मार दिया जाता रहा है।

इस साल अभी तक 16 सुरक्षाकर्मी भी शहीद हुए हैं। पिछले साल से यह आंकड़ा ज्यादा है जब सात महीनों में 13 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। जबकि इस साल नागरिकों पर हमले भी बढ़े हैं जिस कारण 30 जुलाई तक की अवधि में 17 नागरिकों को आतंकियों ने मार डाला जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 9 था।

जम्मू कश्मीर में जुलाई में हुए 8 बड़े हमले

23 जुलाई को पुंछ में एनकाउंटर में एक जवान शहीद: जम्मू कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास बट्टाल सेक्टर में मंगलवार (23 जुलाई) सुबह करीब 3 बजे सेना और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें लांस नायक सुभाष कुमार घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

22 जुलाई: शौर्य चक्र विजेता के घर आतंकी हमला, एक आतंकी ढेर: जम्मू के राजौरी के घोंधा में आतंकियों ने एक शौर्य चक्र विजेता के घर पर हमला किया। घटना सुबह 3.10 बजे हुई। हमले की खबर लगते ही 63 आरआर आर्मी कैंप से आई टुकड़ी ने जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकी को मार गिराया।

18 जुलाई: कुपवाड़ा में सेना ने 2 आतंकियों को मार गिराया: कुपवाड़ा के केरन इलाके में सेना ने 2 आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया। सेना को यहां कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान आतंकियों-सेना के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी।

डोडा के डेसा इलाके में आतंकियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन और पुलिसकर्मी समेत 5 जवान शहीद हो गए। 15 जुलाई को डोडा के डेसा फोरेस्ट बेल्ट के कलां भाटा में रात 10.45 बजे और पंचान भाटा इलाके में रात 2 बजे फिर फायरिंग हुई थी।

14 जुलाई: एलओसी पर घुसपैठ के दौरान 3 आतंकी ढेर: कुपवाड़ा में एलओसी पर घुसपैठ के दौरान सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। इनके पास से पिस्तौल, गोला-बारूद बरामद किए गए। तीनों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया।

8 जुलाई: कठुआ में आतंकी हमले में 5 जवान शहीद: कठुआ जिले में आतंकियों के हमले में शहीद हुए पांचों जवान उत्तराखंड के थे। कठुआ में 8 जुलाई को आतंकियों के हमले में जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 5 जवान शहीद हो गए। आतंकियों ने पहाड़ी से घात लगाकर सेना के ट्रक पर पहले ग्रेनेड फेंका, फिर स्नाइपर गन से फायरिंग की। सेना ने भी काउंटर फायरिंग की, लेकिन आतंकी जंगल में भाग गए।

7 जुलाई: राजौरी में सुरक्षा पोस्ट पर फायरिंग, आतंकी फरार: राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों ने एक आर्मी कैंप पर हमला कर दिया। इसमें एक जवान घायल हुआ था है। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

7 जुलाई: कुलगाम में 6 आतंकी ढेर, एनकाउंटर में 2 जवान शहीद: कुलगाम के मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में एनकाउंटर में 6 आतंकी मारे गए। एनकाउंटर में दो जवान भी शहीद हुए। मुदरघम में एक-दो आतंकियों और चिन्निगम फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना थी। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने बताया कि हमले में स्थानीय आतंकियों भी शामिल थे।

महिला सुरक्षा के लिए सपा खुद एक गंभीर खतरा: योगी

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिला सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। इस गंभीरता का परिणाम है कि महिला और बाल अपराध से जुड़े मामलों में लगातार कमी आ रही है। अपराधियों के मन में कार्रवाई का भय है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के अंदर सरकार आने के बाद सबसे पहले हमने शोहदों पर लगाम कसने के लिए जो कार्रवाई की, एंटी रोमियो स्क्वाड इसका एक उदाहरण है। बताते हुए दुख होता है कि एंटी रोमियो स्क्वाड का जब गठन हुआ तब सबसे पहले इसका विरोध समाजवादी पार्टी ने ही किया था। ये बोलने में भी कोई संकोच नहीं है कि महिला संबंधी अपराधों के मामलों में डायरेक्ट या इनडायरेक्ट समाजवादी पार्टी से जुड़े लोग ही इनवॉल्व पाए जाते हैं। महिला संबंधी अपराध में ये उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने कहा था कि लड़के हैं गलती कर देते हैं। ये लोग सुरक्षा की बात क्या करेंगे। महिला सुरक्षा के लिए ये समाजवादी खुद ही एक गंभीर खतरा हैं। इसलिए महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरह सचेत और सक्रिय है। हमारी सरकार प्रदेश में हर बेटी को और हर व्यापारी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला सुरक्षा से संबंधित एक प्रश्न का जवाब देते हुए सीएम योगी ने सदन में कहा कि महिला और बाल सुरक्षा से जुड़े मुद्दे दो प्रकार के होते हैं। एक घर के अंदर और दूसरा घर के बाहर। दोनों मुद्दों को ध्यान में रखकर सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। 2016 से तुलना करें तो सभी तरह के मामलों में कमी देखने को मिलेगी। 2016 की तुलना में दहेज जैसी

घटनाओं के बारे में देखें तो 2023-24 के बीच में लगभग 17.5 प्रतिशत की कमी आई है। 2016 की तुलना में 2023-24 में बलात्कार की घटनाओं में 25.30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। 2017 से लेकर 2024 के बीच में जो नाबालिग बच्चे हैं , उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामलों में प्रदेश सरकार ने अपने प्रॉसीक्यूशन विंग को मजबूत किया है, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। इस दौरान 24 हजार 402 प्रकरणों में अभियुक्तों को अब तक सजा दिलाई जा चुकी है। 2017-24 के बीच पॉक्सो एक्ट में 9875 अभियोगों में सजा दिलाई गई है। 2022 से 2024 के मध्य महिलाओं के विरुद्ध पॉक्सो अपराध में 16,718 अभियुक्तों को सजा दी गई है, जिसमें 21 को मृत्युदंड, 17,013 को आजीवन कारावास, 4653 को दस वर्ष या उससे अधिक का कारावास और 10,331 को दस वर्ष से कम के कारावास की सजा दी गई है।

सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में इस दिशा में कई अन्य प्रयास भी हुए हैं। इन्-वेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफेंसेज को लेकर भारत सरकार ने जो अपना पोर्टल तैयार किया है उसको हमने 2018 में ही एक्टिव कर दिया है। इसके तहत प्रदेश के अंदर प्रॉपर मॉनीटरिंग की गई है, जिसका परिणाम है कि पेंडेंसी रेट में तेजी से कमी दर्ज की गई है। पेंडेंसी रेट में उत्तर प्रदेश, देश में दूसरे स्थान पर है, जबकि इन मामलों के तहत अपराधियों को सजा दिलाने के मामले में उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर है। ई प्रॉसीक्यूशन में उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक स्थान पर है। महिला और बाल अपराध संबंधी अभियोगों के निस्तारण में यूपी देश में प्रथम स्थान पर है। इस दौरान लगभग 98 प्रतिशत से अधिक मामलों का निस्तारण किया गया है। घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए 181 की सेवा है, जबकि बाहर के अपराधों के लिए 1090 की सेवा उपलब्ध कराई गई है। इन सब सेवाओं को 112 के साथ इंटीग्रेड किया गया है। यही नहीं, प्रदेश के अंदर हर जनपद में एक महिला थाना स्थापित करने के साथ ही एक अतिरिक्त थाने की जिम्मेदारी भी महिला थानाध्यक्ष को उपलब्ध कराई गई है। प्रदेश में 1585 थानों में अलग से एक महिला हेल्प डेस्क बनाई गई है।

सीएम योगी ने बताया कि 2020 से हमारी सरकार ने मिशन शक्ति के अभियान को आगे बढ़ाया है। इसके अंतर्गत पिछले 7 वर्ष में लगभग डेढ़ लाख पुलिस कार्मिकों की भर्ती की गई है। 2017 के पहले तक कुल 10 हजार महिला कार्मिकों की भर्ती हुई थी, जबकि 2017 से 2022-23 के बीच प्रदेश में 20 हजार से अधिक महिला पुलिस कांस्टेबल की भर्ती करने में सफलता प्राप्त हुई है। यानी आजादी के बाद 70 वर्षों में जितनी महिला पुलिस कार्मिकों की भर्तियां हुई थीं, उससे दोगुनी भर्ती महज 5 वर्षों में हमने की है। पुलिस की भर्ती में महिलाओं को 20 प्रतिशत होरिजेंटल रिजर्वेशन की व्यवस्था प्राप्त हो सके, इसको अनिवार्य रूप से लागू किया गया। लखनऊ, गोरखपुर और बदायूं में महिला पीएसी के गठन की कार्रवाई को आगे बढ़ाया। जो पुलिस कार्मिक महिलाएं भर्ती हुईं वो केवल ऑफिस या थाने तक ही सीमित न रहें, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा के साथ-साथ शासन की योजनाओं को उन तक पहुंचाने में भी सहयोगी बनें, इसके लिए प्रदेश के अंदर 10 हजार से अधिक महिला बीट स्टेशन तैयार किए गए, महिला पिंक बूथ की स्थापना की गई। ये भी व्यवस्था की गई कि ये महिला बीट पुलिस अधिकारी मिशन शक्ति के अंतर्गत हर सप्ताह महिलाओं के पास जाएं और महिला संबंधी मुद्दों पर चर्चा करें। यही नहीं, मुद्दों के समाधान के साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, उनके स्किल डेवलपमेंट, उनके स्वावलंबन से संबंधित योजनाओं से महिलाओं को अवगत कराएं।

सीएम योगी ने अखिलेश और शिवपाल पर किया कटाक्ष

सदन की कार्यवाही के दौरान जब नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सीएम योगी से महिला सुरक्षा संबंधी मुद्दे पर जवाब मांगा तब सीएम योगी ने उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की बधाई देते हुए इशारों ही इशारों में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव पर व्यंग्य बाण चला दिए। सीएम योगी ने सदन में व्यंग्य कसते हुए कहा कि आपके चयन के लिए बधाई देता हूं। ये अलग विषय है कि आपने चचा को गच्चा दे ही दिया। चचा बेचारा हमेशा ही ऐसे मार खाता है। उनकी नियति ही ऐसी है, क्योंकि भतीजा हमेशा भयभीत रहता है। दरअसल, सीएम योगी ने यह व्यंग्य इसलिए दिया, क्योंकि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव की जगह माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष के लिए चयनित किया। इसी पर उन्होंने शिवपाल यादव पर चुटकी ली।

गरीबों को ठगने वाले भूमाफिया सपा से जुड़े लोग: सीएम योगी

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ के अकबरनगर इलाके में प्रदेश सरकार द्वारा अवैध कब्जेदारों पर की गई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में जवाब देते हुए एक बार फिर समाजवादी पार्टी को कठघरे में खड़ा किया। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पंतनगर और इंद्रप्रस्थ नगर की कार्रवाई को हमने स्थगित करवाया है।

लेकिन अगर आप देखेंगे तो गरीबों को ठगने वाले जितने भी भूमाफिया हैं, उनमें से ज्यादातर समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए लोग ही थे। साथ ही, सीएम योगी ने ये भी कहा कि इंद्रप्रस्थ नगर और पंतनगर में जिन लोगों ने लाल चिन्ह लगाए हैं, उन्होंने यह किस नीयत से किया है इसकी पूरी रिपोर्ट हमने तलब की है। अगर किसी ने गलत नीयत से किया होगा तो उसकी जवाबदेही भी तय होगी, लेकिन अगर सावधानीवश केवल चिह्नित करने के लिए किया गया है तो यह कुकरैल नदी के पुनर्व्यवस्थापन के लिए लोगों को सावधान करने के लिए है।

सीएम योगी ने लखनऊ से विधायक रविदास मेहरोत्रा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि आप लखनऊ के इतिहास को जानते होंगे। लखनऊ में गोमती और कुकरैल नदी का संगम भी था।

अकबरनगर 1984 के बाद से ही बसा है। इसमें ज्यादातर अवैध निर्माण था और यही कारण था कि यह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी टिक नहीं पाया। जिन लोगों को गलत तरीके से फर्जी कागजात दिखाकर रजिस्ट्री की थी, उन लोगों को हमने रिहैबिलिटेट किया है। अब अकबरनगर कोई नगर नहीं है, बल्कि अब वह सौमित्र वन हो गया है। लखनऊ को उसकी पहचान दिलाने के लिए भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण जी के नाम पर उसको सौमित्र वन बना दिया गया है। लखनऊ से सपा के विधायक को तो खुश होना चाहिए कि लखनऊ के लोगों ने आपको विधायक बनाया है और लखनऊ को हम नाइट सफारी दे रहे हैं। मतलब ये कि लाभ आप कमाएंगे और पैसा सरकार दे रही है। इतनी अच्छी योजना मिलने के बाद आपको तो सरकार को धन्यवाद देना चाहिए।

उन्होने कहा कि पंत नगर और इंद्रप्रस्थनगर की कार्रवाई को हमने स्थगित करवाया है।

हमने कहा है कि एक भी व्यक्ति जिसने रजिस्ट्री की है और उसके पास जायज कागजात हैं, उसको हम वहां कंपनसेशन देंगे और वो भी नदी को पुनर्जीवित करके। आप जाकर देखिए वहां पर कि कुकरैल नदी थी या नाला था।

आपको आज के दिन पर नदी नजर आएगी, नाला नहीं। नदी पुनर्जीवन का अभियान पूरे देश के अंदर चल रहा है। हम बोलते तो हैं, जल ही जीवन है, लेकिन क्या इनको तबाह करके हम जीवन की कल्पना कर पाएंगे। गोमती नदी को लखनऊ में क्या बना दिया आपने।

एक तरफ गोमती को मां कहते हो और दूसरी तरफ पूरी नदी को गंदा नाला में बदल दिया। उस नदी की पुनर्व्यवस्थापन की कार्यवाही के लिए किए जा रहे प्रयास के लिए आपको लखनऊ के विधायक के रूप में सरकार की सराहना करनी चाहिए।

विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने दिखाए तेवर

सपा को दिखाया आईना, पूर्ववर्ती सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा के द्वितीय सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है। सोमवार को सत्र के पहले दिन जहां कई विधायक उनके पैर छूते नजर आए थे तो वहीं दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने अपने तीखे और व्यंग्य भरे लहजे से विपक्ष के तेवर ही ढीले कर दिए। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में विपक्षी दलों के विधायकों के सवालों का जवाब देते हुए सपा पर तीखे वार किए और उनके समय की खस्ताहाल व्यवस्था की याद दिलाई तो वहीं नेता प्रतिपक्ष को बधाई देने के बहाने उन्होंने शिवपाल यादव और अखिलेश यादव पर भी व्यंग्य भरे तीर चलाए, जिसका असर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक देखने को मिला।

लोकसभा चुनाव में नतीजों के बाद सीएम योगी के तेवरों में नरमी की उम्मीद कर रहे विपक्षी विधायकों को जोर का झटका लगा। सीएम योगी के तेवर पहले से भी अधिक आक्रामक नजर आए।

हालांकि, उनके शब्द व्यंग्य की चाशनी में डूबे हुए थे। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के बहाने सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि आपको बधाई, लेकिन आपने भी आखिरकार चचा को गच्चा दे ही दिया। चचा बेचारा हमेशा ही मार खाता है। सीएम योगी द्वारा मुस्कुराकर दिए गए इस वक्तव्य पर पहले शिवपाल यादव को सदन में सफाई देनी पड़ी, जबकि दिल्ली में लोकसभा के बाहर अखिलेश यादव भी इस व्यंग्य पर निरुत्तर नजर आए। सीएम योगी ने अपने एक ही तीर से दोनों को निशब्द कर दिया।

इससे पहले, सीएम योगी ने सदन में महिला सुरक्षा को लेकर सपा पर प्रहार किया और यहां तक कह डाला कि महिला सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा तो स्वयं समाजवादी पार्टी से जुड़े लोग ही हैं। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और रसोइयों के मानदेय पर भी उन्होंने सपा को घेरते हुए उससे जुड़े भूमाफिया पर गरीबों को ठगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार ने गोमती नदी और कुकरैल नदी को नाला बना दिया। उन्होंने लखनऊ के विधायक रविदास मेहरोत्रा पर तंज कसते हुए ये भी कहा कि लखनऊ से विधायक तो आप हैं, लेकिन पैसा सरकार खर्च कर रही है। कुकरैल नदी के पुनर्व्यवस्थापन के लिए जो प्रयास सरकार कर रही है उसके लिए आपको हमारा धन्यवाद कहना चाहिए।

सोमवार को सत्र के पहले दिन ही सीएम योगी के प्रति विधायकों की श्रद्धा और आदर देखने को मिला था, जब वह विधानसभा पहुंचे और तमाम विधायक उनके पैर छूने पहुंच गए। इसमें सत्तारूढ़ दल के साथ ही कई विपक्षी विधायक भी शामिल रहे। इस दौरान कुंडा से विधायक राजा भैया ने भी सीएम योगी के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। यही नहीं, पहले दिन वह वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से शायरी करने के लिए आग्रह करते भी नजर आए और जब सुरेश खन्ना ने शायरी सुनाई तो सीएम योगी भी खिलखिलाकर हंस पड़े। उनका ये अंदाज पहले दिन ही चर्चा का विषय बना रहा।

आपदा पीड़ितों की राहत के लिए यूपी सरकार खर्च कर रही 175 करोड़

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने विभिन्न आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए भारी भरकम रकम जारी की है। जिलों की मांग पर राज्य आपदा मोचक निधि से यह राशि आवंटित की गयी है। योगी सरकार ने जिलों की मांग पर कुल 175 करोड़ से अधिक की धनराशि जारी की गयी।

इसमें से 120 करोड़ रुपए की धनराशि बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों, परिवार को राहत सहायता देने, कृषि निवेश अनुदान समेत अन्य राहत कार्यों के लिए पहले ही जारी कर दी गयी थी। इस मद में योगी सरकार ने 36 करोड़ से अधिक की धनराशि दोबारा जारी की है। इसमें सबसे अधिक 30 करोड़ रुपए लखीमपुर खीरी को दिए गए हैं।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दैवीय आपदाओं से पीड़ित लोगों की हरसंभव मदद के लिए काफी संवेदनशील रहते हैं। साथ ही आपदा ग्रस्त इलाकों की खुद मॉनीटरिंग के साथ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहते हैं। यही वजह है कि पिछले सात वर्ष में प्रदेश में आपदा के दौरान जनहानि और धनहानि में काफी कमी दर्ज की गयी है। साथ ही आपदा से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न आपदाओं के लिए 175 करोड़ 40 लाख 77 हजार 392 रुपए जारी किये हैं। इसमें 6 जिलों (कासगंज, मेरठ, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, कानपुर नगर और मथुरा) को बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों, परिवार को राहत सहायता देने, कृषि निवेश अनुदान समेत अन्य राहत कार्यों के लिए 36 करोड़ 75 लाख 77 हजार 392 रुपए जारी किये गये हैं। इसमें सबसे अधिक धनराशि लखीमपुर खीरी को 30 करोड़, पीलीभीत को 4 करोड़, कासगंज को 1.25 करोड़, कानपुर नगर को एक करोड़, मेरठ को 50 लाख और मथुरा को 77 हजार 392 रुपए जारी किये गये हैं। वहीं इससे पहले इसी मद में योगी सरकार ने 120 करोड़ रुपए जारी किये थे। बता दें कि प्रदेश में मानसून के दस्तक देने से पहले योगी सरकार ने 10 करोड़ रुपए राहत कार्यों की तैयारियों के लिये जारी किये थे।

राहत आयुक्त ने बताया कि योगी सरकार ने सांड़ और नीलगाय के आघात से होने वाली घटनाओं के पीड़ितों के लिए फतेहपुर और पीलीभीत को 54 लाख रुपए जारी किये गये हैं। इसमें फतेहपुर को 30 लाख और पीलीभीत को 24 लाख दिये गये हैं। इसी तरह मानव जीव द्वंद्व के लिए बलरामपुर, प्रतापगढ़ और बिजनौर को 64 लाख जारी किये गये हैं। इनमें बलरामपुर को 28 लाख, प्रतापगढ़ को 12 लाख और बिजनौर को 24 लाख दिये गये हैं। वहीं बेमौसम भारी वर्षा और अतिवृष्टि से हुए नुकसान के लिए बलरामपुर, गोरखपुर और पीलीभीत को 65 लाख दिये गये हैं। इनमें पीलीभीत को 50 लाख, गोरखपुर को 10 लाख व बलरामपुर को 5 लाख रुपए की धनराशि दी गयी है। इसके अलावा लू प्रकोप के लिए मिर्जापुर को 8 लाख और औरैया को 4 लाख आवंटित किए गए हैं। इतना ही नहीं, आंधी तूफान के लिए बलरामपुर, प्रतापगढ़ और फर्रुखाबाद को 20 लाख दिये गये हैं। इसमें प्रतापगढ़ को 10 लाख, बलरामपुर व फर्रुखाबाद को 5-5 लाख रुपए दिए गए हैं। आकाशीय बिजली के लिए कुल 3 करोड़ 97 लाख दिये गये हैं। इनमें गोरखपुर को 20 लाख, बांदा को एक करोड़, फर्रुखाबाद को 20 लाख, मऊ को 80 लाख, चंदौली को 24 लाख, महोबा को 75 लाख, गोंडा को 20 लाख, बिजनौर को 8 लाख और चित्रकूट को 50 लाख दिये गये हैं। योगी सरकार ने सर्पदंश के लिए 2 करोड़ 25 लाख दिये हैं। इनमें बांदा को 1 करोड़, चित्रकूट को 50 लाख और महोबा को 75 लाख दिये हैं। वहीं डूबने से होने वाली मौत के लिए प्रदेश के 16 जिलों को कुल 10 करोड़ 16 लाख दिये गये हैं।

अनुपूरक बजट वर्ष 2024-25

यूपी के विकास पर खर्च होंगे 12 हजार 209 करोड़

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने प्रदेश के विकास को और गति देने, युवाओं को कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने के लिए विधानसभा में मंगलवार को 12 हजार 209 करोड़ 93 लाख का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया।

यह बजट वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा के पटल पर रखा। इस दौरान उन्होंने बताया कि अनुपूरक बजट में राजस्व लेखा व्यय 4 हजार 227.94 करोड़ और पूंजी लेखा का व्यय 7,981.99 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित अनुपूरक बजट का आकार इस वर्ष के मूल बजट का 1.66 प्रतिशत है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अनुपूरक बजट में 7500.81 करोड़ औद्योगिक विकास, 2000 करोड़ ऊर्जा विभाग, एक हजार करोड़ परिवहन विभाग को नई बसें खरीदने के लिए बजट प्रस्तावित किया है।

इसके साथ ही नगर विकास विभाग की अमृत योजना की सहायता के लिए 600 करोड़, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 200 करोड़, ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम के लिए 100 करोड़, माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत 284 राजकीय इंटर कॉलेजों में लैब की स्थापना के लिए 28.40 करोड़, 1040 राजकीय इंटर कॉलेज में आईसीटी लैब की स्थापना के लिए 66.82 करोड़ की व्यवस्था अनुपूरक बजट में की गयी है। इसके अलावा संस्कृति विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 74.90 करोड़, अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए 53.85 करोड़ रुपए दिये हैं।

इनमें आवासीय एवं अनावासीय भवनों के अनुरक्षण के लिए 2.79 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन समिति के गठन एवं योजना के संचालन के लिए 49.80 करोड़, विधानसभा सचिवालय के डाटा सेंटर के नवीनीकरण के लिए 3.25 करोड़, विधानसभा मंडप के डिजिटल कम्युनिकेशन सिस्टम और सहवर्ती उपकरणों के विस्तार के लिए 1.98 करोड़ और विधानसभा लाइब्रेरी परिसर में डिजिटल सीसीटीवी सर्विलांस व कैमरा प्रणाली की स्थापना, उपकरणों के विस्तार के लिए 2.45 करोड़ दिए हैं। वहीं अनुपूरक मांगों में 319.95 करोड़ रुपए नई मांगों और अन्य योजनाओं के लिए हैं।

संपादकीय

खनिजों पर कर लगाने का विधायकी अधिकार

विधायकी अधिकार सुप्रीम कोर्ट ने खनिज अधिकारों से जुड़े 35 सालों के विवाद को खत्म करते हुए ऐतिहासिक फैसले में कहा कि खनिजों पर देय रॉयल्टी कोई कर नहीं है। संविधान के तहत राज्यों के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायकी अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से यह पैसला सुनाया। इससे झारखंड और ओडिशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों को राहत मिलेगी। इन राज्यों ने केंद्र की ओर से खदानों और खनिजों पर अब तक लगाए गए हजारों करोड़ रुपए के करों की वसूली पर कोर्ट से पैसला करने का आग्रह किया था। वैद्रीय संविधान पीठ ने माना कि राज्यों को खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार है और खान व खनिज (विकास व विनियमन) अधिनियम, 1957 राज्यों को ऐसी शक्ति को सीमित नहीं करता। सीजेआई के अलावा जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस अभय एस. ओका, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस उज्जल भुइयां, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने बहुमत का पैसला दिया वहीं, जस्टिस बीवी नागरत्ना ने अपने पैसले में कहा कि रॉयल्टी कर या वसूली की प्रवृत्ति वाली होती है और केन्द्र के पास इसे लगाने का अधिकार है। केन्द्र और राज्यों के बीच करों के बंटवारे को लेकर कई बार विवाद हो चुका है। केन्द्रीय कर प्रणाली जीएसटी लागू होने के बाद भी कुछ चीजों पर करों और उपकरों के बंटवारे को लेकर सवाल उठते रहे हैं। खनिजों के स्वामित्व का प्रश्न भी उनमें से एक है। केंद्र सरकार ने खनिजों पर कर और उपकर लगाना शुरू किया तो कुछ कंपनियों और राज्य सरकारों ने इन पर सवाल उठाए। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने अब स्पष्ट कर दिया है कि खनिजों पर राज्य सरकारों का हक होता है। वे उनका पट्टा देने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके लिए किए गए करार के एवज में वे जो शुल्क प्राप्त करती है, उसे कर नहीं कहा जा सकता। वह रॉयल्टी की श्रेणी में आती है। रॉयल्टी को कर नहीं कहा जा सकता। इस पैसले से खासकर ओडिशा और झारखंड को बड़ी राहत मिली है। दरअसल यह मामला इसलिए उलझा हुआ था कि संविधान में केंद्र को खदानों के आवंटन से संबंधित सीमाएं तय करने का अधिकार केन्द्र सरकार को दिया गया है। मगर जमीन, भवन आदि पर शुल्क लगाने का अधिकार राज्य सरकारों को है। इसलिए केन्द्र सरकार खनिजों पर कर लगाने लगी थी। अब सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि खनिज राज्य सरकार की संपदा है। इसलिए वह उसके पट्टे की कीमत तय कर सकती है। अगर खनिजों पर भी केन्द्र सरकार कर वसूलने लगेगी तो राज्यों को अपनी विकास योजनाओं के लिए धन जुटाना मुश्किल हो जाएगा। राज्य सरकारें सभी व्ययों तथा कर निर्धारण की जिम्मेदारी निभाती हैं। राज्यों और केन्द्र के दरम्यान कई बार खींचतान की स्थिति उत्पन्न होती है। खासकर जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार होती है। उन्हें केन्द्र की नीतियों या आर्थिक मदद को लेकर सहयोगपूर्ण रवैये न रखने जैसी शिकायतें आम हैं। ओडिशा और झारखंड प्रामुख खनिज उत्पादक राज्य हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही। इसलिए अदालत का यह पैसला उनके विकास में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

> संविधान के तहत राज्यों के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायकी अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से यह पैसला सुनाया। इससे झारखंड और ओडिशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों को राहत मिलेगी। इन राज्यों ने केंद्र की ओर से खदानों और खनिजों पर अब तक लगाए गए हजारों करोड़ रुपए के करों की वसूली पर कोर्ट से पैसला करने का आग्रह किया था। वैद्रीय संविधान पीठ ने माना कि राज्यों को खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार है और खान व खनिज (विकास व विनियमन) अधिनियम, 1957 राज्यों की ऐसी शक्ति को सीमित नहीं करता। सीजेआई के अलावा जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस अभय एस. ओका, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस उज्जल भुइयां, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने बहुमत का पैसला दिया वहीं, जस्टिस बीवी नागरत्ना ने अपने पैसले में कहा कि रॉयल्टी कर या वसूली की प्रवृत्ति वाली होती है और केन्द्र के पास इसे लगाने का अधिकार है। केन्द्र और राज्यों के बीच करों के बंटवारे को लेकर कई बार विवाद हो चुका है।

हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है, छात्र सरकार से न्याय की गुहार लगा रहे हैं

सुनहरे कल को निगल गई भ्रष्ट व्यवस्था

डॉ. आशीष वशिष्ठ

> जो युवा आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने संजोकर अपना घर बाहर, सुख सुविधा छोड़कर दिल्ली परीक्षा की तैयारी के लिए गये थे, वो मुनाफाखोर कोचिंग संचालक की धूर्तता, सरकारी अमले की अकर्मण्यता और लापरवाही के चलते अपनी अमूल्य जिंदगी गंवा बैठे। सोचिये उनके परिवारों पर क्या बीत रही होगी। इस व्यवस्था के व्यवस्थापक इतने गैर जिम्मेदार और लज्जाहीन हैं कि उनकी नजर में किसी की जान की कोई कीमत ही नहीं है। ये हालात राष्ट्रीय राजधानी के पॉश इलाकों में संचालित कोचिंग सेंटर के हैं, दूसरे शहरों और कस्बों की बात ही क्या की जाए।

दिल्ली की प्रतिष्ठित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। ओल्ड राजेंद्र नगर की इस दर्दनाक हादसे ने देशवासियों को झकझोर दिया। जो युवा आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने संजोकर अपना घर बाहर, सुख सुविधा छोड़कर दिल्ली परीक्षा की तैयारी के लिए गये थे, वो मुनाफाखोर कोचिंग संचालक की धूर्तता, सरकारी अमले की अकर्मण्यता और लापरवाही के चलते अपनी अमूल्य जिंदगी गंवा बैठे। सोचिये उनके परिवारों पर क्या बीत रही होगी। इस व्यवस्था के व्यवस्थापक इतने गैर जिम्मेदार और लज्जाहीन हैं कि उनकी नजर में किसी की जान की कोई कीमत ही नहीं है। ये हालात राष्ट्रीय राजधानी के पॉश इलाकों में संचालित कोचिंग सेंटर के हैं, दूसरे शहरों और कस्बों की बात ही क्या की जाए। इस साल जलभराव की वजह से दिल्ली की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले 22 जुलाई को यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक छात्र की मौत करंट लगने से हो गई। असल में दो चार दिन के शोर गुल और कार्रवाई की नौटंकी के बाद व्यवस्था फिर से पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है। सौ प्रतिशत दावे के साथ कहा जा सकता है कि, राव कोचिंग सेंटर मामले में भी कार्रवाई और सख्ती की पुरानी स्क्रिप्ट दोहराई जाएगी।

हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है। छात्र सरकार से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। छात्र व्यवस्थागत खामियों को गिना रहे हैं। छात्र नारेबाजी कर रहे हैं 'छात्रों की हत्या बंद करो'... इस मामले में दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। ये हादसा सरकार और कोचिंग संचालकों पर गंभीर सवालों के कटघरे में खड़े करता है। ये कोई पहला ऐसा हादसा नहीं है जब दिल्ली के कोचिंग सेंटरों में छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ हुआ है। 15 जून 2023 को दिल्ली में कोचिंग सेंटरों के हब मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 61 लोग घायल हो गए। जांच में पता चला कि आग बिजली के मीटर में लगी थी, जो देखते-देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। हादसे के वक्त कोचिंग सेंटरों में करीब 200-250 छात्र मौजूद थे। छात्रों ने आग से बचने के लिए खिड़कियां तोड़ीं, रस्सियों के सहारे नीचे उतरे और सीढ़ियों का सहारा लिया। कुछ छात्रों ने बचने के लिए तीसरी मंजिल से छलांग तक लगा दी।

इसके अलावा 25 जनवरी 2020 को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में कोचिंग सेंटर की दो छतें गिर गईं। इस हादसे में चार छात्रों समेत 5 लोगों की मौत हो गई वहीं 13 लोग घायल हो गए। दिल्ली हो या फिर कोई दूसरा शहर कमोबेश सरकारी अमले की कार्यप्रणाली एक समान ही होती है। हादसे के बाद प्रशासनिक अमला गहरी नींद से ऐसे जागता है मानो उन्हें इस बात का इल्म ही न हो कि उनके क्षेत्र या शहर में क्या अनियमितता हो रही हैं। जब कोई दुर्घटना घटती तब पता चलता है कि व्यवस्था में कितनी खामियां और छेद हैं। और इन खामियों और छेदों से छनकर आने वाला लाभ नीचे से ऊपर तक बंटता है। पूर्व की घटनाओं पर गौर किया जाए तो अधिकतर मामलों में दोषी साफ तौर पर बच जाते हैं, या मामूली सजा पाते हैं। हादसा की जिम्मेदारी तो संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की भी होती है, लेकिन ऐसे मामलों में वो अपना पल्ला झाड़कर किनारे खड़े हो जाते हैं।

बीती 14 अप्रैल 2024 को राजस्थान की कोचिंग नगरी कोटा के एक हॉस्टल में आग लगने से 8 स्टूडेंट्स झुलस गए। घटना के वक्त हॉस्टल में 60 से ज्यादा छात्र मौजूद थें आग लगने के बाद हॉस्टल में भगदड़ मच गई इस बीच एक छात्र ने अपनी जान बचाने के लिए चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। जांच में हॉस्टल मालिक की बड़ी लापरवाही सामने आई। हॉस्टल मालिक ने अंदर ही बिजली का एक बड़ा ट्रांसफार्मर लगवाया हुआ था जिसमें शॉर्ट सर्किट होने से यह हादसा हुआ।

लखनऊ के पॉश इलाके हजरतगंज में नवल किशोर रोड पर तीन मंजिला स्कॉलर्स फोरम टॉवर है। इसके पहले तल पर स्कॉलर्स फोरम कोचिंग चलता है। यहां छात्र-छात्राएं आईआईटी और नीट की तैयारी के लिए पढ़ाई करते हैं. दूसरी और तीसरी मंजिल पर हॉस्टल हैं। दूसरी मंजिल के हॉस्टल में 14 कमरों में कुल 28 छात्राएं रह रहीं हैं। 2 जून 2024 की शाम को छात्राएं अपने कमरे में थी। शाम करीब छह बजे तीसरी मंजिल के कमरा नंबर दो की एसी में शॉर्ट सर्किट से धमाका हो गया। इसके बाद तीन मंजिला हॉस्टल में आग लग गई। सभी कमरों में धुआं फैल गया। करीब 28 छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। एक कमरे का शीशा तोड़कर हॉस्टल कर्मियों ने छात्राओं को बाहर निकाला. जानकारी मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

24 मई 2024 को गुजरात के सूरत के तक्षशिला कॉम्प्लेक्स में चल रही एक कोचिंग में भीषण आग लगने से 23 छात्रों की मौत हो गई। आग बिल्डिंग में आने जाने के लिए बनाई गई सीढ़ियों के पास रखे ट्रांसफॉर्मर में लगी थी। जैसे ही आग लगी अंदर मौजूद छात्र उतरने के लिये नीचे पहुंचे। लेकिन आग की वजह से वह लौटकर चौथी मंजिल पर चले गए, जहां एक फाइबर का शेड था और अंदर जिम के लिए रखी गई रबर की चटाई और टायर के कारण आग ज्यादा फैली, जिससे बच्चे आग की चपेट में आ गई। घटना से हिली सरकार ने पूरे राज्य में वाणिज्यिक भवनों में चलने वाले कोचिंग सेंटरों को बंद करने का आदेश दिया।

31 मई 2024 हरियाणा के पंचकूला के सेक्टर 16 के एससीओ नंबर 195 की प्रथम मंजिल पर बिजली के मीटर बोर्ड में दोपहर लगभग 12 बजे अचानक आग लग गई। आग के कारण काफी धुंआ हो गया और इससे दूसरी मंजिल पर बने हारट्रोन इंस्टीट्यूट में धुआं फैल गया। जिस समय हादसा हुआ, तो हारट्रोन इंस्टीट्यूट में लगभग 25 से 30 विद्यार्थी कंप्यूटर की ट्रेनिंग करने के लिए आए थे। धुंआ फैलने के कारण विद्यार्थियों को सांस लेने में भी समस्या होने लगी। इसके बाद स्थानीय दुकानदार ने दमकल विभाग को सूचित किया, जिसके बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने लोगों की मदद से दूसरी मंजिल पर पहुंचने के लिए लकड़ी की सीढ़ी लगाई और ऊपर जाकर फंसे हुए विद्यार्थियों को बाहर निकालने के लिए प्रयास शुरू किए।

दृष्टि कोण

ठोस कचरे के समाधान को मिले प्राथमिकता

भारत की अर्थव्यवस्था जिस तेजी से बढ़ रही है, शहरीकरण भी उसी तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय गांव भी विकसित कस्बों का रूप ले रहे हैं। लोगों के उपभोग का पैटर्न भी बदलता जा रहा है, जिसका नतीजा यह है कि ठोस अपशिष्ट भी अधिक मात्रा में उत्पन्न हो रहा है। अगर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की ओर समय पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह समस्या गंभीर रूप धारण कर लेगी। इसलिए सभी हितधारकों को आने वाली पीढियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ प्राकृतिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आगे आना होगा। भारत में विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या है और यह वैश्विक नगरपालिका अपशिष्ट का 12 प्रतिशत हिस्सा उत्पन्न कर शीर्ष 10 देशों में है। प्रतिदिन 621000 टन कचरा पैदा करके अमरीका सबसे आगे है। शीर्ष 10 कचरा पैदा करने वाले देशों में चार विकासशील देश हैं- ब्राजील, चीन, भारत और मैक्सिको। इसका मुख्य कारण शहरी आबादी का बढ़ता आकार है। शहरवासी उच्च उपभोग वाली जीवन शैली अपना रहे हैं। कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में जर्मनी, दक्षिण कोरिया और स्वीडन ने मिसाल कायम की है। दि एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत प्रति वर्ष 62 मिलियन टन कचरा उत्पन्न करता है। इसमें 43 मिलियन टन (70 प्रतिशत) एकत्रित किया जाता है जिसमें से 12 मिलियन टन का ही सही ढंग से निपटान होता है और 31 मिलियन टन को लैंडफिल साइट पर डाल दिया जाता है। उपभोग के बदलते पैटर्न, जनसंख्या का बढ़ता आकार और तेजी से बढ़ते आर्थिक विकास के साथ अनुमान है कि 2030 तक शहरी ठोस अपशिष्ट की मात्रा बढक़र 165 मिलियन टन प्रति वर्ष हो जाएगी। अगर इस ओर समय पर ध्यान नहीं दिया गया तो भारत को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। भारत को पश्चिमी देशों से सीख लेकर 'वेस्ट से कमाई' की तरफ जाना चाहिए। इस क्षेत्र में रोजगार की भी काफी संभावनाएं हैं। भारत और जर्मनी के बीच जल और अपशिष्ट प्रबंधन पर द्विपक्षीय समझौता 2019 में हुआ। दोनों पक्षों ने समुद्री कूड़े, अपशिष्ट से ऊर्जा (भष्मीकरण), जैव मिथेन, कचरा ढलाव, जल गुणवत्ता प्रबंधन, स्थानीय निकायों को प्रशिक्षण आदि को हाथ बढ़ाया है, जो निश्चित तौर पर कचरा प्रबंधन में बहुत सहायक होगा और यह आवश्यक भी है। अब समय आ गया है कि भारत को इस समझौते का भरपूर फायदा उठाना चाहिए क्योंकि जर्मनी कचरा प्रबंधन में विश्व में पहले पायदान पर है। इससे रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे, संसाधन संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा, पर्यावरण भी शुद्ध होगा तथा अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी तथा खाद, बायोगैस तथा बिजली उत्पादन में सहायता मिलेगी। भारत को स्वीडन की रीसाइकलिंग प्रणाली का भी अध्ययन करना चाहिए जो इतनी कुशल है कि उस देश में कचरा लगभग समाप्त हो गया है। वह अपनी आधी बिजली नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करता है। स्वीडन के लोग प्रकृति के बीच रहना चाहते हैं और जानते हैं कि प्रकृति और पर्यावरण के मुद्दों पर क्या करना चाहिए। इन लोगों को जागरूक करने के लिए लंबा समय लगा, कि चीजों को बाहर न फेंकें ताकि उन्हें रीसाइकिल और पुनः उपयोग किया जा सके। कॉलोनियों में स्वचालित वैक्यूम सिस्टम हैं जो संग्रह/परिवहन की आवश्यकता समाप्त करते हैं। स्वीडन में भूमिगत कंटेनर सिस्टम का भी उपयोग किया जाता है। ये सडक़ों पर कई जगह उपलब्ध होते हैं और दुर्गंध से बचा जा सकता है। यहां जो मिशन है, लोगों को कचरे के रीसाइकलिंग के लिए भेजने से रोकना है। भारत में इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है, जबकि सूरत और नवी मुंबई ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया है। परंतु भारत के अन्य शहरों जैसे हैदराबाद, बंगलूरू आदि में स्थिति संतोषजनक नहीं है। हालांकि भारत में ठोस अपशिष्ट से निपटने के लिए नियम लागू हैं जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 तथा जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 भी शामिल है, जिसके अंतर्गत देश भर में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं से निकले जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन होता है। इन नियमों के होते हुए भी ठोस अपशिष्ट का निपटान सही नहीं हो रहा है। इन नियमों के सख्त कार्यान्वयन की आवश्यकता है। दिल्ली सरकार ने एनजीटी को आंकड़े दिए थे, जिनके अनुसार ओखला लैंडफिल साइट पर 2019 तक 60 लाख टन पुराना कचरा डंप किया गया था, जो अब और बढ़ा है। यह चिंतनीय है।

कुछ अलग

कहीं तो सरकारी ताले भी

इसे सही परिप्रेक्ष्य में लें तो शिक्षा में सुधार का प्रथम एक्शन प्लान कुछ ऐसी ही चाहिए। आखिर घटती छात्र संख्या और अप्रासंगिक हो रहे स्कूलों के लिए सरकारी बजट नहीं, सरकारी ताले जरूरी हैं। इसी संदर्भ में सरकारी स्कूलों की संख्या अगर एक झटके में 433 कम हो रही है, तो सुक्खू सरकार के पक्ष में आत्मनिर्भर हिमाचल के तर्क खड़े हो जाते हैं। सरकारी बजट की हिफाजत के लिए यह अति आवश्यक है कि कुछ ताले खरीदे जाएं। फिलहाल शिक्षा विभाग ने 433 खरीद लिए और अगर हर विभाग तालों की जद में आ रहे दफ्तरों या संस्थानों को बंद करे, तो आर्थिक हानि के कई रास्ते और वित्तीय घाटे के कई जमूरे पकड़े जाएंगे। हर विधायक, हर जनप्रतिनिधि और हर सरकारी वेतनभोगी को अगर लक्ष्य दिया जाए कि इसी तरह की कटौतियां करे, तो सरकारी कार्य संस्कृति का स्वरूप और ढर्रा बदल सकता है। आश्चर्य यह कि पिछले दो दशकों में सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या तीन लाख, जबकि पहली कक्षा में ही 1.31 लाख बच्चों से घटकर 49 हजार हो गई। विडंबना यह कि इसी समयावधि में सरकारी स्कूलों की संख्या में बढ़ोतरी कम से कम तीस फीसदी हो गई। यानी कि न कोई वाजिब तर्क था और न ही दलील। अगर ढंग से हर गांव में एक बड़ा खेल मैदान और कुछ गांवों के क्लस्टर में स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र व पुस्तकालय खोल दिए होते तो बजट सार्थक होता। पहली बार कोई सरकार इस स्थिति में पहुंची या व्यवस्था परिवर्तन की मानसिकता ने तय किया कि बजट की परतों के नीचे छुपी उद्देश्यहीनता, अक्षमता और फिजूलखर्ची को रोका जाए, तो इसके लिए सुक्खू सरकार का साथ देना होगा, लेकिन वित्तीय फलक पर चरित्र सुधारने की गुंजाइश तो हर विभाग, बोर्ड-निगम और योजना-परियोजना के दायरे में है। अगर ढंग से सरकारी संपत्तियों का ऑडिट ही करा लिया जाए, तो मालूम हो जाएगा कि कितनी बेरहमी से सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है। कितनी पर्यटन इकाइयां, एचआरटीसी के बस डिपो, डेयरी यूनिट, फल अभिषीतन केंद्र, नर्सरियां व बिक्री केंद्र किस हद तक सीधा घाटा उठा रहे हैं। कायदे से मंदिर आय को ही सहेज लें, तो आर्थिक विकास का आत्मनिर्भर रास्ता मिल जाएगा, लेकिन इससे पूर्व एक केंद्रीय मंदिर ट्रस्ट या धार्मिक स्थल विकास प्राधिकरण के तहत नए सिरे से प्रबंधन करना होगा। इसी तरह तमाम मेलों, सांस्कृतिक समारोहों, औद्योगिक प्रदर्शनियों तथा बुक, फूड एवं ट्रेड फेयरों के आयोजनों के लिए मेला विकास प्राधिकरण का गठन करना चाहिए। प्रदेश में एक बहुत ही संपन्न उपभोक्ता बाजार पैदा हो चुका है, लेकिन सार्वजनिक सेवाओं जैसे बिजली-पेयजल आपूर्ति से सरकार नुकसान क्यों उठा रही, इस पर गौर होना चाहिए। हिमाचल में ऐसे बहुत सारे क्षेत्र हैं, जहां निजी क्षेत्र निवेश करना चाहता है या स्वरोजगार पैदा हो सकता है। अगर प्रदेश में सौ के करीब छोटे-बड़े बस अड्डों पर निजी निवेश प्रोत्साहित किया जाए तो ये आर्थिक केंद्र के रूप में प्रदेश की छवि को सुनिश्चित करेंगे। इसी तरह दो हजार गांव के बस स्टॉप को सडक़ों से थोड़ा हटकर मिनी बाजार के रूप में संचालित किया जाए, तो स्वरोजगार बढ़ेगा। अगर सख्ती से जांचा-परखा जाए तो फिजूलखर्ची या अलाभकारी व्यय के लिए कई विभाग और अधिकारी रंगे हाथों पकड़े जाएंगे। ऐसा नहीं कि मौसम ही सब कुछ निगल रहा है, लेकिन इसके नीचे भारी-भरकम नुकसान को बहा दिया जाता है। जनजातीय क्षेत्रों के बजट को लेकर अपव्यय सामने है और इसी तरह कृषि-बागबानी तथा वनों से संबंधित योजनाओं और परियोजनाओं के दुरुपयोग पर भी रोक लगे, तो धन की सही वसूली हो पाएगी, वरना आज अगर कहीं कोई कूहल बन रही है, तो कल उसके निशान ढूंढना मुश्किल हो जाएंगे।

देश दुनिया से

सत्ता के लिए समर्थन जुटाता बजट

> केंद्रीय बजट 2024 में ऐसा ही कुछ चुनावी राज्यों के साथ हुआ है। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके, बजट में उन्हें तो कुछ भी हाथ लगने का सवाल ही पैदा नहीं होता, लेकिन जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, केंद्र सरकार ने उनको भी अंगूठा दिखा दिया। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि इस बजट में देश के सभी वर्गों और क्षेत्रो में संतुलन स्थापित किया गया है। इससे देश का सामूहिक और समान विकास होगा। इस बजट का ज्यादातर हिस्सा बिहार और आंध्रप्रदेश में चला गया। इससे बिगड़े संतुलन ने बाकी राज्यों का हिसाब बिगाड़ दिया। यह बजट गठबंधन की मजबूरी का बन कर रह गया, जिसमें बड़ा हिस्सा सिर्फ दो राज्यों तक सीमित होकर रह गया। गौरतलब है कि केंद्र की मौजूदा सरकार आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलगूदेशम और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड की बैसाखियों पर टिकी है।

मतदाताओं से सौदेबाजी करने में देश के सारे राजनीतिक दल एक जैसे हैं। सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दल न सिर्फ हार का बल्कि जीत का हिसाब-किताब चुकता करने से नहीं चूकते। केंद्रीय बजट 2024 में ऐसा ही कुछ चुनावी राज्यों के साथ हुआ है। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके, बजट में उन्हें तो कुछ भी हाथ लगने का सवाल ही पैदा नहीं होता, लेकिन जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, केंद्र सरकार ने उनको भी अंगूठा दिखा दिया। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि इस बजट में देश के सभी वर्गों और क्षेत्रो में संतुलन स्थापित किया गया है। इससे देश का सामूहिक और समान विकास होगा। इस बजट का ज्यादातर हिस्सा बिहार और आंध्रप्रदेश में चला गया। इससे बिगड़े संतुलन ने बाकी राज्यों का हिसाब बिगाड़ दिया। यह बजट गठबंधन की मजबूरी का बन कर रह गया, जिसमें बड़ा हिस्सा सिर्फ दो राज्यों तक सीमित होकर रह गया। गौरतलब है कि केंद्र की मौजूदा सरकार आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलगूदेशम और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड की बैसाखियों पर टिकी है। दोनों मुख्यमंत्रियों ने विशेष राज्यों का दर्जा देने की मांग पर दबाव डाला। केंद्र ने इसकी पूर्ति बजट में अलग योजनाओं के लिए प्रावधान करके कर दी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने संसद में बजट तो पेश कर दिया, लेकिन अनुमान के मुताबिक बिहार और आंध्र प्रदेश ने केंद्र सरकार का बजट गड़बड़ा दिया। बजट के बड़े हिस्से पर इन दोनों राज्यों का कब्जा हो गया है। बिहार को कुल 58 हजार करोड़ तो आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ का विशेष पैकेज का ऐलान करना पड़ा। बजट पर गठबंधन सरकार का असर साफ दिखा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु बाजी मार ले गए। एनडीए सरकार ने फिलहाल दोनों राज्यों को स्पेशल स्टेटस तो नहीं दिया, लेकिन उसके बदले सरकार को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। इसके एवज में उन राज्यों को नजरअंदाज करना पड़ा है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जोकि बीजेपी या एनडीए के लिए काफी अहम हैं। केंद्रीय बजट में चुनाव वाले राज्य हरियाणा, महाराष्ट्र या झारखंड ही नहीं, बल्कि कई और अहम क्षेत्रों के लिए घोषणा नहीं हो सकी। बिहार-आंध्र के लिए विशेष पैकेज का असर यहां भी दिखा। विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। उम्मीद थी कि बजट में नई ट्रेनों का ऐलान होता, लेकिन नहीं हुआ। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी राज्यों को बजट से बहुत उम्मीदें थीं। इन राज्यों के लिए बजट मिलना तो दूर, कोई उम्मीद भी नहीं जगी। लोकसभा चुनावों में अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के वोट छिटकने की चिंता भी नजर नहीं आई। अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए कोई खास योजना नजर नहीं आई। उम्मीद की जा रही थी कि उपचुनावों और 3 राज्यों में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में सरकार चुनावी राज्यों के लिए अपना खजाना खोल देगी। बजट में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने का ऐलान किया गया है। जनजातीय समुदाय के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए शुरू किए जा रहे इस अभियान के तहत जनजातीय परिवारों को सरकारी योजनाओं के संपूर्ण कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। इसमें जनजाति बाहुल्य 63 हजार गांवों को शामिल किया जाना है और पांच करोड़ जनजातीय लोग लाभान्वित होंगे। जनजाति बाहुल्य झारखंड की कुल आबादी में करीब 27 फीसदी भागीदारी जनजातियों की है। ऐसे में इस योजना का लाभ भी झारखंड को मिलने की उम्मीद की जा सकती है। पर ये योजनाएं पार्टी की ब्रैंडिंग नहीं कर पाती हैं। जनता यह मानकर चलती है कि ये सरकारी योजनाएं हैं, यह तो मिलना ही था। अगर इनकी जगह पर कोई लोन, कोई छात्रवृत्ति, कोई सहायता जैसी योजना शुरू की गई होती तो उसकी बात अलग होती। इसी तरह चुनावी राज्यों में कोई बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा हो सकती थी। हरियाणा और महाराष्ट्र में किसानों के वोट बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय जनता पार्टी की जरूरत थी कि किसानों के लिए बजट में कुछ ऐसी घोषणाएं की जाएं जिससे उन्हें अपनी जीवनशैली में बदलाव होने की कुछ उम्मीद जग सके। सरकार ने कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों के लिए एक लाख 52 हजार करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। वित्त मंत्री ने उत्पादन बढ़ाने और जलवायु के अनुकूल किस्मों के विकास पर जोर देने के लिए कृषि अनुसंधान व्यवस्था की व्यापक समीक्षा का ऐलान करते हुए यह भी कहा है कि 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली और जलवायु अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी।

आप का नजरिया

बढ़ती विषमता का विष कौन निगले

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने केंद्रीय बजट की अपनी समीक्षा में भारत की बढ़ती आर्थिक विषमता का जिक्र किया है। उनका कहना है कि आर्थिक नीतियों को इसे कम करने के तरीके खोजने चाहिए। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष और नीति आयोग के संस्थापक उपाध्यक्ष अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया ने भी कुछ सप्ताह पहले कहा था कि अब गैरबराबरी को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की बढ़ती आर्थिक विषमता पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब से लेकर यूएनडीपी की रिपोर्टों में भी भारत को उन देशों में रखा गया है, जहां अमीर और गरीब के बीच का फासला सबसे ज्यादा है। यह ठीक है कि पिछले दो दशकों में भारत में अति-दरिद्रता कुछ कम हुई है। मनरेगा या सीधे अनाज बांटने की योजनाओं ने भुखमरी वाली गरीबी को कम किया है, मगर अमीर और गरीब का फासला लगातार बढ़ता गया है। पिछली सदी की समाजवादी शब्दावली में कहा जाता था, अमीर अधिक अमीर होता जा रहा है और गरीब अधिक गरीब। अब गरीब अधिक गरीब भले न हो रहा हो, लेकिन अमीर जिस तेजी से ज्यादा अमीर होता जा रहा है, उससे फासला बहुत बढ़ गया है। बजट के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि इस बजट में विषमता को कम करने का कोई उपाय नहीं दिखता। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत में इस समय विषमता जहां पहुंच गई है, उतनी तो ब्रिटिश काल में भी नहीं थी। शशि थरूर जब यह कह रहे थे, तो दरअसल वह दुनिया के कई अर्थशात्रियों द्वारा तैयार किए गए एक शोध-पत्र का हवाला दे रहे थे, जो अभी कुछ ही महीने पहले जारी हुआ है। इस शोध-पत्र के अनुसार, इसके पहले भारतीय इतिहास में सबसे ज्यादा गैर-बराबरी 1930 में थी, जब देश की एक फीसदी आबादी के पास पहुंचने वाली आमदनी देश की कुल आमदनी का 20 फीसदी थी। बाद के दौर में इसमें गिरावट आ गई। मगर लगभग सौ साल बाद हम वहां पहुंच गए हैं, जहां देश के एक फीसदी अमीरों के पास पहुंचने वाली आमदनी 20 फीसदी की पिछली बुलंदी को भी पार कर गई है। बात जब ब्रिटिश दौर की हो रही है, तो प्रसंगवश ब्रिटेन की ओर भी झांक लेते हैं। आर्थिक गैर-बराबरी वहां भी हाल के वर्षों में काफी तेजी से बढ़ी है। पिछले दिनों आम चुनाव में जिस तरह वहां के लोगों ने लेबर पार्टी को भारी बहुमत दिया, उसका एक कारण यह भी बताया जाता है कि लोग आर्थिक दबावों की वजह से आजिज आ गए थे। और अब जब लेबर पार्टी जीत गई है, तो उसके सांसद ही दबाव डाल रहे हैं कि सबसे पहले गैर-बराबरी दूर करो। पार्टी का पूरा अमला इसी में सिर खपा रहा है कि इस अफसाने को कैसे अंजाम तक पहुंचाया जाए। वैसे, भारत में भी आम चुनाव के दौरान कांग्रेस ने इस मुद्दे के संकेत अपने घोषणापत्र में दिए थे। मगर चुनावी माहौल में इस पर कोई विमर्श होने के बजाय मंगलसूत्र और भैंस खोल ले जाने जैसी चर्चाएं ही खबरों में छाई रहीं। भारत और ब्रिटेन ही क्यों, यह तो तकरीबन सारी दुनिया में हो रहा है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब की कोई भी सालाना रिपोर्ट उठा लीजिए, आपको तकरीबन हर जगह विषमता बढ़ती दिखाई देगी।

यूक्रेन और रूस के साथ भारत संपर्क और बढ़ाएगा,क्योंकि संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा : जयशंकर

तोक्यो, 30 जुलाई (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले माह यूक्रेन यात्रा की संभावना से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत आगामी भविष्य में यूक्रेन और रूस के साथ संपर्क और अधिक बढ़ाएगा क्योंकि दोनों पक्षों से बातचीत करने वाले देशों का इस तरह का संपर्क उनके बीच संघर्ष को सुलझाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जयशंकर ने कहा कि भारत का मानना है कि संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा।

विदेश मंत्री ने जापान के राष्ट्रीय प्रेस क्लब में एक चर्चा सत्र के दौरान कहा, हम मानते हैं कि हमें रूस और यूक्रेन में अधिक सक्रिय होना चाहिए। जयशंकर जापान के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। अगले महीने मोदी की संभावित कीव यात्रा की खबरों पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा, मैं उम्मीद कर सकता हूं कि हमारे और यूक्रेन के बीच तथा हमारे और रूस के बीच भी और अधिक संपर्क होंगे। विदेश मंत्री ने कोई विशिष्ट उत्तर देने से इनकार करते हुए कहा, हम, किसी भी सरकार की तरह, सही समय पर सही माध्यमों से अपनी स्थिति स्पष्ट करते हैं।

जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन-रूस संघर्ष को समाप्त करने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, आज हमारी भावना यह है कि और अधिक कार्य किए जाने की आवश्यकता है और हमें संघर्ष की मौजूदा स्थिति जारी रहने को स्वीकार नहीं कर लेना चाहिए तथा यह नहीं कहना चाहिए कि 'इसे अपने हिसाब से चलने दें और हमें विश्व के अन्य भागों में होने वाली घटनाओं का इंतजार करना चाहिए ताकि किसी प्रकार का समाधान निकाला जा सके। जयशंकर ने कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह उन देशों के लिए महत्वपूर्ण है जो रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में हैं, क्योंकि बहुत से देश वास्तव में दोनों पक्षों से बात नहीं कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत का मानना है कि यह महत्वपूर्ण है कि हर कोई वह सब कुछ करे जो वह कर सकता है, ताकि कुछ सुधार हो और चीजें युद्ध के मैदान से निकलकर बातचीत की मेज पर आये।

न्यूज ब्रीफ

कैलिफोर्निया में भूकंप से कांपी धरती, लॉस एंजिल्स तक रहा असर

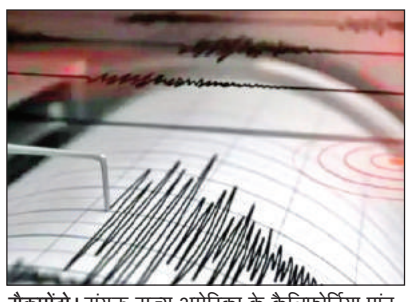

सैक्रामेंटो। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में एक शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का असर लॉस एंजिल्स तक दिखा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.9 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र बैरस्टो के पास बताया गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब एक बजे भूकंप के झटके आने शुरू हुए। इसका केंद्र जमीन से पांच मील नीचे था। भूकंप का असर सैन बर्नार्डिगो काउंटी के अलावा लॉस एंजिल्स, केर्न, रिवरसाइड और ऑरेंज काउंटी में दिखा। इन स्थानों में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 और 2.7 मापी गई।

ब्रिटेन में चाकू से भीड़ पर हमले में बच्चों समेत 8 लोग गंभीर रूप से घायल, हमलावर गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन के साउथपोर्ट शहर में बच्चों के क्लब में हुई चाकूबाजी की घटना में छह से सात लड़कियों सहित कम से कम आठ लोग घायल हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने साउथपोर्ट के हार्ट स्ट्रीट पर हुए हमले के संदिग्ध को चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। उत्तर पश्चिमी एंबुलेंस सेवा ने कहा कि उसके कर्मचारियों ने आठ घायलों का इलाज किया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। एक महिला के मुताबिक उसने मदद के लिए एक मां की चीख सुनी, उसकी बेटी को चाकू मारा गया था। मां ने कहा कि उसकी बेटी बमुश्किल होश में थी। हार्ट स्ट्रीट पर एक दुकान के मालिक ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उसने सात से दस बच्चों को खून से लथपथ देखा। उन सभी की उम्र लगभग दस वर्ष थी। उसने बताया कि पुलिस ने एक व्यक्ति को उस इमारत से बाहर निकाला, जहां हमला हुआ था। उसने यह भी कहा कि उसे बताया गया कि हमलावर एक टैक्सी में आया था और उसके पास एक चाकू था। मौके पर पहुंचे एक स्थानीय पत्रकार का कहना है कि यह घटना होप ऑफ हार्ट चिल्ड्रन क्लब में हुई। घायलों को एल्डर हे चिल्ड्रन हॉस्पिटल ले जाया गया। कुछ घायलों को ऐंट्री यूनिवर्सिटी अस्पताल और साउथपोर्ट तथा फॉर्मबी अस्पताल भी ले जाया गया। मर्सीसाइड पुलिस ने एक बयान में कहा कि घटना के सिलसिले में 17 वर्षीय एक लड़के को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। घटना आतंकवाद से संबंधित नहीं है और हम इस घटना के संबंध में किसी और की तलाश नहीं कर रहे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना को भयावह और बेहद चौंकाने वाली खबर बताया।

निकोलस मादुरो की जीत से भड़की जनता, सड़कों पर बजाए बर्तन

वेनेजुएला। वेनेजुएला के विभिन्न शहरों और कस्बों में प्रदर्शनकारी एक साथ सड़कों पर उतरे और इस चुनाव का जमकर विरोध किया। दोपहर के समय सड़कों पर और वेनेजुएला में नेशनल इलेक्टोरल अथॉरिटी ऑफिस के बाहर भीड़ देखी गई। वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव के रिजल्ट 28 जुलाई को घोषित किए गए। निकोलस मादुरो ने तीसरी बार जीत हासिल की। मादुरो ने अपने विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज को हराकर 51 फीसदी वोट हासिल किए। हालांकि, विपक्ष की शानदार जीत की पूरी उम्मीद थी। मादुरो और नेशनल इलेक्टोरल अथॉरिटी के इस जीत के दावे के बाद से देश में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। मादुरो की जीत से नाखुश जनता ने सड़कों पर चक्काजाम किया। लोग नारे लगा रहे है यह कहते हुए हम इससे तंग आ चुके हैं, हम आजादी चाहते हैं, हम अपने बच्चों के लिए आजादी चाहते हैं। माराके शहर में मार्च देखने को मिला जहां लोगों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में बर्तन बजाए। कारावास के एल वैले इलाके में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। बता दें कि इस चुनाव का विरोध प्रदर्शन इसलिए किया जा रहा है क्योंकि लोग मादुरो से परेशान हो गए है। देश के आर्थिक संकट को लेकर जनता में असंतोष है। मादुरो लगभग 11 साल से देश की सत्ता पर राज कर रहे है, जिसे हटाने के लिए विपक्षी एकजुट हो गया है। मादुरो 2025 से 2031 तक के लिए राष्ट्रपति बने रहेंगे। इस चुनाव को लेकर दावे किए गए है कि मादुरो ने अधिकांश वैध मतों से जीत हासिल की है। लेकिन, अमेरिका और अन्य जगहों की सरकारों ने इस रिजल्ट पर संदेह जताया है और मतों की पूरी गणना करने की मांग की।

पाकिस्तान में जमीन के टुकड़े के लिए शिया-सुन्नी के बीच संघर्ष

मिसाइल और रॉकेट चले, 49 लोगों की मौत, 200 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान इस समय दंगे की आग में जल रहा है. दो आदिवासी समुदाय एक छोटे से जमीन के टुकड़े के लिए लड़ रहे हैं. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में हुई झड़प में अब तक 49 लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं, 200 से ज्यादा लोग घायल हैं, कई हालत इतनी गंभीर है कि मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है. इस दंगे में छोटी रेंज की मिसाइलें, मोर्टार, रॉकेट और ऑटोमेटिक गन तक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि पांच दिन पहले जमीन के विवाद को लेकर 2 जनजातियों के बीच झड़प हुई थी. दंगा पीवर, टांगी, बालिशखेल, खार कलाय, मकबल, कुंज अलीजई, पारा चमकनी और करमन समेत कई इलाकों तक फैल गया. स्थानीय निवासियों का कहना है कि दोनों गुट एक-दूसरे के खिलाफ मोर्टार शेल और रॉकेट लॉन्चर समेत कई भारी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे. कुर्रम जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. मीर हसन जान ने बीबीसी को बताया कि 24 जुलाई को झड़प शुरू होने के बाद से अकेले उनके अस्पताल में 32 शव और 200 से अधिक घायल लाए गए हैं, जिनमें से 32 लोगों का अभी भी इलाज चल रहा है।

पाकिस्तान में क्यों भड़की है यह हिंसा?

पाकिस्तान में इस दंगे के पीछे का कारण एक जमीन का टुकड़ा बताया जा रहा है. पिछले साल जुलाई में भी इसी जमीन के टुकड़े को लेकर विवाद हुआ था. इससे कुर्रम में सांप्रदायिक संघर्ष भड़क गया था, जिसमें आधा दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए थे. अब पाकिस्तान के स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में जमीन के टुकड़े के लिए 2 कबाइली समूहों के संघर्ष शुरू हुआ है. हिंसा में 49 लोग मारे गए और 200 से ज्यादा लोग घायल हैं. वहीं, जिले के कई अन्य जगहों पर गोलीबारी रुक-रुक कर जारी है।

सालों पुराना है विवाद

शांति समिति के सदस्य मलिक महमूद अली जान के मुताबिक, 30 एकड़ जमीन का यह सालों पुराना विवाद गुलाब मिल्ली खेल और मिदगी कुल्ले कबाइलियों के बीच है. गुलाब मिल्ली खेल का संबंध शिया समुदाय से है, जबकि मिदगी कुल्ले सुन्नियों से संबंधित है. उनके मुताबिक, इस विवाद को लेकर कई बार सशस्त्र झड़पें हो चुकी हैं, जिरगा भी हो चुके हैं, लेकिन ये मसला अभी तक सुलझ नहीं सका है।

फिलहाल स्कूल कॉलेज सब बंद किए

लगातार गोलीबारी को देखते हुए फिलहाल सभी शैक्षणिक संस्थान और बाजार बंद कर दिए गए हैं, जबकि दिन के दौरान मुख्य सड़कों पर यातायात भी बंद है. प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

राष्ट्रपति पद के लिए बाइडन से भी खराब उम्मीदवार हैं कमला हैरिस ट्रंप का भारतवंशी नेता पर वार

वॉशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उप राष्ट्रपति और चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस राष्ट्रपति जो बाइडन से भी खराब उम्मीदवार हैं। वहीं बाइडन की तुलना में कहीं अधिक कट्टर वामपंथी हैं। हैरिस के उम्मीदवार बनने के बाद पहली बार ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कई सवाल उठाए।

ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता था कि वह मुझसे थोड़ी छोटी हैं। मगर वह तो 60 साल की है। छोटी उम्र में वह बड़े खेल की बात कर रही हैं। मगर उनका खेल पहले से ही बहुत खराब है। वह सीमा पार से आई हैं, लेकिन यह दिखाने की कोशिश करती हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। वह पुलिस को बदनाम करना चाहती थी। वह सीमाओं को खोलने और किसी को भी देश में आकर बसने और नागरिकता देना चाहते हैं। यह बहुत बुरी हालत है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में कभी ऐसी स्थिति नहीं थी। हमारे देश में 20 मिलियन लोग बाहरी देशों से आए हैं। अब यह आंकड़ा बढ़ गया है। इससे देश तीसरे विश्व युद्ध में फंस सकता है।

ट्रंप ने एक बार फिर डेमोक्रेटिक पार्टी पर बाइडन के खिलाफ तख्तापटल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अमेरिका के राष्ट्रपति का तख्तापलट किया। वे बाइडन के पास गए और कहा आप जा रहे हैं। आप सर्वे में काफी नीचे हैं। यह बिल्कुल ऐसा हुआ कि जिसके साथ आप लड़ाई में हैं और जीतने की ओर हैं। अचानक उसको बदलकर किसी और को लड़ाई मे भेज दिया जाता है। पार्टी ने बाइडन को हटा दिया। उनको पिछली बार बेशक 14 मिलियन वोट मिले, लेकिन फिर भी उन्हें बाहर कर दिया गया। अब वह कुछ कहना चाहता है। वह खाली बैठा है और उसके पास कोई काम नहीं है, कोई बात करने वाला नहीं है। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति का ऐसे तख्ता पलट हुआ है। ट्रंप ने कहा कि वह हैरिस के साथ जरूर डिबेट करेंगे, क्योंकि अगर वह ऐसा नहीं करेंगे तो यह गंभीर मुद्दा बन जाएगा।

इसके बाद हैरिस फॉर प्रेसिडेंट अभियान ने ट्रंप से हैरिस से बहस करने के लिए कहा। हैरिस के लिए राष्ट्रपति के प्रवक्ता अम्मार मौसा ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप उपराष्ट्रपति हैरिस से बहस पर सीधा जवाब क्यों नहीं देंगे? वह डरे हुए हैं। उनको बहस में महिलाओं पर हुए हमलों, अमेरिका में चुनाव करने के बयान पर जवाब देना होगा। उपराष्ट्रपति 10 सितंबर को बहस के लिए तैयार हैं। क्या ट्रंप आ सकते हैं?

क्वाड का अगला शिखर सम्मेलन भारत में, मंत्रियों ने किया स्वागत

न्यूयॉर्क, 30 जुलाई (एजेंसियां) ।

इस साल के आखिर में क्वाड लीडर्स का शिखर सम्मेलन का आयोजन भारत में होने जा रहा है, इस आयोजन के लिए क्वाड विदेश मंत्रियों ने इसका स्वागत किया है। इस सम्मलेन में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भारत आ सकते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा ने टोक्यो में बैठक के बाद एक संयुक्त बयान में भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन के आयोजन का स्वागत किया। इस साल के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की बारी भारत की है। यह पहले जनवरी में आयोजित होने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ क्योंकि बाइडेन इसमें शामिल नहीं हो पाते। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता सलाहकार जॉन किर्बी ने पिछले सप्ताह पुष्टि की थी कि बाइडेन भारत में आगामी शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस साल क्वाड लीडर शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन अभी इसके लिए कैलेंडर में कुछ भी तय नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी

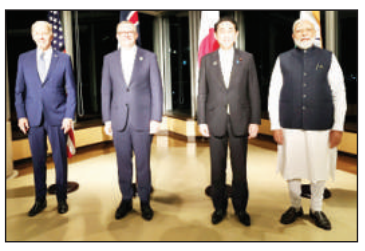

अल्बानी और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की भागीदारी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। 2023 में पिछले शिखर सम्मेलन का समय और स्थान भी बाइडेन के कारण बाधित हुआ था। रोटेशन के अनुसार इसे ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जाना था, लेकिन बाइडेन ने घरेलू मजबूरियों का हवाला देते हुए इसे रद्द कर दिया। बाद में इसे हिरोशिमा में स्थानांतरित कर दिया गया। बाइडेन ने इस महीने घोषणा की कि वह राष्ट्रपति के रूप में एक और कार्यकाल की रेस से हट रहे हैं। वो पिछले साल सितंबर में भारत आये थे जब जी 20 शिखर सम्मलेन हुआ था जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी ने की थी।

डेमोक्रेट्स का बड़ा दांव, ग्रीन कार्ड धारकों के लिए मुहिम, 3 हफ्ते में अमेरिकी नागरिकता की पहल

वॉशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए महज चार माह शेष हैं। ऐसे में हाई-वोल्टेज चुनाव प्रचार के बीच, देश के ग्रीन कार्ड धारकों को नागरिकता दिलाने और 5 नवंबर को मतदान के लिए पंजीकरण कराने के मकसद से मनाने के प्रयास जोरों पर हैं। बाइडन प्रशासन ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। साथ ही इस संकट से जूझ रहे भारतीय अमेरिकियों को शामिल करने तथा वोट करने के लिए प्रेरित किया है।

व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर 20 दोस्तों को शामिल करने की अपील- एशियन अमेरिका पेरिफिक आइलैंडर्स विक्ट्री फंड के अध्यक्ष व संस्थापक शेखर नरम्हिन ने कहा, यदि आपके पास ग्रीन कार्ड है और आप यहां पांच वर्ष से हैं तो अपनी नागरिकता प्राप्त करें। अभी समय है, वोट करने के लिए पंजीकरण करें। कई राज्यों में आपको पहले से पंजीकरण करना होता है और इसकी समय सीमा होती है। अंत में एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर 20 दोस्तों को शामिल करें। हर दिन एक-दूसरे को याद दिलाएं, क्योंकि यह महत्वपूर्ण है। और वोट करने के लिए निकलें।

क्या है ग्रीन कार्ड, किन देशों के लोगों को मिलता है फायदा- बता दें, अमेरिका में ग्रीन कार्ड आधिकारिक तौर पर स्थायी कार्ड है, जो एक पहचान दस्तावेज के रूप में किसी व्यक्ति के अमेरिका में स्थायी निवास का प्रमाण पत्र है। ग्रीन कार्ड धारकों में बड़ी संख्या में एशियाई-अमेरिकी और भारतीय-अमेरिकी हैं। यह भी दिलचस्प है कि बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का एलान करते हुए भारतवंशी डेमोक्रेट कमला हैरिस का समर्थन किया है। ऐसे में बाइडन प्रशासन के इस फैसले से बड़ी संख्या में भारतीय लोगों पर भी असर होने के आसार है।

जिन्होंने अब तक नागरिकता नहीं ली है वे तय करें कि नागरिकता के लिए तुरंत आवेदन करें। वे तीन सप्ताह में इसे हासिल कर सकते हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की उम्मीदवारी ने भारतवंशियों, एशियाई-अमेरिकियों व अन्य समुदायों में अभूतपूर्व स्तर की ऊर्जा व उत्साह पैदा किया है।

बिल पेश किया- बता दें कि दिसंबर, 2023 में अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने एक बिल पेश किया था। इसमें प्रस्ताव किया गया था कि ग्रीन कार्ड जारी करने में हो रही देरी और लंबित आवेदनों (बैकलॉग) पर तेजी से फैसले लिए जाएं। इस बिल के कानून बनने पर हजारों भारतीयों को फायदा मिलेगा और उन्हें अमेरिका का ग्रीन कार्ड मिलने का रास्ता साफ होगा।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति और प्रमिला जयपाल के साथ ही रिक मैक्कॉर्मिक ने भी समर्थन दिया है। इससे लगभग छह महीने पहले जुलाई 2023 में ग्रीन कार्ड से जुड़ी एक और अहम खबर सामने आई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने उस सिफारिश को स्वीकार कर लिया था, जिसमें 1992 के बाद से परिवार और रोजगार श्रेणियों के लिए सभी अप्रयुक्त ग्रीन कार्ड को फिर से चलन में लाने की बात कही गई थी।

आरक्षण विरोधी हिंसक विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के लिए सरकार का बड़ा कदम

बांग्लादेश में राष्ट्रव्यापी शोक, आरक्षण विरोधी वारदातों में 150 लोगों की हुई थी मौत

ढाका, 30 जुलाई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की सरकार ने पहली बार स्वीकार किया कि आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के दौरान देशभर में 150 लोगों की मौत हुई है। हाल में बांग्लादेश में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए सरकार को सेना बुलानी पड़ी थी।

इस महीने की शुरुआत में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जल्द ही प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया। इन हिंसक प्रदर्शनों में पुलिसकर्मियों सहित काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं और अहम सरकारी प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया गया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हसीना की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन ने मीडिया को बताया, 'सरकार ने फैसला किया है कि कल देशव्यापी शोक रखा जाएगा, लोगों से (हिंसा के दौरान हुई) मौतों पर शोक व्यक्त करने के लिए काले बैज पहनने का आग्रह किया गया है।' उन्होंने कहा कि देश भर की मस्जिदों, मंदिरों, पैगोडा (बौद्ध उपासना स्थल) और गिरजाघरों से अनुरोध किया गया है कि वे दिवंगत लोगों और घायलों के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन करें।

शीर्ष नौकरशाह ने कहा कि गृह मंत्री असद-उज-ज़मां खान कमाल ने बैठक में समग्र स्थिति के बारे में एक रिपोर्ट पेश की और देश भर में झड़पों में 150 लोगों की मौत होने की पुष्टि की। यह ऐलान उस दिन किया गया है जब सेना और

अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां राजधानी ढाका की सड़कों पर गश्त कर रही हैं, और दंगा रोधी उपकरणों से लैस पुलिस भी तैनात है। प्रदर्शनकारी छात्रों के एक गुट ने रविवार रात को विरोध प्रदर्शन के नए दौर का आह्वान किया है।

समूह ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है जबकि उसके छह समन्वयकों ने प्रदर्शन वापस लेने की घोषणा की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह निर्णय पुलिस हिरासत में दबाव में लिया गया है।

प्रदर्शन से पीछे हटने वाले छह छात्र नेताओं ने रविवार रात मीडिया के सामने कहा कि आरक्षण व्यवस्था पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद सरकार ने उनकी मांगों को मान लिया है।

अदालत के आदेश के अनुरूप सरकार ने एक गजट अधिसूचना जारी की जिसमें कहा गया कि 93 प्रतिशत नौकरियां योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध होंगी।

'प्रोथोम एलो' अखबार ने 210 मौतें होने की खबर दी है जिनमें से 113 बच्चे शामिल हैं। जान गंवाने वाले अन्य लोगों में ज़्यादातर किशोर और युवा हैं। अखबार ने कहा कि अशांति की शुरुआत से लेकर अब तक देश भर में कम से कम नौ हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

16 साल की बेटी जिया ने रचा इतिहास, इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे युवा और सबसे तेज पैरा तैराक

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' से पीड़ित मुंबई की 16 वर्षीय जिया राय इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज पैरा तैराक बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 28-29 जुलाई को हासिल की। जिया ने 28 से 29 जुलाई के बीच 17 घंटे और 25 मिनट के समय में इंग्लैंड के एबट्स क्लिफ से फ्रांस के प्वाइंट डे ला कोर्टे-ड्यून तक इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया। उन्होंने 34 किलोमीटर की दूरी तय की।

वह मुंबई में सेवारत नौसेना के मदन राय की बेटी हैं। पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) ने युवा पैरा तैराक को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। पश्चिमी नौसेना कमान ने 'एक्स' पर लिखा, 'डब्ल्यूएनसी के सभी कर्मचारी जिया राय को इंग्लिश चैनल को सफलतापूर्वक अकेले तैरकर पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज महिला पैरा तैराक बनने पर हार्दिक बधाई देते हैं।'

जिया ने हासिल की बड़ी उपलब्धि- जिया ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें पहले पाक खाड़ी में तैरना शामिल है। अपनी सभी अक्षमताओं के बावजूद, जिया सात महासागरों को तैरने वाली दुनिया की पहली और सबसे कम उम्र की पैरा तैराक बनने के मिशन पर हैं। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर एक न्यूरोलॉजिकल और विकासात्मक स्थिति है जिसका प्रभाव इस बात पर पड़ता है कि लोग दूसरों के साथ कैसे बातचीत करते हैं, संवाद करते हैं, सीखते हैं और व्यवहार करते हैं।

जिया की कई और उपलब्धियां- जिया ने इतनी कम उम्र में बहुत कुछ हासिल किया है, जैसे दिसंबर 2022 में, उसने 1,100 किलोमीटर तैराकी की। यह मुंबई से गोवा तक छह सदस्यीय रिले टीम के हिस्से के रूप में किया गया था और 11 दिन, 22 घंटे और 13 मिनट में वसई किले तक वापस लाया गया था। वह टीम की सबसे कम उम्र की और एकमात्र महिला प्रतिभागी थीं। पश्चिमी नौसेना कमान के अनुसार, जिया ने श्रीलंका में स्थित तलाईमन्नार से लेकर भारत में स्थित धनुषकोडी तक पाक जलडमरूमध्य को तैरकर पार किया है। वह 13 घंटे 10 मिनट के भीतर 29 किलोमीटर की दूरी तय करने में सफल रहीं और 20 मार्च, 2022 को विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसलिए, वह पाक जलडमरूमध्य को तैरकर पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज महिला एथलीट बन गईं। जिया राष्ट्रीय और राज्य ओपन वाटर सी-स्विमिंग चैंपियनशिप में भी पदक जीत चुकी हैं।

न्यूज ब्रीफ

बोपन्ना ने ओलंपिक में मिली हार के साथ ही खेल की दुनिया से लिया संन्यास

पेरिस। भारत के सबसे अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने ओलंपिक पुरुष युगल के पहले दौर में हार के

बाद खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। 43 साल के बोपन्ना और उनके जोड़ीदार श्रीराम बालाजी की जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। बोपन्ना ने कहा कि मैंने देश के लिए अपने करियर का अंतिम मैच खेल लिया है हालांकि मैं जीत के साथ अलविदा कहना चाहता था पर वैसा नहीं हो पाया। बोपन्ना और बालाजी को एडवर्ड रोजर वासेलिन और गेल मोनफिल्स की फ्रांसीसी जोड़ी ने 5-7, 2-6 से हराया था। इससे भारत के ओलंपिक पदक जीतने की उम्मीदें फिर टूट गयी। भारत की ओर से अंतिम बार पेस ने अटलांटा ओलंपिक के पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता था। उसके बाद से ही भारत अब तक कोई पदक नहीं जीत पाया है। बोपन्ना साल 2016 में सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल में पदक के करीब पहुंचे थे पर यहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।बोपन्ना ने कहा कि वह 2026 एशियाई खेलों में शामिल नहीं होंगे और कहा कि ओलंपिक के साथ ही मैंने रिटायरमेंट ले लिया है। ये मेरा आखिरी टूर्नामेंट था। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि मैं किस स्थिति में हूं। मैं अब जब खेल सकूंगा तब टेनिस का आनंद उठाउंगा। उन्होंने पहले ही डेविस कप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। साथ ही कहा कि मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं दो दशकों तक भारत की ओर से खेलूंगा। मैंने 2002 में करियर की शुरुआत की थी और 22 साल बाद भी भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला ये मेरे लिए गर्व की बात है।

2036 ओलंपिक भारत में ही होंगे : नीता अंबानी

मुम्बई। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष व अंतर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति (आईओसी) में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि नीता अंबानी ने कहा है कि भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। नीता ने ओलंपिक में भारत के पहले कंट्री हाउस (इंडिया हाउस) का उद्घाटन भी किया था। उन्होंने कहा कि 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी भारत ही करेगा। नीता ने कहा कि ऐसा वहीं नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीय भी चाहते हैं। नीता के नेतृत्व में ही पेरिस ओलंपिक इतिहास में पहली बार भारत का कंट्री हाउस बना है। इंडिया हाउस, पेरिस ओलम्पिक में पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों, समर्थकों व दर्शकों के लिए एक घर की तरह है। नीता का लक्ष्य भारत सहित दुनिया भर में ओलंपिक अभियान को आगे बढ़ाना है। आईओसी के सदस्य के तौर पर नीता युवा पीढ़ी और खेल जगत से जुड़े लोगों को प्रोत्साहित करते नजर आ रही हैं। नीता का खेल जगत में प्रोत्साहन, वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। नीता , भारती संस्कृति और छवि को पूरी दुनिया में आगे बढ़ाना चाहता है। उनकी ये पहल भारत को खेल जगत में एक नई दिशा में ले जा रही है। कॉर्पोरेट जगत से जुड़ी नामी हस्तियों के खेल जगत से जुड़ने से युवा खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है।

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या बेटे के जन्मदिन पर हो गए भावुक

पालिकेली। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अभी श्रीलंका में टी20 सीरीज खेल रहे हैं। पिछले दिनों उनका पत्नी नताशा स्टेनकोविक के साथ तलाक हो गया था। इसके बाद नताशा बेटे अगस्त्या को लेकर वापस सर्बिया चली गयी थी। इससे हार्दिक निराश हैं। उनकी ये निराशा बेटे के जन्मदिन पर उमड़ आई। 30 जुलाई मंगलवार को बेटे अगस्त्या के जन्मदिन पर उन्होंने एक खास पोस्ट भी साझा की है। इस अवसर पर बेटे से दूर रहे रहे हार्दिक भावुक हो गये। उन्होंने अगस्त्या के साथ एक वीडियो साझा करते हुए उसे इस खास दिन पर बधाई दी। हार्दिक ने बेटे के जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिये अपने संदेश में लिखा, तुम मुझे हर एक दिन आगे बढ़ने की हिम्मत देते हो, मेरे हर एक अच्छे और बुरे चीज के साथी तुमको जन्मदिन की बहुत सारी बधाई। मेरा दिल, मेरे अगस्त्या, मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं ये शब्दों में बताना मुश्किल है। हार्दिक ने सर्बिया की मॉडल नताशा से कोरोना महामारी के दौरान शादी की थी पर चार साल बाद ही उनका ये रिश्ता टूट गया।

सूर्यकुमार ने सुपर ओवर में चौका लगाकर भारत को दिलाई जीत, 3-0 से क्लीन स्वीप किया

पल्लेकल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आखिरी पांच ओवरों में सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर की घातक गेंदबाजी के बाद सुपर ओवर में भारतीय कप्तान ने चौका लगाकर मंगलवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही भारत ने तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला 3-0 से जीत ली हैं।138 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की पतुम निसंका और कुसल मेंडिस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 58 रन जोड़े। नौवें ओवर में रवि बिश्नोई ने निसंका (26) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कुसल परेरा ने कुसल मेंडिस के दूसरे विकेट लिये 52 जोड़े और टीम को लगभग जीत के लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। 16वें ओवर में रिंकू सिंह ने कुसल परेरा को अपनी गेंद पर कैच आउट कर मैच का रूख बदल दिया। परेरा ने 34 गेंदों में 46 रनों की पारी खेली। कुसल मेंडिस ने 41 गेंदों में 43 रन बनाये। अगले ही ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने दो विकेट लेकर श्रीलंका की कमर तोड़ दी। 19वें ओवर में रिंकू सिंह ने रमेश मेंडिस (3) को आउट कर दिया। 20वां ओवर करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो विकेट झटकते हुए मैच को टाई तक पहुंचा दिया। श्रीलंका ने आखिरी पांच ओवर में 20 रन बनाकर अपने छह विकेट गवां दिये। इसके बाद हुए सुपर ओवर में भारत ने पहले गेंदबाजी करने हुए श्रीलंको को चार गेंदों में एक रन बनाने दिया और उसके दो विकेट चटकाये। फिर बल्लेबाजी करने आये सूर्यकुमार ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिला दी। भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह और सूर्यकुमार यादव ने दो-दो विकेट लिए।इससे पहले आज यहां श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। शुभमन गिल (39), रियान पराग (26) और वॉशिंगटन सुंदर (25) रनों की पारियों के दम पर भारत ने श्रीलंका को जीत के लिए 138 रनों का लक्ष्य दिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में यशस्वी जयसवाल (10) का विकेट गवां दिया। अगले ओवर में संजू सैमसन (शून्य) चौथे ओवर में रिंकू सिंह (एक) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। हालांकि इस दौरान शुभमन गिल एक छोर थामे रहे। बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गिल के साथ पारी संभालने का प्रयास किया, छठें ओवर में असिथा फर्नांडो ने सूर्यकुमार यादव (8) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। शिवम दुबे (13) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद गिल और रियान पराग के बीच छठें विकेट लिये 54 रनों की साझेदारी हुई। छठे विकेट के रूप में शुभमन गिल 37 गेंदों में (38) रन बनाकर आउट हुये। वहीं रियान पराग ने 18 गेंदों में दो छक्के और एक चौका लगाते हुये 26 रनों की पारी खेली। वॉशिंगटन सुंदर 18 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुये। रवि विश्नोई (8) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 137 रनों का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षणा को तीन विकेट मिले। वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिये। चामिंदु विक्रमासिंघे, असिथा फर्नांडो और रमेश मेंडिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

साइकिल से पेरिस ओलंपिक पहुंचा भारतीय प्रशंसक,नीरज चोपड़ा को इतिहास रचते देखना चाहता है

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। एक भारतीय प्रशंसक पेरिस ओलंपिक मे भाग ले रहे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने और शांति का संदेश देने के लिए भारत से पेरिस पहुंचा है। ये प्रशंसक साइकिल से 30 देशों का सफर तय करने के साथ ही 22,000 किलोमीटर की यात्रा कर यहां तक पहुंचा है। ये प्रशंसक भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से भी मिलेगा। ये प्रशंसक केरल के कालीकट से साइकिल से यहां पहुंचा है। इसमें इसे दो साल का समय लगा है। इस व्यक्ति का ना फैयस असरफ अली है। उसने 15 अगस्त 2022 को यात्रा शुरू की थी और 30 देशों का सफर तय किया। अली ने शांति और एकता फैलाने के लिए भारत से लंदन तक साइकिल चलाने से शुरुआत की थी। 17 देशों में साइकिल चलाने के बाद जब वह बुडापेस्ट में पहुंचा तो टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता उसे मिले।

इंडिया हाउस में अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद अली ने कहा, मुझे भारतीय एथलीटों से बात करने के लिए कुछ मिनट मिले और नीरज ने मुझसे कहा कि आप लंदन जा रहे हैं, तो ओलंपिक के लिए पेरिस क्यों नहीं आते। मुझे लगा कि पेरिस में उनसे फिर से मिलना एक बेहतरीन अवसर होगा, इसलिए मैंने अपनी योजना में थोड़ा बदलाव किया और आवश्यक वीजा प्राप्त किया और यहां अपनी यात्रा समाप्त करने से पहले साइकिल से यूके चला गया। उन्होंने कहा, मैं उनसे फिर से मिलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैंने आईओए प्रमुख पीटी उषा से अनुरोध किया है। मैं उन्हें फिर से स्वर्ण इतिहास बनाते देखने के लिए यहां आया हूं। हम उनका 8 अगस्त होने वाले मुकाबले में उत्साहि बढ़ाएंगे।

ये व्यक्ति चार जोड़ी कपड़े, एक टेंट, एक स्लीपिंग बैग और एक चटाई लेकर चलता है जिससे साइकिल का कुल वजन 50 किलो हो जाता है। इस व्यक्ति ने कहा, मैं कभी भी होटल में नहीं रुकता और रास्ते में कुछ प्रायोजक मिल जाते हैं और बस इतना ही। बीच में दो बार मैं वीजा की व्यवस्था करने के लिए केरल गया।

उन्होंने कहा, सीमा पार करने के लिए आपको बस वीजा की जरूरत होती है, साइकिल चालक को किसी अन्य दस्तावेज की जरूरत नहीं होती। साथ ही कहा कि लोगों के का प्यार और हर जगह मिलने वालास्वागत मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मैं यहां हूं और बहुत उत्साहित हूं। इस व्यक्ति का इंग्लैंड में स्वागत क्रिकेटर क्रिस गेल, हरभजन सिंह और सुरेश रैना ने किया था।

ओलंपिक हॉकी: भारत ने आयरलैंड को 2-0 से हराया

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को पूल बी के मुकाबले में आयरलैंड को 2-0 से हराया। इसी के साथ भारतीय टीम पूल बी में हुए तीनों मैचों में सात अंक के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

आज यहां यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का मुजाहिरा करते हुए आयरलैंड पर दबाब बनाये रखा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहले हॉफ के 11वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद हरमनप्रीत सिंह ने दूसरे हॉफ में 19 मिनट में एक ओर गोल दागकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इन दोनों गोलों के साथ पेरिस ओलंपिक 2024 में हरमनप्रीत गोल की संख्या चार हो गयी है। तीसरे हॉफ में दोनों ही टीमों ने आक्रमक खेल का प्रदर्शन किया। इस दौरान आयरलैंड की टीम को तीन पेनल्टी कार्नर मिले, लेकिन भारतीय पक्ष के शानदार बचाव के कारण आयरलैंड के खिलाड़ी गोल करने में विफल रहे। चौथे हॉफ में आयरलैंड को पेनल्टी कार्नर मिले, लेकिन वह भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने में पूरी तरह से विफल रही और आयरलैंड को हार का मुंह देखना पड़ा। आयरलैंड पूल बी में सबसे निचले स्थान पर है।

ओलंपिक में खिलाड़ियों के शामिल होने पर मध्य रेलवे को गर्व

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

मध्य रेल के दो खिलाड़ी दिनांक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय ओलंपिक दल का हिस्सा हैं। इसके लिए मध्य रेल को गर्व है। स्वप्निल खुसाले और अंकिता ध्यानी, जो मध्य रेलवे खेल संघ के सदस्य हैं और क्रमशः पुणे मंडल और मुंबई मंडल में वाणिज्यिक सह टिकट क्लर्क के रूप में कार्यरत हैं, पेरिस-2024 ओलंपिक के लिए भारतीय ओलंपिक टीम का हिस्सा हैं। स्वप्निल खुसाले, महाराष्ट्र के एक खेल निशानेबाज हैं और मध्य रेल के कर्मचारी हैं। उन्होंने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई। इससे पहले 2022 में, उन्होंने 22 अक्टूबर को मिस्र के काहिरा में विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान के साथ पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजिशन स्पर्धा में ओलंपिक कोटा बर्थ जीता था। उन्होंने 2023 में चीन में एशियाई खेलों, 2022 में बाकू में विश्व कप और 2021 में नई दिल्ली में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने 2015 से 2023 तक विभिन्न निशानेबाजी चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीते हैं। वह पेरिस 2024 ओलंपिक में निशानेबाजी स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंकिता ध्यानी उत्तराखंड की एक भारतीय एथलीट हैं और मध्य रेल की कर्मचारी हैं। वह मध्यम दूरी और लंबी दूरी की धावक हैं। उन्होंने पेरिस में 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है और महिलाओं की 5000 मीटर स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इससे पहले 2022 में, उन्हें चीन के हांगझोऊ में 2022 एशियाई खेलों में 5000 मीटर स्पर्धा के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में नामित किया गया था। उन्होंने 26वें राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स, 17वें, 18वें और 19वें फेडरेशन कप जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 33वें, 34वें, 35वें और 36वें राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने 2022 में राष्ट्रीय फेडरेशन कप में रजत पदक और 2021 और 2023 में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय वरिष्ठ एथलीट चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता है। वह पेरिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 5000 मीटर स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए मध्य रेल के महाप्रबंधक राम करन यादव ने कहा, यह मध्य रेल और भारतीय रेलवे के लिए गर्व की बात है कि उनके खिलाड़ी प्रतिष्ठित ओलंपिक टीम का हिस्सा हैं और अपने-अपने खेल आयोजनों में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए मानसिक और शारीरिक फिटनेस, पूर्ण ध्यान और जीवन में अनुशासन की बहुत कठोर व्यवस्था की आवश्यकता होती है।

खेल की भावना में उत्कृष्टता प्राप्त करने और सर्वश्रेष्ठ हासिल करने की प्रबल इच्छा होती है। मध्य रेल अपने खिलाड़ियों को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने में बहुत सक्रिय रहा है। खिलाड़ी अपनी सफलता और उपलब्धियों का श्रेय मध्य रेल खेल संघ (सीआरएसए) को देते हैं। यह एक ऐसा निकाय है जो नवोदित खिलाड़ियों को उनके सपनों को हासिल करने और रेलवे और देश के लिए सम्मान लाने के लिए भर्ती, प्रचार, प्रशिक्षण और प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। सीआरएसए की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतने की क्षमता रखने वाली युवा प्रतिभाओं को तैयार करने और खोजने के लिए मध्य रेल स्कूलों में पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है।

कमेंटेटर बॉब बैलार्ड ने ऑस्ट्रेलिया की महिला तैराकी टीम का किया अपमान

ओलंपिक प्रसारकों ने किया बर्खास्त, बाद में मांगी माफी

पेरिस, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक के दौरान अनुभवी खेल कमेंटेटर बॉब बैलार्ड को ऑस्ट्रेलियाई महिला तैराकों के बारे में लैंगिक भेदभाव वाली टिप्पणी करने की सजा मिली है। ओलंपिक में प्रसारकों ने उन्हें कमेंटेटर की भूमिका से हटा दिया है। यह घटना ओलंपिक में 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम स्पर्धा के बाद हुई। इसमें ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। इस टीम में मोली ओकैलाघन, एम्मा मैक्कॉन, मेग हैरिस और शायना जैक शामिल थीं।

जब टीम पूल डेक से निकल रही थी, तभी बैलार्ड ने लैंगिक भेदभाव वाली टिप्पणी की। उन्होंने टिप्पणी के साथ कहा कि आप जानते हैं कि महिलाएं कैसी हैं ... चारों ओर घूमना, उनका मेकअप करना। टिप्पणी जल्दी ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसके कारण ब्रॉडकास्टर्स यूरोस्पोर्ट ने बैलार्ड को कमेंट्री टीम से हटाने की घोषणा की। उनके साथ कमेंट्री कर रहे ब्रिटिश तैराकी चैंपियन लिजी सिमंड्स ने तुरंत टिप्पणी को अपमानजनक के रूप में लेबल किया, जिस पर बैलार्ड हसंने लगे।

यूरोस्पोर्ट ने एक बयान जारी कर कहा कि बैलार्ड ने अनुचित टिप्पणी की और उन्हें तत्काल प्रभाव से कमेंट्री रोस्टर से हटा दिया गया। उन्होंने कहा, यूरोस्पोर्ट के कवरेज के एक

सेगमेंट के दौरान कमेंटेटर बॉब बैलार्ड ने अनुचित टिप्पणी की। इसके लिए उन्हें तुरंत प्रभाव से हमारे कमेंट्री रोस्टर से हटा दिया गया है।

रिपोर्टर और बैलार्ड ने अब सार्वजनिक रूप से विवाद के बारे में बातचीत की है। उन्होंने माफी भी मांगी है। बैलार्ड ने लिखा, यूरोस्पोर्ट के लिए कमेंट्री करते वक्त मेरी एक बात से काफी लोगों को ठेस पहुंची है, लेकिन मेरा उद्देश्य कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं और महिला एथलीटों का सम्मान करता हूं।

मैं यूरोस्पोर्ट टीम को मिस करने वाला हूं, लेकिन पूरे ओलंपिक टूर्नामेंट के लिए मैं उन्हें शुभकामनाएं देना चाहता हूं। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने लगातार चौथे ओलंपिक में इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। टीम ने जीत के बाद जश्न मनाया और हाथ हिलाकर दर्शकों का अभिवादन भी स्वीकार किया।

बॉब बैलार्ड 1980 के दशक से वैश्विक खेल प्रसारण में एक प्रभावी व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने कई ओलंपिक खेलों और विश्व चैंपियनशिप को कवर किया है। उन्होंने वाटर पोलो, आइस हॉकी और व्हीलचेयर टेनिस जैसे विभिन्न खेलों पर कमेंट्री करके अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। हालांकि, बैलार्ड तैराकी और डाइविंग जैसी स्पर्धाओं में अपनी शानदार कमेंट्री और कवरेज के लिए सबसे ज्यादा प्रसिद्ध हैं। अपनी आवाज की बदौलत वह दुनिया भर के दर्शकों के लिए एक परिचित चेहरा भी बन गए।

विस्तारा एयर लाइंस वीआरएस योजना लाई, उड़ान सेवा से अलग स्थायी कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली,30 जुलाई (एजेंसियां)। विस्तारा एयर लाइंस ने एयर इंडिया के साथ विलय से पहले उड़ान सेवा के इतर अन्य कार्यों से जुड़े हुए कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के साथ-साथ स्वैच्छिक पृथक्करण योजनाओं (वीएसएस) की पेशकश की है।

विस्तारा एयर लाइंस के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि विस्तारा ने उड़ान सेवा के इतर नॉन-फ्लाइंग स्थायी कर्मचारियों के लिए वीआरएस और वीएसएस की पेशकश की है। विस्तारा एयर लाइंस के पात्र कर्मचारी 23 अगस्त तक इन योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं।

6,500 कर्मचारी कार्यरत

विस्तारा एयर लाइंस, टाटा और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इसमें स्थायी तथा अनुबंध सहित करीब 6,500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान सेवा के इतर अन्य कार्यों से जुड़े स्थायी कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना और स्वैच्छिक पृथक्करण योजना की पेशकश की गई है। वीआरएस उन लोगों के लिए है जिन्होंने एयरलाइन में पांच साल की सेवा पूरी कर ली है, जबकि वीएसएस उन कर्मचारियों के लिए है जिन्होंने एयरलाइन में अभी पांच साल की सेवा पूरी नहीं की है। ये योजनाएं टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया द्वारा इस महीने की शुरुआत में पेश की गई योजनाओं के समान हैं। ये योजनाएं पायलट, चालक दल के सदस्यों और अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए लाइसेंस रखने वालों पर लागू नहीं होंगी। विस्तारा की ओर से इन योजनाओं पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई। एयरलाइन ने 2015 में उड़ान भरना शुरू किया था।

सूत्रों ने इस महीने की शुरुआत में बताया था कि एअर इंडिया ने उड़ान सेवा के अलावा अन्य कार्यों से जुड़े कम से कम पांच साल तक की सेवा वाले स्थायी कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) पेश की है। पांच साल से कम समय से काम कर रहे कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक पृथक्करण योजना (वीएसएस) लाई गई है।

न्यूज ब्रीफ

सेबी ने जारी की, 980 पंजीकृत कंपनियों की सूची, ठगी से बचेंगे ग्राहक

नई दिल्ली। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल, युटुब इत्यादि पर विज्ञापनों के माध्यम से ठगी की जा रही है। विज्ञापनो में मोटे मुनाफा का लालच देकर ग्राहकों को ठगा जा रहा है। निवेश के लिए कई फर्जी वेबसाइट बनाई गई हैं। ठगी करने के बाद यह वेबसाइट बंद हो जाती हैं। गृह मंत्रालय ने ठगी की इस कार्रवाई को रोकने के लिए एक नया सिस्टम तैयार किया है। जिसमें लोग यह जान सकेंगे, विज्ञापन में जो वेबसाइट बताई गई है। वह सही है या फर्जी है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर सेबी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर स्टॉक मार्केट में निवेश करने वाली सभी 980 रजिस्टर कंपनियों की जानकारी उपलब्ध करा दी है। गृह मंत्रालय ने लोगों को आगाह किया है। वह ठगी से बचने के लिए वेबसाइट पर जाकर रजिस्टर कंपनियों की जानकारी प्राप्त करें।

अमेजन की ग्रेट फ्रीडम फेस्टिवल सेल जल्द होगी शुरू

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स साइट अमेजन जल्द ही अमेजन ग्रेट फेस्टिवल सेल की शुरुआत करने जा रहा है। इस सेल में ग्राहकों को 80 फीसदी तक की भारी छूट मिलेगी। फिलहाल सेल कब शुरू होगी, इसके बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। अमेजन की ऑफिशियल साइट पर दिख रहे बैनर को देखकर कहा जा सकता है कि इस सेल में स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज पर ग्राहकों को लगभग 40 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके अलावा नया इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट खरीदने पर 80 फीसदी तक का बंपर डिस्काउंट मिलेगा। अमेजन ने सेल के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। अमेजन सेल के दौरान अगर आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया क्रेडिट कार्ड या फिर ईएमआई ट्रांजैक्शन के जरिए भुगतान करते हैं तो आपको 10 फीसदी की छूट का फायदा मिलेगा। सेल के दौरान ग्राहकों को सुविधा देने के लिए 24 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई की सुविधा, 10 हजार रुपये तक के डिस्काउंट कूपन और 50 हजार रुपये तक के एक्सचेंज ऑफर्स का लाभ मिलेगा।

नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ प्रतिभूतिकरण सौदा किया पूरा

नई दिल्ली। नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ 3.8 करोड़ अमरीकी डॉलर (लगभग 315 करोड़ रुपये) का व्यक्तिगत ऋण प्रतिभूतिकरण सौदा पूरा कर लिया है। एनबीएफसी कंपनी ने एक बयान में कहा कि पास-थ्रू सर्टिफिकेट (पीटीसी) के रूप में संरचित लेनदेन को असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों के एक समूह द्वारा समर्थित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत तथा सेवा नवी फिनसर्व द्वारा की जाएगी। बयान में कहा गया है कि यह भारत में फिनटेक क्षेत्र में जेपी मॉर्गन का पहला पास-थ्रू सर्टिफिकेट लेनदेन है। साथ ही यह भारत में पहला असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण समर्थित पीटीसी लेनदेन है। नवी फिनसर्व ने कहा कि कंपनी इस धन का उपयोग अपने डिजिटल व्यक्तिगत ऋण कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए करेगा। भारत में डिजिटल ऋण देने में तेजी आ रही है और यह समग्र भारतीय फिनटेक बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आईटीआर फाइलिंग की आखिरी तारीख आगे बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए आईटीआर फाइल करने की तारीख एक महीने बढ़ाकर 31 अगस्त करने की मांग की है। एक ज्ञापन में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स के अधिकारियों ने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्य भारी बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में आ गए हैं। ऐसे में वहां रहने वाले लाखों लोग अपना आयकर रिटर्न नहीं भर पाए हैं। इसके अलावा इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर भी काफी समस्याएं देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से करदाता अपना रिटर्न फाइल नहीं कर सके हैं। ऐसे में आयकर रिटर्न फाइल करने की आ?खिरी तारीख को एक महीने के लिए आगे बढ़ा दिया जाना चाहिए। हालांकि आयकर विभाग की ओर से रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख को आगे बढ़ाने के संदर्भ में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

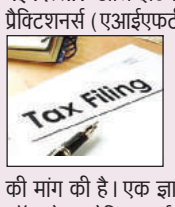

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वायनाड में भूस्खलन...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केरल के वायनाड में भूस्खलन में जन-धन की हानि पर दुख व्यक्त किया और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। श्री मोदी ने इन हादसों में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वायनाड में कई जगह भूस्खलन की सूचना से चिंतित हूं। इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और मैं घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रभावित जगहों पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना को लेकर उनकी राज्य के मुख्यमंत्री विजयन से फोन पर बात हुई है और उन्हें स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

वायनाड के 4 गांव- मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। 5 साल पहले 2019 में भी भारी बारिश की वजह से इन्हीं गांवों में लैंडस्लाइड हुआ था, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई थी। 5 लोगों का आज तक पता नहीं चला। 52 घर तबाह हुए थे। वायनाड का मुंडक्कई गांव लैंडस्लाइड की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां रेस्क्यू टीम अब तक नहीं पहुंच सकी है। एनडीआरएफ की एक टीम पैदल चलते हुए यहां तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मुंडकाई में करीब 250 लोगों के फंसे होने की खबर है। यहां कई घर बह गए है। यहां 65 परिवार रहते थे। यहीं पास के एक टी एस्टेट के 35 कर्मचारी भी लापता हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष समशाद मरईक्कर ने बताया कि मुंडक्कई सड़क मार्ग से पहुंचा नहीं जा सकता है। मोबाइल नेटवर्क भी ठप है। चूरलमाला गांव में भी नुकसान ज्यादा है। यहां रेस्क्यू जारी है। यहां कई घर बह गए हैं। कई लोगों को बचाया गया हैं, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल थे। ये एक होमस्टे में रुके थे। यहां रेस्क्यू टीम एक-एक घरों की जांच कर रही है। वायनाड लैंडस्लाइड के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कंट्रोल रूम बना दिया है। साथ ही इमरजेंसी हेल्थ सर्विस के लिए दो हेल्पलाइन नंबर 8086010833 और 9656938689 जारी किए। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के मुताबिक वैथिरी, कलपट्टा, मेप्पाडी और मनंतवडी अस्पताल अलर्ट पर हैं। कोझिकोड जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा, सभी ग्रेनाइट खदानों को अस्थायी रूप से बंद करने के लिए कहा गया है। वायनाड, केरल के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका है। यानी मिट्टी, पत्थर और उसके ऊपर उगे पेड़-पौधों के ऊंचे-नीचे टीलों वाला इलाका। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, केरल का 43% इलाका लैंडस्लाइड प्रभावित है। वायनाड की 51% जमीन पहाड़ी ढलाने हैं। यानी लैंडस्लाइड की संभावना बहुत ज्यादा बनी रहती है। वायनाड का पठार वेस्टर्न घाट में 700 से 2100 मीटर की ऊंचाई पर है। मानसून की अरब सागर वाली ब्रांच देश के वेस्टर्न घाट से टकराकर ऊपर उठती है, इसलिए इस इलाके में मानसून सीजन में बहुत ज्यादा बारिश होती है। वायनाड में काबिनी नदी है। इसकी सहायक नदी मनंतावडी थोंडारमुडी चोटी से निकलती है। लैंडस्लाइड के कारण इसी नदी में बाढ़ आने से भारी नुकसान हुआ है।

राजनाथ ने बचाव...

उल्लेखनीय है कि आज तड़के भारी बारिश के बीच वायनाड में दो जगहों पर भूस्खलन की घटना हुई जिसमें दो बच्चों सहित कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि मेप्पाडी पंचायत के वेल्लारीमाला गांव के मुंडकाई और चूरलमाला में भूस्खलन में कई घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

भारत का प्रदर्शन विश्व ...

उन्होंने कहा विश्वास जताया कि उनकी सरकार ने 10 वर्ष में जो सुधार किये हैं, वे अर्थव्यवस्था को विकसित भारत की तरफ ले जा रहे हैं और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

प्रधानमंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के प्रयास में सरकार के साथ न केवल कंधा से कंधा मिलकर काम करने बल्कि सरकार के साथ प्रतिस्पर्धा कर सरकार को पीछे छोड़ने का आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा, आज भारत आठ प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि कर रहा है, आज हम विकसित भारत की ओर प्रयाण की बात कर रहे है। वह दिन दूर नहीं, जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जायेगा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2014 में पहली बार सत्ता संभाली थी, तब प्रश्न था कि अर्थव्यवस्था को कैसे पटरी पर लायें। उससे पहले भारत को पांच दुर्बल अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और उस समय के सरकार के बड़े-बड़े घोटालों की चर्चा होती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को महासंकट से उबारकर हम इस ऊंचाई पर लाए हैं। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार का आखिरी बजट 16 लाख करोड़ रुपए का था, आज वह तीन गुना होकर 48 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। इसी तरह, 2004-14 के बीच पूंजीगत बजट सालाना 90 हजार करोड़ रुपए से दो लाख करोड़ रुपए तक पहुंचा था, हमारी सरकार में कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) पांच गुना बढ़कर इस बार के बजट में 11 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमने कर की दरों में रिकॉर्ड कटौती करने के बावजूद, रेलवे, सड़क और अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिये पूंजीगत व्यय बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, बात केवल कर घटाने, पूंजीगत व्यय बढ़ाने की ही नहीं बल्कि सुशासन की भी है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में दुनिया की सबसे बड़ी महामारी का संकट आया। कई देशों में बड़ी लड़ाइयां छिड़ीं और देश में सूखा तूफान तथा भूकंप जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाएं आयीं।

श्री मोदी ने कहा कि यदि यह संकट न होते, तो भारत आज और नयी ऊंचाई पर होता, यह मेरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि सरकार कारोबार में आसानी, जीवन में आसानी और उद्योग 4.0 (डिजिटलीकृत औद्योगिक युग) के लिये तमाम कदम उठाये हैं। आज भारत के युवाओं में यह विश्वास बना है कि वह अपने दम पर कुछ कर सकते हैं।प्रधानमंत्री ने इस वातावरण के लिये सरकार की मुद्रा योजना, स्टार्टअप, योजना और स्टैंडअप योजना जैसी पहलों का जिक्र करते हुये कहा कि मुद्रा ऋण योजना से आठ करोड़ लोगों ने अपने रोजगार खोले हैं। स्टार्टअप की संख्या 1.40 लाख तक पहुंच गयी है, जिसमें लाखों युवा लगे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में रोजगार बढ़ाने के लिये दो लाख करोड़ रुपये के प्रावधान के साथ नयी पहल की गयी है। उससे चार करोड़ युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बनेंगे। श्री मोदी ने कहा, मैं इंडस्ट्री को, भारत के प्राइवेट सेक्टर को भी मविकसित भारतफ बनाने का सशक्त माध्यम मानता हूं। मैं आप जैसे साथियों को, वेल्थ क्रिएटर्स को भारत का प्रमुख ड्राइविंग फोर्स मानता हूं और मैं लाल किले से भी ये कहने में संकोच नहीं करता हूं। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप योजना और उद्योगों को कर्मचारी भविष्यनिधि (ईपीएफ) योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन का उल्लेख करते हुये कहा कि वह उद्यमियों को रोजगार सृजन और वृद्धि का इंजन मानते हैं और अपेक्षा है कि उद्योग जगत सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलेगा। उन्होंने कहा कि भारत हरित ऊर्जा, अंतरिक्ष उद्योग, परमाणु ऊर्जा और ऐसे तमाम नये उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में विश्व की ताकत बनेगा।श्री मोदी ने कहा कि सरकार समुद्र में उत्खनन के लिये जल्द ही पहले अपतटीय खनन ब्लॉक की नीलामी करायेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार विकसित भारत के संकल्प के साथ काम कर रही है, हमारी सरकार का इरादा और दिशा स्पष्ट है, उसमें कोई भटकाव नहीं है। उन्होंने उद्योगों को दी जाने वाले प्रोत्साहनों का उल्लेख करते हुये, 2014 में, एक करोड़ रुपये वाली एमएसएमई को अनुमानित कर देना पड़ता है और अब तीन करोड़ लाभ वाली एमएसएमई को भी लाभ मिल सकता है। वर्ष 2014 में, 50 करोड़ वाली सूक्ष्म, लघु और मझोली (एमएसएमई) को 30 प्रतिशत कर देना पड़ा, आज यह दर 22 प्रतिशत है। वर्ष 2014 में, निवेशक 30 प्रतिशत कॉर्पोरेट कर की दरें रखते थे, आज 400 करोड़ रुपये तक की आय वाली कंपनी के लिए यह दर 25 प्रतिशत है।

मनु और सरबजोत...

मनु भाकर ने अपने पहले सात शॉट्स में कम से कम 10 का स्कोर किया। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ओह ये जिन ने अपनी निरंतरता दिखाते हुए टीम को रेस में बनाए रखा और 8-2 की हार से उबरकर मैच को 14-10 तक ले गए,लेकिन भारतीय निशानेबाज जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन का मुजाहिरा करते हुए देश के लिए दूसरा पदक जीत लिया। इसके साथ ही मनु भाकर एक ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य मेडल जीता था। वहीं, सरबजोत सिंह छठे भारतीय निशानेबाज बन गए हैं, जिन्होंने ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में मेडल अपने नाम किया है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को मनु भाकर और सरबजोत सिंह क्वालीफाइंग राउंड में तीसरे स्थान पर रहे थे और कांस्य पदक के मुकाबले के लिए अपना स्थान पक्का किया था। निशानेबाजी में भारत के छह ओलंपिक पदकों में से दो अब पेरिस 2024 में आए हैं। मनु भाकर शुक्रवार से शुरू होने वाली महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। वह 21 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम से कई व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भाग लेने वाली एकमात्र एथलीट हैं।

प्रधानमंत्री ने ...

भारत अविश्वसनीय रूप से प्रसन्न है। मनु के लिए यह उनका लगातार दूसरा ओलंपिक पदक है, जो उनकी निरंतर उत्कृष्टता और समर्पण को दर्शाता है। चियर्स फॉर भारत। श्री मोदी ने अपनी पोस्ट के साथ मनु भाकर और सरबजोत सिंह की फोटो भी साझा की।

सीएम रेड्डी ने ...

6.40 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने अगस्त 2024 तक दो लाख रुपये तक का कृषि ऋण माफ करने का फैसला किया है। पहली किस्त में 19 जुलाई को एक लाख रुपये तक के ऋण माफ किए गए थे, जिससे 11.34 लाख परिवारों को लाभ हुआ था और फसल ऋण माफी योजना के तहत कुल 6,035 करोड़ रुपये जारी किए गए थे।कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, कृषि मंत्री थुम्मल नागेश्वर राव और अन्य मंत्री शामिल हुए।

उन्होंने 06 मई, 2022 को वारंगल किसान घोषणापत्र में की गई प्रतिबद्धता को दोहराया कि किसानों की खुशी प्राथमिकता है। उन्होंने चार किस्तों में 60 महीनों में 01 लाख रुपये की ऋण माफी को पूरा करने में विफल रहने और किसानों का 25,000 करोड़ रुपये भी माफ नहीं करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की। उन्होंने वित्तीय चुनौतियों के बावजूद ऋण माफ करने की तेलंगाना सरकार की क्षमता के बारे में संदेह जताये जाने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमने किसी भी परिस्थिति में ऋण माफ करने की योजना बनाई है। हमने धन एकत्र किया है और आज 6,190 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त में हम लगभग साढ़े छह लाख किसानों को लाभान्वित कर रहे हैं। यह हमारी ईमानदारी और प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने किसानों के समर्थन में कांग्रेस पार्टी के ऐतिहासिक प्रयासों की प्रशंसा की और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा लाई गई हरित क्रांति, इंदिराम्मा द्वारा कम ब्याज वाले ऋण के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण और पार्टी की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, सिर्फ एक महीने में हमने किसानों का 1.5 लाख रुपये तक का कर्ज माफ कर अपनी ईमानदारी साबित की है। अगस्त तक हम दो लाख रुपये तक का कर्ज माफ कर देंगे और किसानों को कर्ज मुक्त कर देंगे। जुलाई और अगस्त इस उपलब्धि के लिए इतिहास में दर्ज किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने इतने बड़े पैमाने पर किसानों का कर्ज माफ करके एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो स्वतंत्र भारत में किसी भी राज्य द्वारा नहीं बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने 12 दिन के भीतर कर्ज माफी के लिए 12,000 करोड़ रुपये एकत्र करने के लिए वित्त मंत्री और उनके कर्मचारियों की सराहना की।

सेवानिवृत्त ...

उसे 10 प्रतिशत अधिक भुगतान करना शुरू करना चाहिए। इस पर सुश्री भाटी ने कहा कि लागत बढ़ी हुई पेंशन की तुलना में इक्विटी को बेहतर बनाएगी।पीठ ने केंद्र को अंतिम अवसर के रूप में 14 नवंबर तक का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को तय करने से पहले दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

महंगाई पर...

वित्तमंत्री निर्मला सीतारण ने कहा कि है कृषि कल्याण की योजनाओं को उनकी सरकार महत्व दे रही है और इसी का परिणाम हैं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के समय कृषि कल्याण के आवंटन के मुकाबले अब कई गुना बढ़ोतरी हुई है। श्रीमती सीतारमण ने बजट पर लोकसभा में चली रही चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि 2013-14 में कृषि तथा कृषि कल्याण के लिए 21 हजार 934 करोड़ रुपए थे जो अब बढकर 1.23 लाख करोड़ रुपए हो गया है। किसान सम्मान योजना के तहत 11 करोड़ किसानों को 3.24 लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। कांग्रेस तथा इंडिया समूह किसानों को लेकर सिर्फ राजनीति कर रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को फसल की औसत लागत से 50 प्रतिशत ऊपर रखने के स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू नहीं किया था। संप्रग सरकार ने 2007 में इस रिपोर्ट को दरकिनार कर दिया था। उस समय किसानों के लिए व्यापक फसल बीमा योजना का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा किया हमारी सरकार ने इसलिए कांग्रेस किसानों के लिए घड़ियालू आंसू बहाती है और काम कुछ नहीं करती है।वित्तमंत्री ने कहा कि संप्रग सरकार के समय 50 हजार करोड़ रुपए की ऋण माफी योजना घपला-घोटाले से भरी रही और 22 प्रतिशत मामलों में खातों में गडबड़ी पाई गई और करीब एक तिहाई किसानों को ऋण मुक्ति प्रमाण पत्र नहीं मिलने से उन्हें बैंकों से कर्ज मिलना बंद हो गया था। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए पांच नयी योजनाएं शुरु की गई है और मुद्रा ऋण योजना में सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपए की गई है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार राज्य सरकार में रोजगार में कोविड के बाद से वृद्धि हुई है जबकि संप्रग के समय 2012-13 में कोविड काल की तुलना में अधिक दर से रोजगार गिरा था। उन्होंने एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि राजग के 2014 से 2023 के कार्यकाल में 12.5 करोड रोजगार के अवसर सृजित हुए जबकि संप्रग के दस साल के कार्यकाल में यह संख्या मात्र 2.9 करोड़ थी।

यूपीए सरकार...

उन्होंने पूछा कि क्या सरकार केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी जान गंवाने वालों के परिजनों को नौकरी देने पर विचार कर रही है।

इस सवाल के जवाब में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह प्रश्न मुख्य प्रश्न से संबंधित नहीं था, जो किसानों के सामने आने वाले मुद्दों पर था। उन्होंने कहा, सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमने 6 सूत्रीय रणनीति बनाई है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से इनकार कर दिया था, जिसमें किसानों को उनकी लागत पर 50 प्रतिशत लाभ देने का सुझाव दिया गया था। उन्होंने कहा, कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट 2006 में आई थी और उसमें कहा गया था कि फसलों के लिए एमएसपी की गणना में लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़ा जाना चाहिए। उनकी सरकार ने इससे इनकार कर दिया था। मेरे पास दस्तावेज हैं। उनके मंत्री कांतिलाल भूरिया ने कहा था कि 50 प्रतिशत लाभ नहीं दिया जा सकता। उस समय शरद पवार कृषि मंत्री थे, उन्होंने भी कहा था कि यह नहीं दिया जा सकता। कृषि मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार ने कई फसलों के लिए एमएसपी में बढ़ोत्तरी की है। उन्होंने दावा किया, मोदी सरकार ने एमएसपी में 50 प्रतिशत लाभ जोड़ा है।

यूपी में ...

एक और अहम कदम उठाया है। सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक की रोकथाम के लिए उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक-2024 को विधानसभा में मंगलवार को विधानसभा में पास कर दिया गया। नए कानून के तहत योगी सरकार नकल माफिया पर भी नकेल कसेगी। अब परीक्षा में नकल व पेपर लीक कराने वाले गिरोह के सदस्यों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई हो सकेगी। इनमें न्यूनतम दो साल से लेकर आजीवन कारावास तक का सजा का प्रावधान किया गया है। इसमें एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पहले भी पेपर लीक जैसे मामलों पर कड़े कदम उठा चुकी है और अब इस विधेयक का पास होना इस क्रम में एक और बड़ा कदम माना जा रहा है।इसके अलावा निजी विश्वविद्यालय विधेयक भी पास हुआ।

आज है कामिका एकादशी व्रत

भगवान विष्णु की पूजा और दान करने से मिलता है कभी न खत्म होने वाला पुण्य

हर वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाई जाती है। यह पर्व भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु एवं धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। 31 जुलाई को सावन महीने की एकादशी का व्रत किया जाएगा। जिसका नाम कामिका एकादशी है। पुराणों में कहा गया है कि इस तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली इस एकादशी पर भगवान विष्णु को तुलसी पत्र चढ़ाने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। इस दिन तीर्थ स्नान और दान से कई गुना पुण्य फल मिलता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 4:44 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 31 जुलाई को संध्याकाल 3:55 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में व्रत-त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। अत: 31 जुलाई को कामिका एकादशी मनाई जाएगी। कामिका एकादशी व्रत की कथा सुनना यज्ञ करने के समान है। इस व्रत के बारे में ब्रह्माजी ने देवर्षि नारद को बताया कि पाप से भयभीत मनुष्यों को कामिका एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए। एकादशी व्रत से बढ़कर पापों के नाशों का कोई उपाय नहीं है। स्वयं प्रभु ने कहा है कि कामिका व्रत से कोई भी जीव कुयोनि में जन्म नहीं लेता। जो इस एकादशी पर श्रद्धा-भक्ति से भगवान विष्णु को तुलसी पत्र अर्पण करते हैं, वे इस समस्त पापों से दूर रहते हैं।

कामिका एकादशी पर शंख, चक्र, गदाधारी भगवान विष्णु का पूजन होता है। भीष्म पितामह ने नारदजी को इस एकादशी का महत्व बताया है। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य इस एकादशी को धूप, दीप, नैवेद्य

आदि से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, उन्हें गंगा स्नान के फल से भी उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इस एकादशी की कथा सुनने से ही वाजपेय यज्ञ का फल मिल जाता है। भीष्म कहते हैं कि व्यतिपात योग में गंडकी नदी में और सूर्य-चन्द्र ग्रहण के दौरान स्नान करने से जितना पुण्य मिलता है। उतना ही महापुण्य सावन महीने में आने वाली कामिका एकादशी पर व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से मिल जाता है। इस दिन तुलसी पत्र से भगवान विष्णु की पूजा करने का भी विधान बताया गया है।

शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 4:44 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 31 जुलाई को संध्याकाल 3:55 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में व्रत-त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। अत:31 जुलाई को सावन माह की कामिका एकादशी मनाई जाएगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

योग

कामिका एकादशी पर ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग दोपहर 02:14 मिनट तक है। ज्योतिष ध्रुव योग को बेहद शुभ मानते हैं। इस योग में भगवान श्रीहरि विष्णु की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि मिलेगी। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है।

शिववास योग

कामिका एकादशी पर देवों के देव महादेव कैलाश पर्वत पर विराजमान रहेंगे। इस समय में भगवान शिव का अभिषेक करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। भगवान शिव दोपहर 03:55 मिनट तक कैलाश पर रहेंगे। इसके बाद नंदी पर सवार होंगे। दोनों समय अभिषेक के लिए अनुकूल है। इस समय में भगवान नारायण की भी पूजा करने से साधक के सुख और सौभाग्य में बढ़ोतरी होगी।

व्रत का संकल्प

स्कंद पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी पर व्रत, पूजा और दान से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। लेकिन, जानबूझकर दोबारा कोई पाप या अधर्म नहीं होगा, ऐसा संकल्प भगवान विष्णु के सामने लेने पर ही इसका फल मिलता है। ये व्रत साल की 24 एकादशियों में खास माना गया है।

विष्णु पूजा

महाभारत और भविष्य पुराण में बताया गया है कि सावन महीने के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। इनके अलावा विष्णुधर्मोत्तर पुराण में भी जिक्र है कि सावन महीने में भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास से मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। पुराणों में कहा गया है कि सावन महीने के दौरान पंचामृत और शंख में दूध भरकर भगवान विष्णु का अभिषेक करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

निर्जल व्रत

सावन महीने में आने वाली एकादशियों को पर्व भी कहा जाता है। सावन मास में भगवान नारायण की पूजा करने वालों से देवता, गंधर्व और सूर्य आदि सब पूजित हो जाते हैं। एकादशी के दिन स्नानादि से पवित्र होने के बाद पूजा का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु की मूर्ति की पूजा करना चाहिए। भगवान विष्णु को फूल, फल, तिल, दूध, पंचामृत और अन्य सामग्री चढ़ाकर आठों प्रहर निर्जल रहना चाहिए। यानी पूरे दिन बिना पानी पीए विष्णु जी के नाम का स्मरण करना चाहिए। एकादशी व्रत में ब्राह्मण भोजन एवं दक्षिणा का भी बहुत महत्व है। इस प्रकार जो यह व्रत रखता है उसकी कामनाएं पूरी होती हैं।

गौ दान का पुण्य

पितामह ने बताया कि पूरे साल भगवान विष्णु की पूजा न कर सकें तो कामिका एकादशी का उपवास करना चाहिए। इससे बछड़े सहित गौदान करने जितना पुण्य मिल जाता है। सावन महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और उपवास करने से सभी देवता, नाग, किन्नर और पितरों की पूजा हो जाती है। जिससे हर तरह के रोग, शोक, दोष और पाप खत्म हो जाते हैं।

मिलता है स्वर्ग

कामिका एकादशी के व्रत के बारे में खुद भगवान ने कहा है कि मनुष्यों को अध्यात्म विद्या से जो फायदा मिलता है उससे ज्यादा फल कामिका एकादशी का व्रत करने से मिल जाता है। इस दिन व्रत करने से मनुष्य को यमराज के दर्शन नहीं होते हैं। बल्कि स्वर्ग मिलता है। जिससे नरक के कष्ट नहीं भोगने पड़ते।

दीपदान

भीष्म ने नारदजी को बताया कि कामिका एकादशी की रात में जागरण और दीप-दान करने से जो पुण्य मिलता है। उसको लिखने में चित्रगुप्त भी असमर्थ हैं। एकादशी भगवान विष्णु के सामने घी या तिल के तेल का दीपक जलाना चाहिए। जो ऐसे दीपक लगाता है उसे सूर्य लोक में भी हजारों दीपकों का प्रकाश मिलता है। ऐसे लोगों के पितरों को स्वर्ग में अमृत मिलता है।

सिर्फ बजाने से ही नहीं घर में शंख रखने से भी मिलते हैं चमत्कारी फायदे

शंख भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उपयोग पूजा-अर्चना और धार्मिक समारोहों में किया जाता है। माना जाता है कि शंख बजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। शंख बजाने से वातावरण शुद्ध होता है और मन को शांति मिलती है।

यहीं नहीं शंख का उपयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा में भी किया जाता है, जहां इसे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में शंख को सही जगह पर रखना बहुत जरूरी है जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

शंख के फायदे

शंख के कई फायदे हैं जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर लाभ पहुंचाते हैं। धार्मिक दृष्टि से, शंख को शुभ माना जाता है और पूजा-पाठ में इसका विशेष महत्व है।

शंख बजाने से वातावरण शुद्ध होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। वहीं स्वास्थ्य के लिहाज से, शंख बजाने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और श्वास से संबंधित समस्याएं कम होती हैं। आध्यात्मिक रूप से, शंख की ध्वनि से मन को शांति मिलती है और ध्यान में सहायता मिलती है।

माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु के आशीर्वाद के लिए शंख

अजय ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार घर पर शंख को सही दिशा में रखना बहुत जरूरी है। शंख को आमतौर पर पूजा स्थल या मंदिर में रखा जाता है क्योंकि इससे वातावरण पवित्र होता है और घर में शांति और समृद्धि आती है। इसे घर के उत्तर-पूर्व दिशा में रखने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह दिशा देवताओं की दिशा मानी जाती है और यहां शंख रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसे घर में रखने से माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। शंख को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है और इसे बजाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं माता लक्ष्मी, जो धन और समृद्धि की देवी हैं, उनकी कृपा पाने के लिए शंख का उपयोग किया जाता है।

किस दिशा में रखे शंख

शंख को सही दिशा में रखने और नियमित रूप से बजाने से घर में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली आती है। शंख को घर में रखने से माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे घर के सभी सदस्यों का कल्याण होता है, आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और मानसिक शांति मिलती है। इसलिए, वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में शंख को सही दिशा और स्थान पर रखना महत्वपूर्ण है।

घटते-घटते 20 साल रह जाएगी इंसान की उम्र, तब खत्म होगा कलयुग और कल्कि लेंगे अवतार

धार्मिक मान्यता है कि श्री हरि कलयुग के अंत में धरती पर कल्कि अवतार लेंगे। वे पापों का नाश करेंगे। उनके इस अवतार से कलयुग समाप्त हो जाएगा और फिर सतयुग शुरू होगा। श्रीमद्भागवत के 12वें स्कंद में कहा गया है कि जब सूर्य, चंद्रमा और गुरु एक साथ पुष्य नक्षत्र में होंगे, तब विष्णु जी कल्कि रूप में जन्म लेंगे।

कहा गया है कि भगवान का यह अवतार सावन के महीने में ही होगा। कलयुग में अवतार लेकर श्रीहरि एक बार फिर पापियों का नाश कर धर्म की स्थापना करेंगे। पुराणों में बताया गया है कि यह कल्कि अवतार उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के पास संभल गांव में होगा।

इस जगह होगा कल्कि अवतार

भगवान कल्कि की मां का नाम सुमति और पिता का नाम विष्णुयश होगा। कल्कि के चार भाई होंगे। ये सभी भाई मिलकर एक बार फिर

धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान कल्कि की दो शादियां होंगी। उनकी पत्नियों का नाम पद्मा और वैष्णवी होगा।

एक भारतीय प्रसिद्ध कथावाचक और आध्यात्मिक वक्ता चित्रलेखा ने भी कलयुग और कल्कि अवतार को लेकर कुछ बातें बताई हैं। बता दें कि चित्रलेखा अपनी प्रेरक वार्ताओं और धर्मोपदेश के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा श्रीमद्भागवत में लिखा है कि कलयुग के अंत में इंसान की उम्र घटते-घटते 20 साल पहुंच जाएगी।

कम हो जाएगी इंसान की उम्र

आज से कुछ साल पहले तक इंसान की उम्र 100 साल से भी ज्यादा होती है, जो कि घटते-घटते अब 80 और 60 हो गई है। इसके साथ ही इंसान की ऊंचाई भी कम होगी। यह भी लिखा गया है कि गाय-बैलों की ऊंचाई कम होकर बकरी और बिल्ली जितनी हो जाएगी।

उस समय पाप और अत्याचार इतने बढ़ जाएंगे कि कोई उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता है। तब अंत में कल्कि अवतार होगा, जो कलयुग का प्रधान अवतार है। भगवान कल्कि राजसी वेश में आएंगे। वह घोड़े पर सवार होकर, हाथ में तलवार लेकर एक राजा की तरह आएंगे।

भगवान शिव को क्यों चढ़ाया जाता है भांग-धतूरा

समुद्र मंथन से जुड़ा है रहस्य, पढ़ें पौराणिक कथा

इन दिनों पवित्र सावन माह चल रहा है। शिव पूजा के लिए मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है और महादेव के विशेष अनुष्ठान किए जा रहे हैं। शिव पूजा के दौरान भांग धतूरे का विशेष महत्व है। यहां आपको बताते हैं भगवान शिव पर भांग धतूरा क्यों चढ़ाया जाता है और इसका क्या महत्व है।

ये है पौराणिक कथा

हिंदू पौराणिक कथा के अनुसार, जब अमृत प्राप्ति के लिए देवताओं और दानवों द्वारा समुद्र मंथन किया गया था, तो उसमें से 14 रत्न निकले थे। जो अलग-अलग देवताओं को दिए गए थे। इन्हीं रत्नों में से एक हलाहल यानी विष भी था, जो अत्यंत प्रभावशाली था।

मान्यता है कि इस विष के प्रभाव के कारण दसों दिशाएं जलने लगी थी। ऐसे में धरती को इस संकट से उबारने के लिए भगवान शिव ने हलाहल को पिया और इसे अपने कंठ में धारण कर लिया था।

अचेत हो गए थे महादेव

कहा जाता है इस विष के प्रभाव के कारण भगवान शिव अचेत हो गए थे और उनका शरीर गर्म हो गया। विष के इस असर से मुक्ति दिलाने के लिए उनके सिर पर भांग और धतूरा रखा गया था, जिससे उन्हें ठंडक मिली और विष का प्रभाव खत्म हो गया था। इसके बाद से ही शिवलिंग को भांग-धतूरा चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है।

नीलकंठ कहलाए भगवान शिव

मान्यता के अनुसार, हलाहल को कंठ में धारण करने के बाद भगवान शिव का गया नीला पड़ गया था। इसके कारण महादेव को नीलकंठ भी कहा जाता है।

कब मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी? किस दिन रखना है व्रत

रक्षाबंधन के बाद जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। जन्माष्टमी पर्व भगवान कृष्ण को समर्पित होता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान कृष्ण की विधि-विधान से पूजा करने से सभी समस्या दूर होती है। आइए, जानते हैं कि इस साल जन्माष्टमी पर्व कब मनाया जाएगा, इसका शुभ मुहूर्त और महत्व क्या है।

जन्माष्टमी 2024 तिथि और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 26 अगस्त को सुबह 3:40 पर शुरू होगी। यह अगले दिन 27 अगस्त को सुबह 2:19 पर समाप्त होगी। ऐसे में जन्माष्टमी व्रत 26 अगस्त सोमवार के दिन रखा जाएगा।

इस दिन पूजा के लिए शुभ समय मध्य रात्रि 12:02 से रात्रि 12:45 तक रहेगा। व्रत का पारण आप 27 अगस्त को सुबह 5:55 के बाद कर सकते हैं।

जन्माष्टमी महत्व

बता दें कि भगवान श्री कृष्ण, श्री हरि के सातवें अवतार हैं, जिन्होंने धर्म की स्थापना के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। भगवान कृष्ण ने कंस का वध किया था। उन्होंने महाभारत के युद्ध में अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की उपासना की जाती है।

जन्माष्टमी व्रत नियम

शास्त्रों में वर्णन किया गया है कि कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करने से कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। इस व्रत को करने के दौरान कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। जन्माष्टमी के व्रत के दिन अन्न ग्रहण नहीं करना चाहिए।

जन्माष्टमी व्रत का पारण सूर्योदय के बाद, अष्टमी तिथि के बाद या अष्टमी तिथि के समाप्त होने के बाद ही करना चाहिए।

इस दौरान मन में किसी भी प्रकार के गलत विचार नहीं लाना चाहिए।

इस दिन मांस, मदिरा, प्याज, लहसुन आदि चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए।

खाने की शौकीन हैं वैशाली अरोड़ा

एक्ट्रेस ने उड़ने की आशा के सेट की बताई मजेदार बातें

टीवी एक्ट्रेस वैशाली अरोड़ा इन दिनों शो उडऩे की आशा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें वह रिया का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस फूडी हैं और वह सेट पर कुछ न कुछ खाते रहना पसंद करती हैं।वैशाली ने कहा, मैं एक मजेदार बात शेयर करना चाहती हूं जो कई बार हुआ है। मेरा किरदार रिया खाने की बड़ी शौकीन है। आकाश खाना बनाकर उसे भेजता है और वह उसे खाती है। जब भी मैं शूटिंग कर रही होती हूं, प्रोडक्शन टीम पूछती है कि मैं क्या खाना चाहती हूं और उसे तैयार करके रखती है। मैं अपने किरदार को रियल में जीने लगती हूं, क्योंकि मैं खुद भी फूडी हूं, यहां तक कि रिहर्सल के दौरान भी मैं कुछ न कुछ खाती रहती हूं।उन्होंने कहा, जब तक हम फाइनल टेक लेते हैं, तब तक खाना लगभग खत्म हो चुका होता है और मेरे पेट में खाने के लिए जगह नहीं बचती। उदाहरण के लिए... आकाश ने रिया के लिए रेड वेलवेट केक बनाया। मैंने रिहर्सल के दौरान खाना शुरू किया और फाइनल टेक तक आधा खा लिया था। इसी तरह, डोसा मैंने रिहर्सल के दौरान इतना खाया कि मैं बाद में लंच नहीं कर सकी।मानसून में वैशाली को मैगी और चाय बेहद पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे मानसून का मौसम ज्यादा पसंद नहीं है, लेकिन इस मौसम में मेरी पसंदीदा चीज घर पर बैठकर चाय और मैगी है। इस दौरान कुछ मजेदार देखना और अपने सोफे पर आराम करना है। काम करते समय, मैं एक्टिव रहने के लिए कॉफी पीती रहती हूं और बारिश बंद होने पर ताजी हवा लेने के लिए बाहर टहलती हूं। मानसून रोमांटिक सीन्स के बारे में वैशाली ने कहा, हां, मानसून रोमांस का सीजन है। कुछ ऐसी चीज है जिसका आने वाले एपिसोड में दर्शकों को इंतजार करना चाहिए। आकाश और रिया के बीच की केमिस्ट्री वाकई बहुत रोमांटिक तरीके से सामने आएगी। उन्होंने कहा, बारिश रिया को दिल की बात कहने के लिए मजबूर करेगी, और आकाश का रिएक्शन देखने लायक होगा। मैं चाहती हूं कि मेरे फैंस आकाश और रिया के इन खास पलों को देखें। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।इस शो को राहुल कुमार तिवारी ने प्रोड्यूस किया है। उडऩे की आशा स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

ध्रुव सर्जा स्टारर केडी-द डेविल से संजय दत्त का फर्स्ट लुक आउट

गले में बेल्ट, सिर पर टोपी अतरंगी अवतार में दिखें एक्टर

65 साल की उम्र में भी संजय दत्त की गजब फैन फॉलोइंग है। उनकी एक्टिंग आज भी उतनी दमदार है जितनी 90 के दशक में थी। इतना ही संजय दत्त की फैन फॉलोइंग समय के साथ घटी नहीं, बल्कि बढ़ी है। यही वजह है कि वो आज भी टॉप बॉलीवुड एक्टर्स की लिस्ट में गिने जाते हैं। आज एक्टर अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं और उनके चाहने वाले उन्हें इस खास दिन की बधाइयां दे रहे हैं। एक्टर ने भी अपने फैंस का पूरा ध्यान रखा है, इसलिए ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म केडी-द डेविल से अपना नया लुक रिवील कर दिया है। नए किरदार की उन्होंने पहली झलक दिखाई है, जिसमें वो अजब-गजब अवतार में नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इस अपकमिंग फिल्म में संजय दत्त धाक देवा का रोल निभाएंगे। संजय दत्त की ये तस्वीर उनके जन्मदिन पर मेकर्स ने रिलीज की है और ये उनके चाहने वालों के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। जैसे ही अभिनेता संजय दत्त ध्रुवा सरजा की केडी-द डेविल की एपीक दुनिया में शामिल हुए, यह फिल्म उनके खास प्रोजेक्ट्स में गिनी जाने लगी।

इस पर बात करते हुए केडी-द डेविल के निर्देशक प्रेम कहते हैं, फिल्म इंडस्ट्री में संजय दत्त की विशालता को कौन नहीं जानता? वह कई प्रभावशाली भूमिकाओं के साथ आते हैं। उनका मुन्ना भाई आज भी बहुत सराहा जाता है, मैं बहुत आभारी और खुश हूं कि उन्होंने इस फिल्म को करने के लिए हां कहा और उनके साथ काम करना खुशी की बात रही।सामने आए संजय दत्त के लुक पर आप अगर नजर डालेंगे तो एक्टर गले में बेल्ट, सिर पर टोपी और हाथ में छड़ी लिए दिख रहे हैं। इन्हें देख कर जाहिर हो रहा है कि वो एक पुलिस वाले की भूमिका में हैं, लेकिन ये पुलिस वाला कैसे होगा इसका अंदाजा लगा पाना जरा भी आसान नहीं है। सामने आई झलक में उनके बड़े बाल, दाढ़ी और माथे पर तिलक भी देखने को मिल रहा है। इसके साथ बी उन्होंने लेपर्ड प्रिंट वाली शर्ट के ऊपर डेनिम जैकेट कैरी की है। साथ वो लूट फिट पैंट और हाई हील वाले बूट पहने दिख रहे हैं। उनके पीछे एक बस्ती का दृश्य दिखाया गया है, जहां फिएट कार खड़ी है और बस्ती में आग लगी हुई है। केडी- द डेविल से जुडऩे पर संजय दत्त कहते हैं, मैं केडी- द डेविल का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हूं।

मुझे पसंद आया कि प्रेम ने फिल्म की दुनिया को कैसे कल्पित किया। यह एक ऐतिहासिक एक्शन फिल्म है और एक पैन इंडिया फिल्म है। मैं उस टीम का हिस्सा बनने का आनंद उठा रहा हूं, जिसमें उद्योग के कुछ बेहतरीन दिमाग इस प्रोजेक्ट के लिए एक साथ काम कर रहे हैं।संजय दत्त के अलावा, केडी- द डेविल में शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद, वी रविचंद्रन और ध्रुवा सरजा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 1970 के दशक के बंगलौर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक ऐतिहासिक एक्शन एंटरटेनर, केडी- द डेविल को केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है और इसे प्रेम ने निर्देशित किया है। यह पैन-इंडिया मल्टी-लिंगुअल फिल्म तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए तैयार है।

ब्लैक साड़ी में बला की खूबसूरत दिखीं मौनी रॉय

एक्ट्रेस मौनी रॉय हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक की तारीफ करते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से एक बार फिर फैंस के बीच कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर तबाही मचा रहा है।बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका लुक चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। फैंस भी उनके हर एक लुक को काफी ज्यादा पसंद करते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मौनी रॉय इंडोर फोटोशूट करवाया है। एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं।खुले बाल, माथे पर बिंदी और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

उनके इस लुक को देखकर फैंस दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर रहे हैं।एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। साथ ही अपने फैंस के साथ फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। फैंस भी अक्सर उनके स्टाइल को फॉलो करते हैं।

मोतियाबिंद से जूझ रहे हैं शाहरुख खान, सर्जरी फेल होने के बाद अमेरिका में करवाएंगे ऑपरेशन

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल एक्टर को मोतियाबिंद हो गया था, जिसके कारण वह पिछले महीने से अस्पताल के चक्कर काट रहे हैं। 29 जुलाई को शाहरुख खान ने अपनी आंखों की सर्जरी करवाई थी, लेकिन उनकी यह सर्जरी कामयाब नहीं हो पाई। ऐसे में अब शाहरुख खान अपनी आंखों की सर्जरी के लिए अमेरिका जाने वाले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो अमेरिका में आंख की सर्जरी के बाद शाहरुख खान स्विटजरलैंड जाएंगे। बता दें कि शाहरुख खान की पिछले कई महीनों से तबियत खराब चल रहा है। आईपीएल के दौरान एक्टर को हीट स्ट्रोक हो गया था, जिसके बाद उन्हें कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। फिर एक्टर को मोतियाबिंद होने का पता चला था।

मुंबई में शाहरुख खान ने करवाया आंख का ऑपरेशन

एक्टर शाहरुख खान का इलाज पिछले कुछ समय से चल रहा था। शाहरुख खान को दोनों आंखों में परेशानी हो रही थी। एक्टर ने अपनी एक आंख का ऑपरेशन तो भारत में करवाया, वहीं एक्टर दूसरी आंख का ऑपरेशन करवाने के लिए अमेरिका जाएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख खान आज यानी 30 जुलाई को अमेरिका के लिए रवाना होने वाले हैं। हालांकि इस खबर के सामने आने के बाद फैंस शाहरुख खान की तबियत को लेकर चिंता में आ गए हैं।

वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान आखिरी बार फिल्म 'डंकी' में नजर आए थे। इस फिल्म में शाहरुख की जोड़ी तापसी पन्नू के साथ जमी थी। फिल्म में विक्की कौशल भी कैमियो रोल में दिखे थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। डंकी से पहले शाहरुख खान की 'जवान' और 'पठान' फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थीं। वहीं अब शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग एक्टर ने शुरू कर दी है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ एक्टर अभिषेक बच्चन भी नजर आएंगे। फिल्म में अभिषेक नेगेटिव रोल में दिखे थे। इस बात की पुष्टि खुद अमिताभ बच्चन ने अपने ट्विटर हैंडल पर की थी।

बॉक्स ऑफिस पर धनुष की फिल्म रायन कर रही है ताबड़तोड़ बिजनेस

धनुष की फिल्म रायन सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। इस फिल्म ने धनुष के लिए उनके करियर का एक खास रिकॉर्ड बना दिया है। रायन उनके करियर की ओपनिंग वीकेंड पर सबसे ज्यादा पैसे कमाने वाली फिल्म बन गई है। वहीं, वैश्विक स्तर पर भी फिल्म अच्छी कमाई कर रही है।सैकनिल्क के अनुसार, रायन ने पहले दिन 13.65 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन इसने 13.75 करोड़ रुपये कमाए थे और सप्ताह के आखिरी दिन 15.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर कुल 42.65 करोड़ कमा लिए। वहीं, इसकी वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो वो 70 करोड़ का आंकड़ा छू चुकी है।रायन धनुष के निर्देशन में बनी दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने पा पंडी को डायरेक्ट किया था, जो 2017 में रिलीज हुई थी।

रायन उनके करियर की 50वीं फिल्म है और ऐसे में इसकी सफलता को देखते हुए धनुष काफी खुश भी होंगे। इसकी कहानी को भी धनुष ने ही लिखा है। आगामी दिनों में धनुष कुबेरा और नीक में नजर आएंगे।रायन में धनुष के अलावा एसजे सूर्या, संदीप किशन, दुशारा विजयन, वरलक्ष्मी सरथकुमार, प्रकाश राज, सेल्वाराघवन और कालिदास जयराम ने भी अभिनय किया है। एआर रहमान का बनाया संगीत भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। फिल्म 26 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसका निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफ़ी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक जरूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 31 जुलाई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी सायं 03:57 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 10:13 तक
योग : ध्रुव दोपहर 02:12 तक
करण : बालव दोपहर 03:57
चन्द्र राशि : वृषभ रात्रि 10:15 तक
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 सूर्यास्त 06:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कामिका एकादशी व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शांति धारीवाल पर दो दिन सदन की कार्यवाही में भाग लेने पर लगी रोक

सदन में अमर्यादित आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : देवनानी

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को पूर्व मंत्री एवं विधायक शांति धारीवाल के सदन में अमर्यादित बात कहने के मामले में उनके दो दिन सदन की कार्यवाही में भाग लेने पर रोक लगा दी गई।

हालांकि इस मामले में श्री धारीवाल ने माफी मांग ली लेकिन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन की गरिमा बनाये रखने के लिए इसे गंभीरता से लिया और कहा कि आज यह अंतिम चेतावनी है कि भविष्य में यदि किसी सदस्य का इस तरह का आचरण सामने आने पर उन्हें कठोरतम कार्यवाही करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और फिर कभी माफी की बात नहीं सुनी जायेगी और कार्यवाही होगी। उन्होंने कहा कि वह सदन में अमर्यादित आचरण को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने व्यवस्था देते हुए श्री धारीवाल को दो दिन मंगलवार और बुधवार के लिए सदन की कार्यवाही में भाग लेने पर रोक लगा दी। इससे पहले श्री देवनानी ने कहा कि उन्हें इस बात की पीड़ा हुई कि वरिष्ठ सदस्य एवं सदन में संसदीय मंत्री रहे, जिन्होंने जिस तरीके से अमर्यादित शब्द कहे, यह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक एवं पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि इस अमर्यादित आचरण से विधानसभा की प्रतिष्ठा का हनन हुआ हैं उसकी भरपाई माफ करने एवं खेद प्रकट करने से नहीं होगी। श्री धारीवाल ने इस मामले में खेद प्रकट किया और कहा कि मुझे 40 साल से जनता ने लोकसभा एवं विधानसभा के लिए चुनकर भेजा हैं और मैं हमेशा आसन को सर्वोच्च मानकर चला, मेरा इरादा आसन का अपमान एवं नीचा दिखाने का नहीं था। उन्होंने कहा कि सभापति संदीप शर्मा से उनके व्यक्तिगत रिश्ते हैं और उस दिन जब मैं सदन में बोल रहा था तब श्री शर्मा ने उन्हें बोलने से रोका। इस दौरान उन्हें लगा कि श्री शर्मा आसन पर नहीं उनके सामने बैठे हैं और मेरे मुंह से अनायास वह बात निकल गई जो गलत निकल गई। मैं गलती स्वीकार करता हूं। वह बात मजाक में थी। अगर इससे श्री शर्मा को ठेस लगी है तो वह माफी मांगते हैं। इस पर श्री देवनानी ने कहा कि सदन में जो अमर्यादित बात बोली गई है उसके लिए माफी मांगे। इस पर श्री धारीवाल ने माफी मांग ली। सदन में यह मामला विधायक श्रीचंद कृपलानी ने उठाते हुए कहा कि श्री धारीवाल ने अमर्यादित शब्द कहकर सदन की गरिमा को समाप्त किया हैं, ऐसे में उनके खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि श्री कृपलानी ने जो मामला उठाया हैं उसे गंभीरता से समझने की जरुरत है और सदन में नियम सर्वोपरि है और सबकों नियमों की पालना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री धारीवाल की बात नियम 272 (3) के विपरीत ही नहीं, निंदनीय है।

विशाल नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर 11 अगस्त को होगा आयोजित

अजमेर,30 जुलाई (एजेंसियां)।

सावन सीनियर सेकेंडरी स्कूल अजमेर और पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 11 अगस्त को अजमेर में विशाल निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आयोजित किया जायेगा। निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में वैदिक जन्म कुंडली, लाल किताब, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, केपी पद्धति और मंत्र ज्योतिष आदि विधाओं से ज्योतिषीय परामर्श दिया जायेगा।

अजयमेरु प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र गुंजल ने बताया कि रविवार 11 अगस्त को अजमेर के वैशाली नगर स्थित अजयमेरु प्रेस क्लब में सुबह 10:00 से 2:00 तक विशाल निशुल्क ज्योतिष परामर्श आयोजित किया जा रहा है। जिसमें वैदिक, जन्मकुंडली, हस्त रेखा, मस्तिष्क रेखा, वास्तु, अंकगणित, टैरो कार्ड, लाल किताब, केपी और मंत्र ज्योतिष चिकित्सा सहित अन्य विधाओं के विद्वान ज्योतिषाचार्य लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे। ज्योतिष परामर्श शिविर में कुंडली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास जन्मकुंडली के माध्यम से लोगों की ज्योतिषीय समस्याओं का समाधान करेंगे।

अजयमेरु प्रेस क्लब के महासचिव सत्यनारायण झाला ने बताया कि विशाल निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 15 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य अपनी सेवाएं देंगे। इसमें पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी, राज ज्योतिषी पंडित अभिषेक जोशी, डॉ. मनोज गुप्ता, पंडित डॉ. अनीष व्यास, शमशेर सिंह, सुकांत पांडे, लक्ष्मी राय, कीर्ति गुप्ता, विश्वास भट्ट, रंजीता व्यास, सुमित रामदेव, निकिता शर्मा, हेमा टांक, शिवानी गौतम, साकेत भारद्वाज,सुमन राठौड़ सहित अन्य ज्योतिषी अपनी सेवाएं देंगे। नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में जयपुर के अलावा जोधपुर उदयपुर कोटा नई दिल्ली, अहमदाबाद, इंदौर, भोपाल, सूरत, मुंबई के विद्वान ज्योतिषाचार्य अपनी सेवाएं देंगे।

लोहार्गल में पुलिस का लाठीचार्ज, कांवड़ियों ने दुकानों में की तोड़फोड़

घटना के बाद मची भगदड़

झुंझुनू,30 जुलाई (एजेंसियां)।

जिले के लोहार्गल में कांवड़ियों पर पुलिस ने जमकर लाठियां बरसाईं। बताया जा रहा है कि बेकाबू पुरुषों की भीड़ जनाना कुंड तक पहुंच गई थी। इससे महिलाओं को परेशानी होने लगी। इस दौरान लोहार्गल कुंड में स्नान करने गए कांवड़ियों पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी। उसके बाद गुस्साए कांवड़ियों ने काफी दुकानों में तोड़फोड़ कर दी।

जानकारी के मुताबिक पुलिस ने लोहार्गल कुंड में स्नान करने गए कांवड़ियों के साथ मारपीट की। गुस्साए कांवड़ियों ने होमगार्ड की जमकर धुलाई कर दी। वहीं, दुकानों में तोड़फोड़ की तस्वीर भी सामने आई हैं। घटना के बाद कुंड पर भगदड़ मच गई। भारी पुलिस जाब्ता पहुंचने पर मामले पर काबू पा लिया गया।

थानाधिकारी कमलेश कुमार का कहना है कि बड़ी संख्या में कांवड़िए नहाने के लिए कुंड में कूद गए। उनको समझाया गया। पुलिसकर्मियों ने समझाकर उन्हों कुंड से बाहर निकाला। साथ ही थानाधिकारी ने लाठीचार्ज करने से बिल्कुल इनकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच करवा रही है।

सफाईकर्मियों के हड़ताल पर जाने से व्यवस्था चरमराई

पालिका कर्मचारियों के साथ पुरोहितों ने किया श्रमदान

अजमेर,30 जुलाई (एजेंसियां)।

नगर पालिका के अस्थायी सफाईकर्मियों के हड़ताल पर जाने से पुष्कर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। सरोवर में मरने वाली मछलियों की दुर्गंध से वातावरण दूषित हो रहा है। इसी के मद्देनजर आज सरोवर की सफाई के लिए श्रमदान किया गया। अजमेर जिले के पुष्कर में नगर पालिका के अस्थायी सफाईकर्मियों के हड़ताल पर जाने से पुष्कर सरोवर समेत पूरे कस्बे की सफाई व्यवस्था गड़बड़ाने लगी है। विशेष रूप से सरोवर में मरने वाली मछलियों से दुर्गन्ध फैलने लगी है। इसको देखते हुए आज पालिका के स्थायी कर्मचारी और पुष्कर के पुरोहित सफाई के लिए आगे आए।

पालिका के सहायक अभियंता रामनिवास मीणा के नेतृत्व में आज पालिका के कर्मचारियों और पुरोहितों ने सरोवर के 52 घाटों पर सघन सफाई अभियान चलाया। पालिका के सहायक अभियंता रामनिवास मीणा ने बताया कि इस दौरान मरी हुई मछलियों को सरोवर से बाहर निकाला गया और श्रद्धालुओं द्वारा छोड़े गए कपड़ों सहित दूसरी गंदगी को हटाया गया।

पुरोहित अंकित पाराशर ने बताया कि सरोवर से ही पुष्कर की पहचान है इसलिए यदि कभी किसी कारण से सफाई संबंधी हालात बिगड़े तो पूरे नगर को पुरोहितों के साथ आना चाहिए। पाराशर ने कहा कि पालिका प्रशासन मछलियों के पोस्टमार्टम का दावा तो कर रहा है लेकिन आज तक रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की। उन्होंने कहा कि फीडर किनारे बनी होटलों और खरेकडी में चल रहे कारखाने से बारिश के पानी के साथ जहरीले रसायन आ गए हैं, जिससे मछलियां मर रही हैं। पालिका ने एरिएशन का काम ठीक किया है। अब सरोवर में चूने की जगह फिटकरी डालनी चाहिए और पानी को साफ करने के लिए दूसरी दवाइयां डालनी चाहिए।

एसपी रिश्वत प्रकरण मामले में कोर्ट ने आरोपियों को किया बरी

अजमेर,30 जुलाई (एजेंसियां)।

2 जनवरी 2013 को एसीबी ने तत्कालीन एसपी राजेश मीना को जयपुर रोड स्थित सरकारी आवास में दलाल ठठेरा के साथ गिरफ्तार किया था। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 90 गवाह और 300 दस्तावेज न्यायाधीश के समक्ष पेश किए गए थे। थानेदारों से मंथली वसूली प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा और दलाल जोधपुर निवासी रामदेव ठठेरा को 2 जनवरी 2013 को दो लाख पांच हजार रुपए एक थैली रखे होने के साथ गिरफ्तार किया था।

मीणा की गिरफ्तारी के बाद उन्हें तीन जनवरी को अदालत में पेश करने के लिए तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल भारी पुलिस बल के साथ सेशन न्यायालय में उपस्थित हुए थे। एसीबी ने अदालत को जानकारी देकर मीणा को पुलिस रिमांड पर सौंपने का प्रार्थना पत्र पेश किया था। उन्होंने अन्य आरोपी तक पहुंचने की जानकारी देते समय सोनवाल का नाम लिया तो इसकी सूचना सोनवाल को मिल गई और अदालत के सामने से फरार हो गए थे। उन्होंने फरारी के दौरान उनके विरुद्ध दर्ज एफआईआर निरस्त करवाने और अग्रिम जमानत प्राप्त करने का प्रयास किया था। बाद में वे हाईकोर्ट के निर्देश पर कोर्ट में समर्पण करने आए थे, किंतु अदालत में पहुंचने के कुछ दूर पहले ही एसीबी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

एसीबी रिपोर्ट के अनुसार ठठेरा सोनवाल के ऑफिस से उनकी विभागीय कार में बैठकर पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा के घर पर 2.05 बजे पहुंचा। उसके वहां बैठने के कुछ ही देर में एसीबी टीम पहुंच गई। टीम ने वहां से रामदेव ठठेरा और राजेश मीणा को एक थैली में रखे 2 लाख 5 हजार रुपए नकद और ठठेरा के जेब में रखी विभिन्न थानों के नाम में अंक लिखे पर्चियों सहित गिरफ्तार किया था।

नाकाबंदी के दौरान अवैध रूप से ले जाया जा रहा 31.51 किलो गांजा जब्त

पुलिस को चकमा देकर भागा आरोपी

सिरोही,30 जुलाई (एजेंसियां)।

सरूपगंज पुलिस द्वारा इको कार में 3 प्लास्टिक के कट्टों में लाया जा रहा 31.512 किलो गांजा जब्त किया है। आरोपी पुलिस की नाकाबंदी देखकर 50 फीट पहले ही कार छोड़कर फरार हो गया। इस मामले में सरूपगंज थानाधिकारी कमलसिंह की टीम द्वारा नाकाबंदी की गई थी। उस दौरान पिंडवाड़ा की ओर से आ रही ग्रे कलर की इको कार को उसका चालक पुलिस नाकाबंदी से करीब 50 फीट पहले चालू हालत में छोड़कर फरार हो गया। इस पर पुलिसकर्मी कार के पास

पहुंचे और गाड़ी की तलाशी ली। इस दौरान कार के पीछे तीन कट्टों में गांजे की पत्तियां भरी हुई पाई गईं। पुलिस द्वारा 3 प्लास्टिक के कट्टों मे भरे 31.512 किलोग्राम गांजा जब्त कर मादक पदार्थ तस्करी की धाराओ में मामला दर्ज किया गया है। कुछ पुलिसकर्मियों को आरोपी की तलाश के लिए भेजा गया लेकिन रात होने से वह झाड़ियों एवं खेतों में भाग गया।

राजसमंद में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन की छत गिरी

चार लोगों की हुई दर्दनाक मौत, 9 घायल

राजसमंद,30 जुलाई (एजेंसियां)।

जानकारी के अनुसार चिकलवास में मेघवाल समाज के सामुदायिक भवन की 20 दिन पहले छत की आरसीसी का काम पूरा हुआ था। 3 दिन से आरसीसी के नीचे से सपोर्ट हटा जा रहे थे। सोमवार देर रात गांव के मेघवाल समाज के लोग रात्रि के समय भवन के नीचे सफाई का काम कर रहे थे की अचानक छत गिर गई। छत के नीचे गिरने से वहां मौजूद लोग नीचे दब गए।

जानकारी के अनुसार गांव के लोग यहां पर राम रसोड़े की तैयारी कर रहे थे, जिसके चलते भवन की फर्श से सफाई हो रही थी और हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर चीखे सुनाई दी, जिसके बाद गांव के और लोग भी यहा पहुंचे। छत के नीचे दबे घायलों को निकालने के लिए जेसीबी मशीन की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया। जहां दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर कलेक्टर डा भंवर लाल सहित एसपी मनीष त्रिपाठी सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया।

घटना में एक ही गांव के चार लोगों की मौत के बाद आस पास के गांवों से भी लोग चिलकवास गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया। इस घटना के बाद गांव में मेघवाल बस्ती निवासी भगवती लाल (35) पुत्र रोड़ी लाल, शांति लाल (40) पुत्र नारू लाल मेघवाल ,कालू लाल (41) पुत्र वेणी राम, भवर लाल (52) पुत्र लच्छी राम मेघवाल की छत के नीचे दबने से मौत हो गई। घटना के बाद सुबह एडीएम नरेश बुनकर, एसडीएम अजय अमरावत, खमनोर विकास अधिकारी हनुवीर सिंह विश्नोई नाथद्वारा सीआई लीलाधर मालवीय, खमनोर थानाधिकारी भगवान सिंह मौके पर पहुंचकर एलएनटी मशीन से घटना स्थल से करीब 2 घण्टे की मशक्कत के बाद मलबा हटाया गया।

समय रहते प्रशासन एक्शन लेता तो बड़ा हादसा टल सकता था

24 जून को चिकलवास के ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी को शिकायत थी, जिसमें बताया कि चिकलवास की चारनोट भूमि आराजी न. 504, 505 है। यह चारनोट भूमि गांव के मवेशियों में चरने के लिए है। गांव के वार्ड पंच हीरालाल सालवी, भोली राम सालवी व सायों खेड़ा सरपंच द्वारा अवैध अतिक्रमण कर मंदिर बना रहे है। शिकायत के बाद तहसीलदार को जांच रिपोर्ट के भेजा, जिसके बाद पटवारी ने मौके की जांच कर निर्माण रुकवाया था। जिसके बाद फिर वापस काम शुरू हो गया।

गृह कलेश में धारदार हथियार से महिला की हत्या

पति पर आरोप, मौके से हुआ फरार

रोहतक,30 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के रोहतक के बहु अकबरपुर थाना क्षेत्र के मदीना गांव में एक महिला की गला रेतकर हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या का आरोप भी पति पर ही लगा है और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद जांच पड़ताल शुरू करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि बहु अकबरपुर थाना क्षेत्र के मदीना गांव में रेखा की शादी राजू के साथ हुई थी। आरोप है कि कई दिन से गृह कलेश चल रहा था और मंगलवार को किसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया और धारदार हथियार से आरोपी ने पत्नी रेखा (26) पर कई बार हमला करके उसे मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने बताया कि मृतका के सिर, गर्दन, मुंह और हाथ के अलावा शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से हमला किया गया है। घटना के बाद से हत्यारोपी पति मौके से फरार हो गया। मृतका रेखा के दो बच्चे हैं और इनमें एक बेटी और एक बेटा है। पुलिस का कहना है कि अभी कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन प्रथम दृष्टया हत्या का आरोप पति पर ही लगाया जा रहा है।

ससुर ने बहू का लोहे के सरिया से फोड़ा सिर

पलवल,30 जुलाई (एजेंसियां)।

ससुर द्वारा गलत नजर रखने का विरोध किया तो बहू का सिर लोहे की सरिया से फोड़ दिया। पड़ोसियों ने महिला को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया। शहर थाना पुलिस ने पीड़ित महिला के पति की शिकायत पर आरोपी ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रेणू शेखावत के अनुसार. एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह ड्यूटी के चलते घर से बाहर रहता है। उसका पिता, उसकी पत्नी पर गलत नजर रखता था। उसकी पत्नी ने जब अपने ससुर का विरोध किया तो सोमवार को ससुर ने लोहे की सरिया से उसके सिर पर कई वार किए। इस हमले में उसकी पत्नी लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी।

बीकानेर में दीवार ढहने से दो मासूमों की मौत

बीकानेर,30 जुलाई (एजेंसियां)।

जानकारी के अनुसार शरीफ खां का पुत्र निजाम 10 वर्षीय और उसकी भतीजी शब्बू (शबनम) सात वर्ष दीवार के पास खेल रहे थे। चूंकि मकान की दीवार कच्ची थी। जैसे ही दीवार अचानक से गिरी तो दीवार के पास में खेल रहे बच्चे उसमें दब गई। पास में बैठा शरीफ दोनों बच्चों को बचाने के लिए दौड़ा वह भी दब गया।

घर में मौजूद लोग कुछ समझ पाते और तब तक तक बहुत देर हो गई थी। इस हादसे में 10 वर्षीय निजाम, शरीफ के भाई अली खां की बेटी शब्बू की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने शरीफ को मलबे से बाहर निकाला और उसे बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया, वहीं शरीफ के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

एमएलसी विश्वनाथ ने मंत्री सुरेश को मुडा में कथित घोटाले के लिए दोषी ठहराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एमएलसी ए.एच. विश्वनाथ ने शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं के लिए उन्हें दोषी ठहराया। मैसूरु में मंगलवार को एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए, विश्वनाथ ने कथित मुडा घोटाले के लिए सुरेश को दोषी ठहराया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा जब नागेंद्र, जिन्होंने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित घोटाले के मद्देनजर आदिवासी कल्याण मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया

था, को सलाखों के पीछे डाल दिया गया, तो मुडा घोटाले की भयावहता के बावजूद सुरेश के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। सुरेश द्वारा लगाए गए इस आरोप का जवाब देते हुए कि एमएलसी भी मुडा साइट के लाभार्थी थे, विश्वनाथ ने स्पष्ट किया कि उन्हें आवेदन जमा करने के बाद नियमित प्रक्रिया के अनुसार एक साइट आवंटित की गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुझे 50:50 अनुपात योजना के तहत कोई साइट नहीं मिली है।

कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री ने कहा था कि मुडा ने जेडीएस नेताओं एच.डी. कुमारस्वामी, जी.टी. देवेगौड़ा, एस.आर. महेश, भाजपा एमएलसी एच. विश्वनाथ को स्थल दिए। विश्वनाथ ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से 50:50 अनुपात योजना के तहत अपनी पत्नी को आवंटित 14 स्थलों को वापस करने तथा मुडा में कथित घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश देने का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि मुडा घोटाले में उनकी संलिप्तता उनके राजनीतिक करियर पर एक धब्बा है।

विश्वनाथ कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम तथा मुडा में कथित घोटालों के विरोध में विपक्षी भाजपा तथा जेडीएस द्वारा प्रस्तावित बेंगलूरु से मैसूरु मार्च में शामिल होंगे। एमएलसी ने आरोप लगाया कि मैसूरु क्षेत्र के विधायक, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों, मुडा घोटाले में शामिल हैं, सिवाय उनके और कृष्णराजा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक टी.एस. श्रीवत्स के।

वायनाड भूस्खलन मामला

कर्नाटक केरल को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में लोगों की मौत पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक पड़ोसी राज्य को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिद्धरामैया ने एक पोस्ट में कहा वायनाड में आई विनाशकारी बाढ़ से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। कर्नाटक इस चुनौतीपूर्ण समय में केरल को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आइए एकजुट होकर मजबूती से खड़े हों। भारी बारिश के कारण पहाड़ी जिले में हुए भूस्खलन में मंगलवार को कई लोगों की जान चली गई।

हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

हाजीपुर (एजेंसियां)।

वैशाली में हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास पैसेंजर ट्रेन से गिरकर एक रेल यात्री ट्रेन की चपेट में आ जाने के कट गया। जहां उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि घटना की सूचना मिलते ही हाजीपुर रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। क्षत विक्षत शव के पास पड़ा मोबाइल भी पूरी तरह से टूट चुका था। टूटे मोबाइल से निकले सिम कार्ड को रेल पुलिस ने दूसरे फोन में लगाकर घटना की सूचना उसके परिजनों को दी।

जानकारी के मुताबिक, मृतक

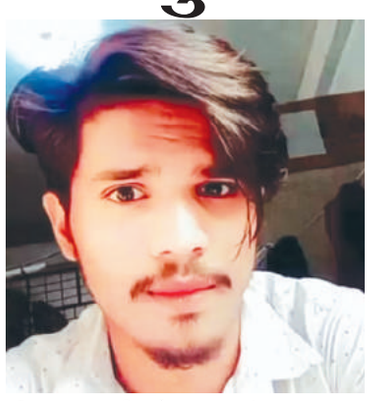

की पहचान मिर्जापुर समस्तीपुर जिले के सिवैसी गांव निवासी आफताब आलम के 20 वर्षीय पुत्र के तौर पर हुई है। जान गंवाने वाला युवक घर में अकेला कमाने वाला व्यक्ति था। वह काम के सिलसिले में दिल्ली जाने के लिए घर से निकला था और कटिहार पैसेंजर ट्रेन पकड़कर मोहिउद्दीनगर से हाजीपुर रहा था। उसके बाद वह हाजीपुर से दिल्ली के लिए ट्रेन पकड़ने वाला था। तभी हाजीपुर स्टेशन से पहले ही ट्रेन से गिर गया और उसकी चपेट में आ गया, जिसके कारण उसका शव कई टुकड़े में बंट गया।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही तुरंत परिजन हाजीपुर पहुंचे। फिर पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर पुनः वापस घर चले गए।

पटना में दिनदहाड़े महिला की हत्या अपराधियों ने घर घुसकर मारी गोली

पटना (एजेंसियां)।

पटना के इलाहीबाग में मंगलवार को दिनदहाड़े घर में घुसकर एक महिला की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद सभी अपराधी मोटरसाइकिल से हथियार लहराते हुए आराम से भाग निकले। घटना की सूचना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना गोपालपुर थाने को दी। सूचना मिलते ही गोपालपुर थाना सहित पटना सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दो मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन

शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम और डॉग स्कायड के माध्यम से मामला को सुलझाने में जुट गई है। घटनास्थल से पुलिस ने गोली के दो खोखे बरामद किए हैं। मामला संपत्ति विवाद को भी जोड़कर देखा जा रहा है।

आसपास के लोगों ने बताया कि पटना के गोपालपुर थाना के इलाही बाग में मनोरमा देवी (60 वर्ष) अपने फ्लैट में अकेली रहती थी। पांच फ्लैट में किराएदार रहा करते थे। बताया जा रहा है कि मनोरमा देवी का एक बेटा संजय कुमार (35 वर्ष) अपनी मां के साथ नहीं रहता था। फुलवारी शरीफ में वह अपनी पुरानी प्रॉपर्टी में रहता था।

आसपास के लोगों ने बताया कि मनोरमा देवी के पति नन्नू राय की भी हत्या लगभग चार वर्ष पूर्व कर दी गई थी। जानकार बताते हैं कि संजय कुमार ने अपनी मां और पिता को घर से निकाल दिया था। जिसके कारण मां इलाही बाग में अलग रहा करती थी। चर्चा यह भी है कि अपनी प्रॉपर्टी को मां अपनी बेटी के नाम लिखना चाह रही थी, जिसे लेकर मां और बेटे के बीच विवाद हुआ करता था। पुलिस इन सभी पहलुओं को जोड़कर पूरे गहराई से जांच कर रही है। हालांकि, इस मामले में मनोरमा देवी के पुत्र संजय से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन वह मौजूद नहीं थे। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को भी खंगालना शुरू कर दिया है।

निकाह के लिए आए दूल्हे को तीन लाख देकर बैरंग लौटना पड़ा, कोर्ट का पेपर लेकर आई महिला ने खोल दिया खेल

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा के बिरौल थाना क्षेत्र के लदहो गांव में रविवार को निकाह पढ़ने पहुंचे एक दूल्हे को बारात सहित दुल्हन वालों ने बंधक बना लिया। उन लोगों ने तब तक दूल्हे को बंधक बनाए रखा जब तक दूल्हे के पिता ने निकाही में हुए खर्च सभी तीन लाख रुपये दुल्हन के पिता को वापस नहीं कर दिए। इस दौरान करीब 24 घंटे तक दुल्हन वालों ने दूल्हे को बंधक बनाए रखा। बताया जा रहा है कि दूल्हा अब्दुल कादिर दूसरी निकाह पढ़ने आया था, जिसकी जानकारी दुल्हन पक्ष को नहीं थी। निकाह के दौरान पहली पत्नी के हंगामा करने के दौरान यह राज खुल गया और दूसरी निकाह करने से दुल्हन वालों ने इनकार कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, बिरौल

थाना क्षेत्र के लदहो गांव में दुल्हन की निकाह की तैयारी चल रही थी। बारात भी दूल्हे सहित सही समय से दुल्हन के घर पहुंच चुकी थी। निकाह की तैयारी शुरू हो गई। जैसे ही निकाह पढ़ाने की बात बढ़ी कि मामले में नया मोड़ आ गया और अचानक से दूल्हे की पहली पत्नी नाजनीन खातून ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पहले तो लोगों को हंगामे की बीच बात समझ में नहीं आई। उसके बाद पहली पत्नी ने भारी बारात के बीच अपना कोर्ट मैरिज का एग्रीमेंट सबके सामने रख दिया। पहली पत्नी ने बताया कि फेसबुक के माध्यम से दोनों के बीच जान पहचान होने के बाद दोनों की लव मैरिज हुई थी। उसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज की थी।

बस इतना सुनते ही दूसरी होने वाली पत्नी के परिवार वालों ने दूल्हे अब्दुल कादिर उर्फ छेदी सहित पूरी बारात को ही बंधक बना लिया।

वहीं, दुल्हन ने भी निकाह पढ़ने से इनकार कर दिया। काफी हंगामे के बाद ग्रामीणों और लड़की के पिता कलीमुद्दीन नद्दाफ और दूल्हे के पिता में तय हुआ कि निकाह में खर्च हुए तीन लाख रुपये देने के बाद ही दूल्हे को वापस जाने दिया जाएगा। सोमवार की देर शाम दुल्हन पक्ष को वर पक्ष के लोगों ने तीन लाख रुपये वापस किए। तब जाकर दूल्हा अब्दुल कादिर मुक्त हो सका।

इधर, बताया जा रहा है कि 24 घंटे से ऊपर तक दूल्हे को ग्रामीणों ने बंधक बनाए रखा। लेकिन इसकी भनक तक बिरौल पुलिस को नहीं लग सकी।

गंगा स्नान के वक्त डूबे चार छात्र, एक छात्र की डूबने से मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान चार छात्र डूब गए, जिनमें से तीन छात्रों को स्थानीय गोताखोर द्वारा किसी तरह बाहर निकाल कर जान बचा ली गई। जबकि एक छात्र को नहीं बचाया जा सका। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालिग्राम छपरापट्टी मुंगेर गंगा घाट की है। मृतक छात्र की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के छोटी बलिया ऊपर टोला निवासी उपेंद्र शर्मा के बेटे मदन मोहन कुमार शर्मा (18) के रूप में की गई है।

जानकारी के मुताबिक, मदन मोहन कुमार शर्मा अपने चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था। स्नान करने के दौरान गंगा नदी में चारों दोस्त डूबने लगे। इस दौरान

वहां मौजूद लोगों ने चारों दोस्तों को डूबते देखा।

आनन-फानन में गोताखोर ने पानी में कूद कर तीन छात्रों को किसी तरह गंगा नदी के पानी से निकलकर जान बचा ली। लेकिन एक छात्र मदन मोहन कुमार शर्मा को नहीं बचा सके, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई। हालांकि इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने साहेबपुर कमाल थाना पुलिस को दी।

सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। फिर आगे की कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के अनुसार, मृतक मदन मोहन कुमार शर्मा 10ींह का छात्र था। इस संबंध में साहेबपुर कमाल थाना अध्यक्ष ने बताया कि गंगा स्नान करने के दौरान एक छात्र की डूब कर मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

डॉ. वंदना की आत्महत्या या हत्या मामले की जांच में जुटी पुलिस, जब्त मोबाइल-लैपटॉप से खुलेगा राज?

गया (एजेंसियां)।

गया में बीते रविवार को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पीजी हॉस्टल के कमरे से डॉक्टर वंदना का लटकता हुआ शव मिला था। इस मामले में पुलिस अब हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुट गई है। पीजी कर रही डॉक्टर वंदना की मौत के बाद पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस जांच के बाद एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच कर सबूत जुटाने लगी। वहीं, जांच के दौरान पुलिस ने डॉक्टर वंदना के लैपटॉप, डायरी और मोबाइल को जब्त किया है। साथ ही पुलिस जब्त लैपटॉप, डायरी और मोबाइल को खंगाल रही है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस लैपटॉप में मिली कुछ तस्वीरों की जांच कर रही है। वहीं, पुलिस गर्ल्स हॉस्टल में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को भी खंगाल रही है। वारदात से पहले और बाद में कौन-कौन लोग आए और गए, पुलिस उन लोगों से भी पूछताछ करेगी। जांच के दौरान जरूरत पड़ी तो गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं और कर्मियों से भी पुलिस पूछताछ कर सकती है।

गौरतलब है कि बीते रविवार को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज के गाइनकॉलजी यानी स्त्री रोग विभाग से पीजी कर रही डॉक्टर वंदना की कमरे में पंखे से लटकी हुई लाश पुलिस को मिली थी। उसके बाद पूरे मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने डॉक्टर वंदना के शव को उनके परिजनों और पति को सौंप दिया। डॉक्टर वंदना के शव को पति अपने साथ पैतृक घर नालंदा ले गए। हालांकि पीजी गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली छात्राएं और कुछ भी बोलने से बच रही हैं।

महिला ने किया सुसाइड, बेटे की मौत के बाद डिप्रेशन में चली गई थी, फंदे से लटक दी जान

पटना (एजेंसियां)।

बेगूसराय में एक महिला ने बेटे की मौत से आहत में होकर घर में ही गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई। मौत की सूचना परिजनों में कोहराम मच गया। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र के दनियालपुर गाछी टोला की है। मृत महिला की पहचान दनियालपुर गाछी टोला के रहने वाले राजकुमार दास की पत्नी संजू देवी के रूप में की गई है।

मृतका के पति राजकुमार दास ने बताया है कि 25 फरवरी को बड़े पुत्र चंदन दास ने घर में ही गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया था। बेटे की आत्महत्या के बाद संजू देवी ने डिप्रेशन में चली गईं। उन्होंने बताया है कि हम अपने घर से ब्लॉक जाने के लिए निकाले थे। बेटे का डेथ सर्टिफिकेट निकलवाना था। हम अपने घर से ब्लॉक मृत पुत्र का डेट सर्टिफिकेट लाने के लिए गए थे। तभी घर में अकेले की फायदा उठाकर संजू देवी ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया है कि बेटे की मौत से ही आहत होकर संजू देवी ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया।

बताया है कि हमलोग पूरे परिवार हिमाचल में रहते थे लेकिन पुत्र चंदन कुमार अपनी पत्नी के साथ ससुराल आया था और पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी से नाराज होकर चंदन दास घर में ही गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। बेटे की आत्महत्या की खबर सुनते ही मन डिप्रेशन में चली गई और हमेशा वह मौत के बारे में सोचते रहती थी। इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने तेघड़ा थाना पुलिस को दी। मौके पर तेघड़ा थाने के पुलिस पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com